तरुण छत्तीसगढ़

आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

E-mail:
tarunpressraipur@gmail.com
tarun_press@yahoo.co.in
Web:
www.tarunchhattisgarh.in
facebook.TarunChhattisgarh
phone: 0771-2543112

■ रायपुर, मंगलवार, 27 जनवरी 2026 ■ माघ शुक्ल पक्ष-10 ■ वर्ष- 41 ■ अंक-297 ■ पृष्ठ-8 ■ डाक संस्करण 28 जनवरी 2026 ■ मूल्य 2.00 रु.

'वीबी जी राम जी' के जरिए गरीबी मुक्त होंगे गांव : शिवराज चौहान

रायपुर, 27 जनवरी। 'वीबी जी राम जी' को लेकर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि इस रिफॉर्म से मनरेगा की कमियों को दूर कर रहे हैं. सरकार 125 दिन की रोजगार गारंटी देने के साथ गरीबी मुक्त गांव, स्वावलंबी गांव बनाने का संकल्प पूरा कर रही है. 'वीबी जी राम जी' अधिनियम देश में लागू हो रहा है.

डोंगरगढ़, राजनांदगांव में अखिल भारतीय विश्वगुरु जैनाचार्य विद्यासागर समाधि स्मारक महोत्सव में शामिल होने के लिए एक दिवसीय प्रदेश प्रवास पर पहुंचे केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रायपुर एयरपोर्ट में पत्रकारों से चर्चा की. कृषि मंत्री ने मिलावटी कीटनाशक (पेस्टीसाइड) को लेकर को लेकर कहा कि पिछले साल चले विकसित कृषि संकल्प अभियान के अनुसार विभाग तेजी से काम कर रहा है. घटिया पेस्टीसाइड की शिकायतें काफी आ रही हैं. नया पेस्टीसाइड एक्ट और सीड एक्ट पर सरकार काम कर रही है. एक्ट को लेकर जनता से सुझाव ले रहे हैं.

वहीं भारत और यूरोपीयन यूनियन के बीच हुए बड़े समझौता को लेकर कहा कि एक महत्वपूर्ण समझौता हुआ है. पीएम मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत का निर्माण हो रहा है. वासुधैव कुटुंबकम् को ध्यान में रखकर भारत विकास में योगदान दे रहा है. भारत की कृषि विकास दर अभी अभूतपूर्व है. हरित क्रांति के दौर से भी तेज गति कृषि विकास दर में प्राप्त की है. चावल उत्पादन में भारत पहले स्थान पर पहुंच चुका है.

ट्रक-कार में टक्कर डॉक्टर की मौत

कोंडागांव, 27 जनवरी। बस्तर संभाग के प्रवेश द्वार केशकाल में रविवार रात एक सड़क हादसा सामने आया है। सुकमा जिले के छिंदगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ डॉ. राजू भगत (33 वर्ष) की कार नेशनल हाईवे-30 पर एक अनियंत्रित ट्रक से टकरा गई।टक्कर इतनी भयावह थी कि डॉक्टर की कार किसी प्लास्टिक की बोतल की तरह पिचक गई और डॉ. भगत ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। जानकारी के अनुसार, डॉ. राजू भगत मूल रूप से रायगढ़ के रहने वाले थे। वे अपने गृह ग्राम से सुकमा जिले के छिंदगढ़ में अपनी ड्यूटी पर लौट रहे थे। रविवार देर रात जब वे अकेले अपनी कार से गारका गांव के पास पहुंचे, तभी सामने से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी कार को जोरदार टक्कर मार दी।हादसा इतना भीषण था कि कार के परखच्चे उड़ गए और डॉक्टर का शव मलबे में बुरी तरह फंस गया था। सूचना मिलते ही केशकाल पुलिस की टीम मौके पर पहुंची।

पुलिस कर्मियों ने स्थानीय लोगों की मदद से काफी मशक्कत की और कार के दरवाजों को काटकर शव को बाहर निकाला। इस दौरान नेशनल हाईवे पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और करीब दो से तीन घंटे तक यातायात बाधित रहा। केशकाल थाना प्रभारी विकास बघेल ने बताया कि पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दुर्घटना में शामिल ट्रक को जब्त कर लिया है और आरोपी ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने शव का पंचनामा कर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। शुरुआती जांच में हादसे का मुख्य कारण ट्रक की अत्यधिक रफ्तार और रात का अंधेरा माना जा रहा है। क्रेन की मदद से दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हटाए जाने के बाद सोमवार सुबह हाईवे पर यातायात सामान्य हो सका।

भारत-ईयू ट्रेड डील : सस्ती हो गई लग्जरी कारें

नई दिल्ली, 27 जनवरी। भारत में 40,000 अमेरिकी डॉलर तक की कीमत वाली पूरी तरह से निर्मित इकाइयों (सीबीयू) के रूप में आयातित कारों पर 70% मूल सीमा शुल्क लगता है। 40,000 अमेरिकी डॉलर से अधिक कीमत वाले मॉडलों पर 70% मूल सीमा शुल्क के साथ-साथ 40% कृषि अवसंरचना और विकास उपकर भी लगता है, जिससे कुल आयात कर लगभग 110% हो जाता है।

यूरोपीय संघ (ईयू) और भारत ने आज एक ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते (एफ्टीए) पर बातचीत पूरी कर ली है, जिसके तहत यूरोप में निर्मित कारों पर आयात शुल्क 110% से घटकर 10% तक हो जाएगा, बशर्ते कि प्रति वर्ष 2,50,000 वाहनों का कोटा निर्धारित हो। इस समझौते से भारत में यूरोपीय ऑटोमोबाइल निर्माताओं की बाजार पहुंच में उल्लेखनीय सुधार होने की उम्मीद है। भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा यात्री वाहन (पीवी) बाजार है और वैश्विक स्तर पर सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। समझौते के तहत, यूरोपीय संघ से भारत को निर्यात की जाने वाली कारों पर शुल्क मौजूदा 110% से धीरे-धीरे घटाकर 10% कर दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त, यूरोपीय आयोग ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि कार के पुर्जों पर शुल्क पांच से दस वर्षों की अवधि में पूरी तरह से समाप्त कर दिया जाएगा।

भारत में 40,000 अमेरिकी डॉलर तक की कीमत वाली पूरी तरह से निर्मित इकाइयों (सीबीयू) के रूप में आयातित कारों पर 70% मूल सीमा शुल्क लगता है। 40,000 अमेरिकी डॉलर से अधिक कीमत वाले मॉडलों पर 70त्न मूल सीमा शुल्क के साथ-साथ 40% कृषि अवसंरचना और विकास उपकर भी लगता है, जिससे कुल आयात कर लगभग 110% हो जाता है। इसके विपरीत, स्थानीय असेंबली के लिए आयातित पूरी तरह से अलग-अलग पुर्जों (सीकेडी) पर लगभग 16.5% का काफी कम मूल सीमा शुल्क लगता है। वर्ष 2024 में यूरोपीय संघ से भारत को मोटर वाहनों का निर्यात 1.6 अरब यूरो (लगभग 17,400 करोड़ रुपये) का था। वर्ष 2025 में मर्सिडीज-बेंज और बीएमडब्ल्यू जैसे जर्मन ब्रांडों के प्रभुत्व वाले भारत के लग्जरी वाहन बाजार में लगभग 51,000-52,000 यूनिटों की बिक्री दर्ज की गई। देश में लग्जरी वाहनों की कुल बिक्री का लगभग 90% हिस्सा स्थानीय स्तर पर असेंबल किए गए मॉडलों का था।

मर्सिडीज-बेंज, बीएमडब्ल्यू, ऑडी और जगुआर लैंड रोवर जैसी प्रमुख लग्जरी कार निर्माता कंपनियां महाराष्ट्र और तमिलनाडु में असेंबली प्लांट संचालित करती हैं, जहां वे विदेशों में उत्पादन संयंत्रों से प्राप्त सीकेडी किट का उपयोग करके कारों का निर्माण करती हैं। मर्सिडीज-बेंज जी63 एएमजी, सीएलई 53 एएमजी और एएमजी एस 63 ई-परफॉर्मेंस जैसे मॉडल सीबीयू के रूप में आयात करती है, जबकि बीएमडब्ल्यू की एम4, एम5, एम8, आई4, आई5, आई7 और आईएक्स जैसी कारें सीबीयू के रूप में भारत आती हैं। जगुआर लैंड रोवर स्लोवाकिया स्थित अपने कारखाने से डिफेंडर को सीबीयू (कंप्लीट बाय यूनिट) के रूप में आयात करती है। इस समझौते पर प्रतिक्रिया देते हुए मर्सिडीज-बेंज इंडिया के एमडी और सीईओ संतोष अय्यर ने कहा मर्सिडीज-बेंज भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते का स्वागत करती है क्योंकि यह भारत के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, जो वैश्विक मंच पर भारतीय अर्थव्यवस्था के बढ़ते महत्व को दोहराती है। हमने हमेशा मुक्त व्यापार की वकालत की है क्योंकि यह व्यापार बाधाओं को कम करता है, वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं की पारस्परिक शक्तियों का लाभ उठाता है और आपूर्ति श्रृंखला की अनिश्चितताओं को कम करता है।

ट्रंप पर चल सकता है महाभियोग

वाशिंगटन, 27 जनवरी। भारत को आए दिन टैरिफ की धमकियां दे रहे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस रवैये से उनके सांसद खफा हैं. रिपब्लिकन पार्टी के सांसद टेड क्रूज का लीक्ड ऑडियो सामने आया है, जिसमें वह ट्रंप की नीतियों की खुलकर आलोचना कर रहे हैं. उन्होंने यह भी बताया कि ट्रंप प्रशासन के किन लोगों की वजह से भारत और अमेरिका की ट्रेड डील लटकी हुई है. टेड क्रूज ने बताया कि भारत के साथ व्यापार समझौते में देरी के लिए उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, व्हाइट हाउस के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जिम्मेदार हैं. ट्रंप पर महाभियोग चल सकता है।

जंगल में लव स्टोरी का खौफनाक अंत

आरोपी ने पहले पी शराब, फिर महिला को पत्थर से कुचलकर मार डाला

बालोद, 27 जनवरी। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले के गुरामी जंगल में 24 जनवरी को मिली एक महिला की लाश की गुत्थी सुलझा ली गई है. इस मामले में पुलिस जांच में कई चौकाने वाले खुलासे हुए हैं. महिला की हत्या किसी और ने नहीं बल्कि उसके ही सिरफिरे प्रेमी ने की थी. प्रेमी ने ही जंगल में गला दबाकर उसे बेहोश किया और फिर पत्थर से कुचलकर उसकी हत्या कर दी. पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा जा चुका है.

दरअसल, बालोद के डौण्डी लोहारा थाना क्षेत्र के गुरामी गांव का रहने वाला एक व्यक्ति ने 24 जनवरी को सुबह लगभग 10 बजे जंगल की ओर लड़की के लिए गया. जहां उसे तेज बदबू आने लगी और वह नजदीक जाकर देखा तो किसी इंसान के पैर की उंगलियां नजर आई. गांव के लोगों ने थाने पहुंचकर जानकारी दी. पुलिस टीम मौके पर पहुंची. इस दौरान पुलिस के बड़े अफसर, साइबर सेल, डॉग स्क्वाड और फॉरेंसिक टीम मौजूद रही. पत्थर को हटाकर देखा गया तो एक महिला की सड़ी गली लाश मिली. 16 जनवरी को एक महिला के लापता होने की गुमशुदगी रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी. उसी महिला के भाई को मौके पर बुलाया गया. महिला के हाथ में बने टैटू और उसके पहनावे को देखा तब शव की पहचान हो गई,

सेक्स सीडी कांड : 23 फरवरी को कोर्ट में भूपेश बघेल की पेशी

सेशन कोर्ट के फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट जाएंगे

रायपुर, 27 जनवरी। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित सेक्स सीडी कांड में कानूनी लड़ाई एक बार फिर तेज़ होने वाली है। रायपुर सेशन कोर्ट में सीबीआई द्वारा दोबारा अपील दाखिल करने के बाद अब कांग्रेस ने इस फैसले को चुनौती देने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाने का निर्णय लिया है। यह वही मामला है जिसमें मार्च 2025 में सीबीआई की विशेष अदालत ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को सभी आरोपों से बरी कर दिया था। सेशन कोर्ट में सीबीआई द्वारा पुनः अपील दाखिल करने पर कांग्रेस ने कड़ा रुख अपनाते हुए इसे गलत बताया है। कांग्रेस का कहना है कि जिस मामले में विशेष अदालत ने स्पष्ट रूप से कहा कि भूपेश बघेल के खिलाफ मुकदमा चलाने का कोई ठोस आधार नहीं है, उसे बार-बार कानूनी प्रक्रिया में घसीटना न्यायिक दुरुपयोग है। इसी आधार पर पार्टी अब हाईकोर्ट में अपील दायर करेगी।

विशेष अदालत ने मार्च 2025 में किया था भूपेश बघेल को बरी : मार्च 2025 में सीबीआई की विशेष अदालत ने भूपेश बघेल को मामले में सभी आरोपों से मुक्त कर दिया था। अदालत ने अपने आदेश में कहा था कि प्रस्तुत सबूत आरोप साबित करने के लिए पर्याप्त नहीं हैं। फैसला आने के बाद यह मामला लगभग समाप्त मान लिया गया था, लेकिन सीबीआई ने इसे पुनर्जीवित करते हुए सेशन कोर्ट में रिव्यू पिटिशन दायर किया।

छत्तीसगढ़ में लव जिहाद : हिंदू बनकर आदिवासी युवतियों को फंसाता था महफूज

सरगुजा, 27 जनवरी। सरगुजा जिले में लव जिहाद का मामला सामने आया है। यहां एक मुस्लिम युवक द्वारा हिंदू नाम और पहचान का सहारा लेकर आदिवासी युवतियों को प्रेमजाल में फंसाने, उनका दैहिक शोषण करने और पैसों की ठगी करने का राजफाश हुआ है।आरोपित की पहचान बिहार के पटना निवासी मोहम्मद महफूज के रूप में हुई है, जिसे गांधीनगर थाना पुलिस ने हिरासत में लिया है।

पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपित ने फेसबुक पर 'तरुण पैकरा' नाम से फर्जी आइडी बनाकर सरगुजा और आसपास के क्षेत्रों की आदिवासी युवतियों को टारगेट किया। खासतौर पर 'पैकरा' सरनेम वाली लड़कियों को फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजकर वह खुद को हिंदू युवक 'स्वराज पैकरा' बताता था।

इसके बाद वह शादी और नौकरी का झांसा देकर युवतियों को अपने जाल में फंसाता था। आरोपित खुद को बिलासपुर रेलवे में पोस्टेड अधिकारी बताता था, जबकि हकीकत में वह पटना में एक कपड़े की दुकान में काम करता है। इंटेडनेट मीडिया के जरिए विश्वास जीतने के बाद वह युवतियों से नजदीकियां बढ़ाता और मिलने के लिए दबाव बनाता था।

इसी कड़ी में वह अंबिकापुर पहुंचा और एक आदिवासी युवती को फोन कर मिलने बुलाया। आरोपित ने अंबिकापुर के एक होटल में कमरा बुक किया और वहां भी 'स्वराज पैकरा' नाम से फर्जी पहचान पत्र जमा कराया। वह युवती के साथ होटल के कमरे में दो दिन तक रुका। युवती को युवक की गतिविधियां संदिग्ध लगीं। जब उसने आरोपित का मोबाइल फोन चेक किया, तो उसके फेसबुक अकाउंट से कई अन्य हिंदू लड़कियों को किए गए मैसेज सामने आए। इसके बाद जब आरोपित होटल से बाहर गया, तो युवती ने उसका बैग चेक किया, जिसमें उसका असली आधार कार्ड मिला। आधार कार्ड में नाम मोहम्मद महफूज देखकर युवती सन्न रह गई।

टीआई से लेकर आरक्षक के तबादले और नवीन पदस्थापना स्थगित

रायपुर, 27 जनवरी। इसी महीने के 23 तारीख से राजधानी रायपुर में पुलिस आयुक्त प्रणाली लागू कर दी गई है। वरिष्ठ आईपीएस और बिलासपुर जिले के पुलिस महानिरीक्षक रहें आईपीएस डॉ संजीव शुक्ला को रायपुर का पहला पुलिस आयुक्त नियुक्त किया गया है। इसके अलावा दर्जन भर अधिकारियों को उनके मातहत एडिशनल सीपी, डीसीपी और एसीपी के तौर पर तैनात किया गया है। सभी पुलिस अफसरों ने पदभार सँभालने के बाद विधिवत अपना कामकाज शुरू कर दिया है।

इस बीच रायपुर पुलिस आयुक्त डॉ संजीव शुक्ला ने कमिश्नरी के तहत आने वाले थाना क्षेत्रों को लेकर एक अहम आदेश जारी किया है। उन्होंने आयुक्त प्रणाली लागू होने से ठीक पहले जारी किये गये पुलिस के अफसरों और कर्मचारियों के ट्रांसफर आदेश पर रोक लगा दी है। इस संबंध में जारी आदेश के तहत कहा गया है कि, आरक्षक से निरीक्षक स्तर की अधिकारी/कर्मचारियों के संबंध में पुलिस कमिश्नर प्रणाली लागू होने के पूर्व जारी स्थानांतरण आदेशों को स्थगित किया जाता है।

कांग्रेस में अंदरूनी घमासान

शकील अहमद के बाद अल्वी ने पार्टी नेतृत्व पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, 27 जनवरी। कांग्रेस में अंतर्कलह दिनों दिन बढ़ती ही जा रही है। तिरुअनंतपुरम के सांसद शशि थरूर और पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं पार्टी के महासचिव रह चुके शकील अहमद की टिप्पणी से उपजा विवाद अभी पूरी तरह थमा भी नहीं था कि अब वरिष्ठ नेता राशिद अल्वी ने भी पार्टी नेतृत्व पर सवाल खड़ा कर दिया है। पार्टी के आंतरिक कामकाज पर चिंता जताते हुए अल्वी ने कहा कि पार्टी नेतृत्व से मिलने के लिए एड़ी चोटी एक करना पड़ता है, फिर भी उनसे मुलाकात नहीं होती है।

उन्होंने कहा, ÷मैंने शकील जी का बयान नहीं देखा है, लेकिन कांग्रेस पार्टी में एक बड़ी समस्या यह है कि मुद्दों पर चर्चा करने के लिए कोई मंच नहीं है। नेताओं से मिलना आम तौर पर मुश्किल होता है। अगर लोगअपनी चिंताएं व्यक्त करना चाहते हैं, तो वे कहां जाएं? हर कोई कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडब्ल्यूसी) का सदस्य नहीं है। संवादहीनता की स्थिति निश्चित रूप से गंभीर है। यह कांग्रेस के भीतर एक बड़ी समस्याहै, और कई लोग शिकायत करते हैं कि पार्टी आला कमान से मिलना आसान नहीं है। संवाद की इस कमी को निश्चित रूप से दूर किया जाना चाहिए।''

यूजीसी के नए नियम पर पूरे देश में बवाल

नई दिल्ली, 27 जनवरी। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यानी यूजीसी के नए नियमों को लेकर देश में मचा विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। खास तौर पर सवर्ण समाज में इन नियमों को लेकर नाराज़गी खुलकर सामने आ रही है। उत्तर प्रदेश से शुरू हुआ विरोध देश के कई राज्यों तक पहुंच गया है, राजधानी दिल्ली में आज सवर्ण समाज ने सड़कों पर उतरने का एलान किया है। पूरे देश में जारी विरोध के बाद अब सरकार सफाई देने में लगी है। सरकार की तरफसे कहा गया है कि यूजीसी के नियम सभी के लिए निष्पक्ष होंगे और किसी के साथ भी कोई अनुचित व्यवहार नहीं किया जाएगा। यूजीसी के नए नियम को लेकर जारी विरोध पर सरकार ने कहा कि त्नष्ट के नियम सभी के लिए निष्पक्ष होंगे और किसी के साथ भी कोई अनुचित व्यवहार नहीं किया जाएगा। अधिसूचित नियमों को लेकर यदि कोई भ्रांतियां हैं, तो उन्हें दूर करने के लिए शिक्षा मंत्रालय जल्द ही स्पष्टीकरण जारी करेगा। दरअसल, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने 13 जनवरी को प्रमोशन ऑफइक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशन रेगुलेशन 2026 लागू किया है। इस नियम का उद्देश्य उच्च शिक्षण संस्थानों में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, महिलाओं और दिव्यांग छात्रों, शिक्षकों व कर्मचारियों के साथ होने वाले भेदभाव को समाप्त करना बताया गया है।

जिला पंचायत कबीरधाम में गणतंत्र दिवस पर

जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू ने राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कवर्धा,27 जनवरी। जिला पंचायत कबीरधाम में 77 वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया और इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू ने तिरंगा ध्वज फहराकर सभी को शुभकामनाएं देते हुए अपने कर्तव्यों का बोध कराते हुए राष्ट्र को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरणा दी। जिला पंचायत प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कबीरधाम विनय कुमार पोयाम, जिला पंचायत सदस्य सभापति रामकुमार भट्ट, सभापति वीरेंद्र साहू, सभापति श्रीमती पूर्णिमा साहू , , जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि श्री मनीराम साहू

जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि लोकचंद साहू , विजय पाटिल सहित जिला पंचायत के अधिकारियों कर्मचारियों एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने आपस में एक दूसरे को शुभकामनाएं देकर खुशियां बाटी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू ने कहा कि पूरे विश्व में भारत का लोकतंत्र आदर्श के रूप में विद्यमान है जहां सभी धर्म जाति संप्रदाय के लोग एक साथ मिलकर राष्ट्र की प्रगति पर अग्रसर है।तथा संविधान ने सबके अधिकारों को संरक्षित कर प्रगति का समान अवसर दिया है। सन 2047 तक अपने भारत देश को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए विकसित भारत गारंटी फ़ॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन ग्रामीण योजना के महत्व को रेखांकित करते हुए ग्रामीणों को इससे जोड़ने का आह्वान भी किया गया। प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनय कुमार पोयाम ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि हम सब अपने कार्यों को पूरे समर्पण से करें तथा समाज के अंतिम छोर तक शासन की योजनाओं को पहुंचने से ही हम विकसित राष्ट्र की ओर अग्रसर होंगे और यही गणतंत्र की नींव है। जिला पंचायत सदस्य श्री राम कुमार भट्ट ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि विश्व का सबसे बड़ा लिखित संविधान हम सबके अधिकारों एवं कर्तव्यों का बोध करता है। ग्रामीण भारत के उत्थान की कुंजी शासन के योजनाओं से समग्र विकास में निहित है। श्री भट्ट ने आगे कहा की संविधान निर्माता ने विश्व के सभी देश के संविधानों का अध्ययन कर भारत देश के लिए महान संविधान का निर्माण किया और यही कारण है कि हमारा देश दिनों दिन प्रगति कर रहा है। कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य श्री वीरेंद्र साहू ने भी अपने विचार व्यक्त किये तथा संविधान के निर्माण से जुड़े बहुत सी जानकारी कार्यक्रम में उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दी। जिला पंचायत में आयोजित कार्यक्रम के दौरान जिला पंचायत स्टाफ श्रीमती लता श्रीवास ने देशभक्ति गीत सुनाया तथा अन्य कर्मचारियों ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में उपसंचालक पंचायत श्री राज तिवारी लेखाधिकारी श्री भानु प्रताप नेताम सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी और बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि गण उपस्थित रहे।

समाचार संक्षेप

बसंत पंचमी पर मंदिर समिति व लोगों के सहयोग से धनोरा में भागवत कथा आरंभ

उतई, 27 जनवरी (तछसं.)। श्रीराधा कृष्ण मंदिर समिति एवं समस्त ग्रामवासी के सहयोग से मां शितला प्रांगण पर श्री मद्भागवत कथा प्रारंभ हर साल की भांति इस वर्ष भी ग्राम धनोरा मे भागवत कथा का आयोजन किया गया है यह आयोजन मंदिर समिति की ओर से 67 वर्ष से लगातार चलते आ रहे है माघी पूर्णिमा के अवसर पर एवं 1 फरवरी को माघी पूर्णिमा मेला एवं रात्रि में छत्तीसगढ़ के मशहूर नाच पार्टी का कार्यक्रम रखा गया है इस दिन दुर दुर से सभी के घरो पर माघी मेला देखने सगा पहुना आते हैं श्री राधा कृष्ण मंदिर समिति की ओर से विशाल भंडारा का भी आयोजन किया गया है आगे बताया कि मंदिर समिति के श्री मनसुखा साहू जी ने की बसंत पंचमी के रात्रि में श्री राधा कृष्ण सेवा एवं फाग मंडली धनोरा के द्वारा मां सरस्वती के तैल्य चित्र पर माल्यार्पण कर के पुजा पाठ करके फाग गीत गाया गया सभी श्रद्धालु गन सुनकर नाचने झुमने लगगे भागवत कथा आरंभ से पहले शोभा यात्रा निकाली गई जिसमें सभी माताए सिर पर कलश लेकर एवं एक ही कलर के साड़ी पहन कर कतार बध चलते रहे एवं जयकारे लगाते हुए हेमंत साहू के भंजन मंडली साथ साथ भजन कीर्तन करते हुए पुरे गांव के भ्रमण किया गया फिर वापिस कथा स्थल मे आकर शोभा यात्रा समाप्त किया गया श्रीराधा कृष्ण मंदिर समिति के अध्यक्ष रोहित झब्बू साहू एवं मनसुखा साहू जी ने यह जानकारी दी ।

दीपशिखा विद्यालय में बसंतोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

उतई, 27 जनवरी (तछसं.)। प्रतिवर्षानुसार दीपशिखा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डुमरडीह,उतई में बसंत पंचमी हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पं. संतोष मिश्रा द्वारा विधिविधान एवं मंत्रोच्चार के साथ सरस्वती मंदिर में पूजा अर्चना किया गया। विद्यालय के डायरेक्टर श्री डी एल सिन्हा एवं प्राचार्य श्री के आर सिन्हा सपत्नीक मुख्य यजमान के रूप में उपस्थित होकर विद्यालय परिवार की सुख, शांति ,समृद्धि एवं सद्बुद्धि प्राप्त करने की भावनाओं से समस्त शिक्षक -शिक्षिकाओं एवं विद्यार्थियों के साथ पूजा अर्चना की। विद्यालय की छात्र -छात्राओं ने माँ सरस्वती से सदबुद्धि ,सन्मार्ग एवं सत्कार्य प्रदान करने हेतु बहुत ही उत्सुकतापूर्वक पूजा अर्चना की। तत्पश्चात भोजन प्रसादी का भी आनंद लिए। इस अवसर पर दुर्ग प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष श्री दयाराम साहू ,सरस्वती शिशु मंदिर के शिक्षक भोजराम साहू तथा बी एस पी हायर सेकेंडरी स्कूल सेक्टर 02 भिलाई के व्याख्याता डी के साहू उपस्थित रहे।

जनपद बोड़ला में धूमधाम से मनाया गया गणतंत्र दिवस

कवर्धा,27 जनवरी (तछसं.)। बोडला जनपद आफिस के प्रांगण में विधायक प्रतिनिधि रामकिंकर वर्मा , जनपद उपाध्यक्ष नंद श्रीवास , बोड़ला सीईओ आकाश सिंह ठाकुर और जनपद सदस्य , स्टाफ की उपस्थिति में बोड़ला जनपद अध्यक्ष श्रीमती बालका रामकिंकर वर्मा ने फहराया तिरंगा । बोड़ला जनपद अध्यक्ष श्रीमती बालका रामकिंकर वर्मा ने कहा की देश भक्ति की भावना सभी के दिल में होना चाहिए । बोडला जनपद उपाध्यक्ष नंद श्रीवास और विधायक प्रतिनिधि रामकिंकर वर्मा ने कहा की देशभक्ति ओर देश प्रेम की भावना सभी के दिल में होना चाहिए । सभी ने एक दूसरे को गणतंत्र दिवस की बधाई देकर धूमधाम से गणतंत्र दिवस मनाया ।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क विभाग में शान से लहराया तिरंगा

कवर्धा,27 जनवरी (तछसं.)। गणतंत्र दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री ग्राम सड़क विभाग के प्रांगण में कार्यपालन अभियंता एस के ठाकुर ने फहराया तिरंगा ध्वज । सहायक अभियंता सौरभ देशमुख , सहायक अभियंता गौरव त्यागी , सहायक अभियंता आर एन निकुंज , उप अभियंता रीतेश नायडू , उप अभियंता अश्विनी ठाकुर , उप अभियंता हेमंत पॉल, उप अभियंता शिव वर्मा , प्रदीप ठाकुर , नेहा तिवारी , गीत गुप्ता , मुकेश वैष्णव , भूमिका पाली , मनोज दास माणिकपुरी एवं समस्त स्टाफ की उपस्थिति में धूमधाम से गणतंत्र दिवस मनाया गया । ध्वजारोहण के उपरांत समस्त अधिकारियों , स्टाफ ने एक दूसरे को गणतंत्र दिवस की बधाई दी ।

समाज कल्याण विभाग में धूमधाम से मनाया गया गणतंत्र दिवस

कवर्धा,27 जनवरी (तछसं.)। समाज कल्याण विभाग के प्रांगण में अभिलाषा पण्डा, उपसंचालक समाज कल्याण कबीरधाम ने फहराया तिरंगा ध्वज और सत्यम कुमार कौशिक सहायक ग्रेड-3, वेदराम कौशिक, रामचरण पटेल, विनायक सिंह ठाकुर, मोहित सिन्हा, संजय यादव, सुखनंदन निषाद की उपस्थिति में धूमधाम से गणतंत्र दिवस मनाया गया । सभी अधिकारियों कर्मचारियों ने एक दूसरे को गणतंत्र दिवस की बधाई दी ।

एक नजर

निगम और मलेरिया विभाग की टीम ने चलाया मच्छर उन्मूलन अभियान

भिलाई, 27 जनवरी। नगर निगम आयुक्त राजीव कुमार पांडेय के निर्देशानुसार शहर में मच्छर जनित रोगों डेंगू व मलेरिया की रोकथाम के लिए नगर पालिक निगम भिलाई एवं जिला मलेरिया विभाग की संयुक्त टीम द्वारा विशेष मच्छर उन्मूलन अभियान चलाया गया। अभियान के तहत जोन-4 (शिवाजी नगर) के वार्ड-50 शास्त्री नगर, खुर्सीपार क्षेत्र में केनाल रोड एवं गायत्री मंदिर मार्ग पर घर-घर सर्वेलेंस किया गया। टीम ने कूलर, पानी की टंकी, ड्रम व पुराने बर्तनों की जांच कर जहां भी पानी जमा पाया गया, उसे तत्काल खाली कराया। मच्छर के लार्वा नष्ट करने हेतु एक्वागार्ड का छिड़काव किया गया, वहीं व्यस्क मच्छरों के नियंत्रण के लिए गलियों व प्रभावित क्षेत्रों में मैलाथियान (पानी मिश्रित) का स्प्रे किया गया। कच्ची एवं पक्की नालियों में जमा पानी पर भी सघन छिड़काव किया गया। स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं ने नागरिकों को मच्छर से बचाव के उपायों की जानकारी देते हुए जलजमाव न होने देने की अपील की तथा स्वास्थ्य शिक्षा संबंधी पम्पलेट वितरित किए। इस अभियान में वरिष्ठ स्वच्छता निरीक्षक के.के. सिंह, सुदामा परगनिहा, राजेश डहरे तथा जिला मलेरिया विभाग के सर्विलेंस इंस्पेक्टर मोहन राव एवं उमेश कपूर का विशेष योगदान रहा।

भैसबोड़ में त्रिदिवसीय मानसगान प्रतियोगिता का आयोजन 30 जनवरी से 1 फरवरी तक

अंवरी, 27 जनवरी। ग्राम भैसबोड़ में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी समस्त ग्रामवाशियों के सहयोग से एवं शिवा ग्रामोत्सव समिति भैसबोड़ के तत्वाधान में त्रिदिवसीय मानसगान प्रतियोगिता का आयोजन 30 जनवरी से 01 फरवरी तक किया गया है 7 जिसमें 30 जनवरी को राधा कृष्ण मानस परिवार धौराभाठा धमतरी, राजिम लोचन मानस परिवार रानी परतेवा राजिम, श्री राम रूचि महिला मानस मंडली कोलियारी, राधा कृष्णा मानस परिवार थूहा, भखारा, 31 जनवरी को अंजनी नंदन मानस परिवार धमनी, राजिम, महाकाव्य मानस परिवार कचना अभनपुर,भगवती मानस परिवार सेनचुवा, सेमराचण्डी महिला मानस परिवार सिंगदेही, वंदना महिला मानस मंडली पाररास, बालोद,गौतम ऋषि मानस परिवार नगरी जिला धमतरी,श्री राम कृष्ण मानस मंडली उमरदा,श्री राम मानस परिवार मोतिमपुर, मगरलोड, स्वारांजली मानस परिवार तुमाकला,तुलसी के श्रृंगार मानस परिवार नारी, चारभाठा,जय मां सरस्वती बालिका मानस मंडली सिलतरा एवं 01 फरवरी को सुरदास मानस मंडली जुगदेही,साकेत मानस मंडली केसरा,श्री अवध रघुनंदन मानस परिवार धमतरी,जय मां दंतेश्वरी महिला मानस परिवार खम्हरिया, धमतरी,स्वासतिक महिला मानस मंडली खरतुली, बालोद,जनक सुता बालिका मानस मंडली धुकसीडीह उतई, भिलाई,आदर्श मानस परिवार गौराभाठ, चम्पारण,प्रज्ञा मानस दर्शन मरौद,श्री साईं मानस परिवार अण्डा, दुर्ग,प्रेम पीयुष मानस मंडली बिजेतला,भरत व्यास मानस परिवार कोण्डागांव, बस्तर,श्री कृष्ण मानस मंडली बावनलाख, बेमेतरा की मानस मंडलियों के द्वारा रामचरित मानस का रसपान कराया जायेगा ।

जीवन में काम और क्रोध से विषय विकारों का जन्म होता है:प्रांशु कृष्ण शास्त्री

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

उतई, 27 जनवरी ग्राम लोहरसी में नव दिवसीय संगीतमय श्री शिव महापुराण ज्ञानयज्ञ कथा का आयोजन हो रहा है। कथावाचक पंडित प्रांशू कृष्ण शास्त्री महाराज जी श्री धाम बृंदावन है। आज पांचवें दिन की कथा में माता पार्वती की जन्म एव भगवान शंकर एव माता पार्वती की विवाह संपन्न हुआ। महाराज जी ने बताया कि जीवन में भगवान की परीक्षा समीक्षा नहीं करना चाहिए, भगवान राम की परीक्षा माता सती ने सीता माता का भेष धारण करके लिया और भगवान शिव ने सती का त्याग किया। राम

चरितमानस में ही सूर्पनखा ने भगवान राम जी की समीक्षा किया और लक्ष्मण जी ने उनकी नाक कान काट दिए इसलिए भगवान की समीक्षा नही करे। जीवन मे करना ही है तो माता सबरी से शिक्षा लीजिए माता सबरी ने प्रतीक्षा किया है किसी भी परिस्थिति में डगमगाना नही चाहिए, भगवान राम जी जरूर मिलते है।महाराज जी ने बताया कि भक्ति के मार्ग से शिव की प्राप्ति और शिव की प्राप्ति से कल्याण का मार्ग प्रशस्त होता है। माता पार्वती के बिना शिव भी अधूरे है। भगवान शिव ने काम के ऊपर विजय प्राप्त किया और हम समस्त चराचर जगत को मार्गदर्शित किया, इंद्रियों में विजय प्राप्त करने से काम क्रोध से विजय प्राप्त किया जा सकता है। क्योकि जीवन मे काम और क्रोध से विषय विकारों का जन्म होता है। शिव में ई की मात्रा हटा देने से शव बनता है। नारी निंदा न करो नारी नर की खान नारी से पैदा हुए ध्रुव भक्त प्रह्लाद के समान। माता पार्वती ने तपस्या कर के भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त किया। विवाह उत्सव से आनंदित किये।

शिव महापुराण कथा में मुख्य आयोजनकर्ता गणेश राम चंद्राकर, अहिल्या बाई चंद्राकर, नीता चंद्राकर, चंद्रशेखर चंद्राकर, पूर्णिमा चंद्राकर, गोलू चंद्राकर, लोकेश्वरी चंद्राकर, मनीष चंद्राकर, के साथ विजय बघेल सांसद दुर्ग, हर्षा चंद्राकर पूर्व जनपद अध्यक्ष, लोकमनी चंद्राकर पूर्व मंडल अध्यक्ष, रज्जु सोनी, जितेंद्र सोनी सरपंच कातरो, कमल चंद्राकर, शीतल चंद्राकर, संजय चंद्राकर, सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु गण उपस्थित रहे।

इंद्रजीत ने बीरा जी के अंगना जनता को किया समर्पित और तिरंगा फहराया

भिलाई, 27 जनवरी । सर्व समाज कल्याण समिति के बैनर तले आर्य नगर कोहका में बीरा जी के अंगना डोम शेड का लोकार्पण गणतंत्र दिवस के अवसर पर संपन्न हुआ। यह डोम शेड सामाजिक एवं धार्मिक आयोजनों के लिए निःशुल्क उपलब्ध रहेगा। इसका लोकार्पण समिति अध्यक्ष इंद्रजीत द्वारा अपने पिता स्वर्गीय बीरा सिंह की स्मृति में तथा सर्व समाज की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर उनकी माता कुलवंत कौर, इंद्रजीत की पत्नी, सिख यूथ सेवा समिति के महिला एवं पुरुष सदस्य, विभिन्न समाजों के गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान गणतंत्र दिवस के अवसर पर 110 फीट ऊँचे राष्ट्रीय ध्वज का ध्वजारोहण भी इंद्रजीत द्वारा अपने युवा साथियों की मौजूदगी में किया गया। लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए सर्व समाज कल्याण समिति के अध्यक्ष इंद्रजीत ने कहा कि आजादी के बाद भारत के प्रत्येक नागरिक को संविधान द्वारा मौलिक अधिकार प्रदान किए गए हैं। हमारा संविधान महान है और प्रत्येक भारतीय का नैतिक दायित्व है कि वह कानून का पालन करे और देश एवं राज्य की प्रगति में योगदान दे। उन्होंने अपने पिता स्वर्गीय बीरा सिंह के संघर्षपूर्ण जीवन को याद करते हुए कहा कि बचपन में परिवार ने कठिन परिस्थितियाँ देखी हैं, लेकिन उन्हीं संघर्षों से सेवा और संवेदनशीलता की सीख मिली। इंद्रजीत ने जानकारी दी कि इस अवसर पर 11 बच्चों को 1.50 लाख रुपये की छात्रवृत्ति राशि के चेक प्रदान किए गए। सिख यूथ सेवा समिति द्वारा 300 बच्चों की शिक्षा की जिम्मेदारी ली गई है। साथ ही महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने हेतु सिलाई-कढ़ाई, बैग निर्माण सहित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं, ताकि वे स्वरोजगार स्थापित कर सकें। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने की अपील करते हुए कहा कि नशा सामाजिक बुराई है और इसके उन्मूलन से ही स्वस्थ समाज का निर्माण संभव है। कार्यक्रम के दौरान सामाजिक सरोकार निभाते हुए दिव्यांग युवक को चलित बैटरी ट्राई साइकिल भी प्रदान की गई। समारोह में सर्व समाज कल्याण समिति के कार्यों की जानकारी दी गई तथा विभिन्न समाजों के लोगों को सम्मानित किया गया।

निर्वाचन संबंधी कार्यों में उत्कृष्ट योगदान के लिए दुर्ग जिले को राज्य स्तरीय सम्मान

भिलाई, 27 जनवरी। राष्ट्रीय मतदाता दिवस 2026 के अवसर पर रायपुर में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में निर्वाचन कार्यों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले जिलों को सम्मानित किया गया। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदाता जागरूकता तथा निर्वाचन प्रक्रिया के प्रभावी क्रियान्वयन में उल्लेखनीय योगदान हेतु दुर्ग जिले को प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण श्रेणी के अंतर्गत राज्य स्तरीय पुरस्कार प्रदान किया गया। यह सम्मान दुर्ग जिले को निर्वाचन संबंधी कार्यों के सफल संचालन एवं नवाचारपूर्ण प्रयासों के लिए दिया गया है। राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन इंदिरा गांधी कृषि महाविद्यालय परिसर, रायपुर स्थित विवेकानंद सभागार में किया गया। इस अवसर पर दुर्ग जिले की ओर से कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अभिजीत सिंह ने यह सम्मान प्राप्त किया। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय मतदाता दिवस का उद्देश्य मतदाताओं में जागरूकता बढ़ाना तथा लोकतांत्रिक प्रक्रिया में उनकी सक्रिय और प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित करना है।

साधना सरगम की प्रस्तुति ने मोहा श्रोताओं का मन

भिलाई, 27 जनवरी। सेल स्थापना दिवस के अवसर पर भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत 24 जनवरी की संध्याकाल भिलाई क्लब स्थित रॉयल क्रिस्टल गार्डन में एक भव्य संगीतमय संध्या का आयोजन किया गया। इस विशेष आयोजन में बॉलीवुड की प्रसिद्ध एवं अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पार्श्व गायिका सुश्री साधना सरगम ने अपनी सुमधुर गायकी से उपस्थित श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इस अवसर पर निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र, कार्यपालक निदेशक ए.के. चक्रवर्ती, कार्यपालक निदेशक प्रवीन निगम, कार्यपालक निदेशक पवन कुमार, कार्यपालक निदेशक पी.के. सरकार, कार्यपालक निदेशक राकेश कुमार, कार्यपालक निदेशक कमल भास्कर तथा कार्यपालक निदेशक अरुण कुमार, सपत्निक उपस्थित रहे। अपने मधुर एवं प्रभावशाली स्वरों के लिए प्रख्यात सुश्री साधना सरगम ने मुंबई से आए अपने दस सदस्यीय संगीत दल के साथ हिंदी फिल्म संगीत के लोकप्रिय गीतों के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं के गीतों की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं।

चंद्र नगर में पेट्रोल पंप खोलने के मामले में स्थगन आदेश

भिलाई, 27 जनवरी। चंद्र नगर कोहका में प्रस्तावित पेट्रोल पंप के निर्माण को लेकर स्थानीय नागरिकों के भारी विरोध के बाद तहसीलदार द्वारा स्थगन आदेश जारी किया गया है। मामले की अगली सुनवाई की तिथि 9 फरवरी निर्धारित की गई है। समिति के संयोजक शारदा गुप्ता ने बताया कि स्थल पर पेट्रोल पंप के लिए पर्याप्त जगह उपलब्ध नहीं है। सड़क चौड़ीकरण का प्रस्ताव तैयार है, सामने ट्रांसफार्मर तथा ऊपर से हाई टेंशन लाइन गुजर रही है। ऐसे में यह जांच का विषय है कि पेट्रोल पंप की अनुमति किस आधार पर दी गई। स्थानीय लोगों ने सांसद विजय बघेल, विधायक वैशाली नगर रिकेश सेन, कलेक्टर दुर्ग एवं नगर निगम आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर मामले से अवगत कराया है। क्षेत्रीय पार्षद अभिषेक मिश्रा ने भी कॉलोनी वासियों की बैठक में पेट्रोल पंप किसी भी हाल में नहीं खुलने देने का आश्वासन दिया है। कॉलोनी वासियों ने आगजनी जैसी आपात स्थिति में दमकल व एंबुलेंस के प्रवेश में गंभीर समस्या की आशंका जताई है। इस संबंध में हाईकोर्ट में याचिका भी दायर की गई है।

इस्पात नगरी में हर्षोल्लास से मनाया गया गणतंत्र दिवस

भिलाई, 27 जनवरी। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र में देश का 77वाँ गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। मुख्य समारोह शहीद वीर नारायण सिंह जयंती स्टेडियम में आयोजित हुआ, जहां संयंत्र के निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित उपमहानिरीक्षक (सीआईएसएफ) आईपीएस नागेन्द्र नाथ त्रिपाठी ने परेड की सलामी ली एवं उसका निरीक्षण किया। परेड में सीआईएसएफ की चार टुकड़ियाँ, महिला कमांडो दस्ता, अग्निशमन दल, एनसीसी आर्मी एवं एयर विंग की टुकड़ियाँ, कब-बुलबुल दल तथा सेल एथलेटिक्स अकादमी के राष्ट्रीय स्तर के विजेता खिलाड़ियों ने आकर्षक मार्च पास्ट प्रस्तुत किया। अपने संबोधन में निदेशक प्रभारी महापात्र ने वित्त वर्ष 2024-25 में संयंत्र की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए रिकॉर्ड उत्पादन व डिस्पैच, खदान क्षेत्र में प्रगति तथा ब्लास्ट फर्नेस-8 द्वारा तीन दिनों तक 10,000 टन से अधिक हॉट मेटल उत्पादन कर बनाए गए सेल-स्तरीय ऐतिहासिक रिकॉर्ड को रेखांकित किया। साथ ही हॉट मेटल क्षमता को 7.22 एमटीपीए से बढ़ाकर 10.5 एमटीपीए करने की योजना, ग्रीन स्टील, पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई। मुख्य समारोह में भिलाई के विभिन्न विद्यालयों के लगभग 1,028 छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं।

जेएलएन चिकित्सालय एवं अन्य विभागों में भी तिरंगा फहराया

जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र में भिलाई महिला समाज की उपाध्यक्ष श्रीमती मोली चक्रवर्ती द्वारा ध्वजारोहण कर मरीजों को फल वितरित किए गए। इस अवसर पर चिकित्सालय स्टाफ एवं महिला समाज की पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहीं। इसके अतिरिक्त इस्पात भवन, एक्सपांशन भवन, संयंत्र भवन, नगर सेवाएँ विभाग, खदान क्षेत्र सहित संयंत्र के सभी विभागों, विद्यालयों एवं इस्पात क्लबों में भी गणतंत्र दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण किया गया।

ओम शिव शक्ति विद्यालय में धूमधाम से मनाया गया राष्ट्रीय पर्व

ओम शिव शक्ति विद्यालय, सुभाष नगर खुर्सीपार में गणतंत्र दिवस उत्साहपूर्ण वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में जाने-माने समाजसेवी राम अवतार अग्रवाल तथा वरिष्ठ पत्रकार एवं साहित्यकार शिवनाथ शुक्ल ने ध्वजारोहण किया, जिसके पश्चात राष्ट्रगान का सामूहिक गायन हुआ। सर्वप्रथम विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती रमा मालवीय ने विद्यालय का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। शिवनाथ शुक्ल ने अपने उद्बोधन में गणतंत्र के महत्व पर प्रकाश डालते हुए छात्र-छात्रों को मनोयोग से अध्ययन एवं सामाजिक गतिविधियों में लगे रहने का आह्वान किया। उन्होंने बच्चों को देश के प्रति कर्तव्यों का पालन करने तथा अच्छे नागरिक बनने की प्रेरणा दी। समाजसेवी राम अवतार अग्रवाल एवं विशिष्ट अतिथि श्रीमती मंजू अग्रवाल ने विद्यार्थियों को अपनी शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन की ओर से संचालक सुरेश कुमार मालवीय ने अतिथियों का स्वागत किया।

कार्यक्रम में राजेश मालवीय, संतोष मालवीय, शम्भूनाथ मालवीय, रमाकांत मालवीय, वरिष्ठ शिक्षक सरवर खान, शिक्षिका किरण वर्मा, सोम दत्त, पूजा मैडम एवं ऋतु मैडम सहित विद्यालय प्रबंधन, शिक्षक गण, विद्यार्थी एवं अभिभावक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। समारोह का संचालन वरिष्ठ शिक्षक रामपाल साहू ने किया। ध्वजारोहण के पश्चात विद्यार्थियों द्वारा देशभक्ति गीत, भाषण एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं, जिन्होंने उपस्थित लोगों को देशप्रेम की भावना से ओत-प्रोत कर दिया।

एक नजर

ग्राम डूंडेरा में बाजे-गाजे के साथ फहराया तिरंगा

डोगरगढ़ 27 जनवरी। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। ग्राम डुन्डेरा में 26 जनवरी के ऐतिहासिक पर्व पर ग्रामवासियों के द्वारा गाजे बाजे के साथ स्कूली छात्र छात्राओ के साथ मिलकर प्रभात फेरी निकाल कर शान के साथ हर चौक चौराहों में तिरंगा फहरा कर ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर पूर्व मा.शाला, प्रा. शाला, आँगन बाड़ी बस स्टैंड,बजरंग चौक, लोधी भवन, महिला भवन, स्वास्थ्य भवन, गांव के बीच दुर्गा चौक में ग्राम सरपंच, जनपद सदस्य, फिरतू राम चंद्रवंशी,श्याम सुंदर हठीले,श्रीमति मंजू वर्मा वर्मा, दीलिप वैष्णव, गौतरहीन बाई, ब्रह्माराम वर्मा,श्रीमति मीनाबाई तिवारी, प्रधान पाठिका प्रधान पाठक, द्वारा ग्राम के सभीशासकीय भवन सहित चौक चौराहों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया जिसमें गाँव के समस्त ग्रामवासी, स्कूली छात्राओं ने बाजा बाजा के साथ पूरे गांव में प्रभात फेरी निकाली गई और पूर्व मा. शाला प्रांगण में समापन कर फल व मिठाई वितरण गया किया गया।

संयुक्त जिला कार्यालय में कलेक्टर ने फहराया राष्ट्रीय ध्वज

बलौदाबाजार 27 जनवरी। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। गणतंत्र दिवस के 77 वें वर्षगांठ के अवसर पर आज सुबह 8 बजें संयुक्त जिला कार्यालय में कलेक्टर दीपक सोनी ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया।साथ ही परिसर में स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं संविधान निर्माता डॉ भीमराव अम्बेडकर, शहीद वीर नारायण सिंह, छत्तीसगढ़ महातारी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। राष्ट्रगान के पश्चात् राष्ट्रीय गीत वन्देमातरम का गायन किया गया।उन्होंने उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दिए। इस दौरान जिला कार्यालय के समस्त कर्मचारियों एवं अधिकारियों से कुशलक्षेम पूछते हुए सभी से रूबरू भी हुए। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत सुश्री दिव्या अग्रवाल,अपर कलेक्टर सुश्री दीप्ती गौते, अवधराम टण्डन, निशा नेताम मड़ावी सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी एवं कर्मचारी गण उपस्थित थे।

गणतंत्र दिवस पर शहीद उप निरीक्षक युगल किशोर वर्मा को दी गई श्रद्धांजलि

बलौदाबाजार 27 जनवरी। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। आज दिनांक 26.01.2026 को गणतंत्र दिवस के अवसर पर अमर शहीद उप निरीक्षक श्री युगल किशोर वर्मा को श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। श्री युगल किशोर वर्मा द्वारा अध्यनरत प्राथमिक शाला पलारी एवं शहीद प्रतिमा स्थल में कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। इस दौरान उपस्थित छात्र-छात्राओं, स्कूल शिक्षकों एवं आमजनों को शहीद श्री युगल किशोर वर्मा की वीरगाथा एवं नक्सलियों के खिलाफ मुठभेड़ में उनकी अदम्य साहस का परिचय देते हुए शहादत के बारे में बताया गया। विदित हो कि श्री युगल किशोर वर्मा पलारी नगर के रहने वाले थे, जिनके द्वारा अपनी प्राथमिक शिक्षा प्राथमिक शाला पलारी से ग्रहण किया गया था।

निधन

कस्तूरी बाई सेन

सिमगा। वरिस्ट कांग्रेस नेता गजानंद सेन की धर्म पत्नी श्री मति कस्तूरी बाई सेन का आकस्मिक निधन कल शाम हो गया जिसकी मिटी का कार्यक्रम 12 बजे सिमगा के एनीकेट के समीप कबीरहा समसान घाट में रखा गया

संयुक्त टीम ने जिले में 2250 कट्टा अवैध धान एवं धान से भरा एक ट्रक जब्त किया

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

महासमुंद 27 जनवरी। कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह के निर्देशानुसार जिले में अवैध धान भंडारण एवं परिवहन के विरुद्ध लगातार सघन कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में गत दिवस बागबाहरा एवं सरायपाली विकासखण्ड अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर की गई कार्रवाई में 2250 कट्टा अवैध धान एवं धान से भरा एक ट्रक जप्त किया गया तथा समिति सत्यापन के दौरान राजडेरा समिति में 2088 कट्टा धान अधिक एवं तेंदूकोना समिति में 17069 कट्टा धान कम पाया गया।

बागबाहरा विकासखंड अंतर्गत धान उपार्जन कार्य में अनियमितताओं की जांच के तहत संयुक्त टीम द्वारा समितियों में भौतिक सत्यापन की कार्रवाई की गई। इस दौरान राजडेरा समिति में 2088 कट्टा धान अधिक पाया गया, वहीं तेंदूकोना समिति में 17069 कट्टा धान कम पाया जाना सामने आया है। कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित जिम्मेदारों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। इसी प्रकार तेंदुकोना से भुरकोनी मार्ग पर लगभग 200 कट्टा धान का अवैध परिवहन करते हुए एक मिनी ट्रक पकड़ा गया। वाहन को नजदीकी बुंदेली चौकी के सुपुर्द किया गया। एक अन्य कार्रवाई में उड़ीसा से लाकर खेतों में छुपाकर रखे गए तथा समीप की बाड़ी में डंप किए गए लगभग 1000 कट्टा धान को मंडी अधिनियम के तहत जब्त कर थाना कोमाखान के सुपुर्द किया गया। इसके अलावा टूहलू चेकपोस्ट के पास धान से भरा एक ट्रक पकड़ा गया, जिसे आगे की कार्यवाही हेतु टूहलू थाना को सुपुर्द किया गया।

सरायपाली विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम गिधामुंडा में बरतराम के गोदाम में निरीक्षण के दौरान 1400 कट्टा धान मौके पर पाया गया। जांच में 600 कट्टा धान का वारिसान पंजीयन प्रक्रियाधीन पाया गया, जबकि शेष 800 कट्टा धान अधिया का बताया गया, परंतु अधिया-रेघा से संबंधित कोई वैध दस्तावेज अथवा पंजीयन प्रस्तुत नहीं किया गया। उक्त 800 कट्टा धान को राजस्व एवं मंडी टीम द्वारा मौके पर ही जब्त किया गया। साथ ही सारंगढ़ घठौरा से नवागढ़ महासमुंद समिति की ओर अवैध रूप से धान परिवहन करते पाए जाने पर तीन ट्रैक्टरों में लदे 250 कट्टा धान जप्त किया गया। जिला प्रशासन ने निर्देशित किया है कि अवैध धान भंडारण एवं परिवहन के मामलों में कड़ी कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने पं. चक्रपाणी शुक्ल हाई स्कूल मैदान में फहराया तिरंगा

हर्षोल्लास के साथ जिले में मनाया गया गणतंत्र दिवस

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार,27 जनवरी। 77वां गणतंत्र दिवस जिले में हर्षोल्लास के साथ एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। पंडित चक्रपाणी शुक्ल हाई स्कूल मैदान में आयोजित जिला स्तरीय समारोह में मुख्य अतिथि रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराकार परेड की सलामी ली। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के संदेश का वाचन करते हुए राज्य सरकार की प्रमुख उपलब्धियां एवं भावी कार्य-योजनाओं की जानकारी दी।

जिला स्तरीय समारोह प्रातः 9 बजे मुख्य सांसद बृजमोहन अग्रवाल द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराने के साथ शुरू हुआ। मुख्य अतिथि ने कलेक्टर व एसपी के साथ परेड निरीक्षण किया। जिला पुलिस बल, केंद्रीय अर्द्ध सैनिक बल,नगर सेना, एनसीसी, एनएसएस, स्काउट -गाइड एवं रेडक्रॉस सहित 10 टुकड़ियों ने झण्डे एवं अतिथि को शानदार सलामी दी। परेड का नेतृत्व रक्षित निरीक्षक उषा ठाकुर एवं परेड 2 आईसी मेघनाथ बंजारे ने किया। समारोह में हर्ष और उल्लास के प्रतीक के रूप में रंगीन गुब्बारे आसमान में उड़ाये गये।

मुख्य अतिथि ने जिले के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के परिजन लक्ष्मी ठाकुर, सावित्री सोनी, शहीद उप निरीक्षक युगल किशोर वर्मा, आरक्षक हुमेश्वर प्रसाद कुर्रे, हीरा लाल गायकवाड़, संतराम साहू, धनंजय वर्मा, संतोष ध्रुव, मिथिलेश कुमार साहू, टेकराम वर्मा के परिजनों एवं लोकतंत्र सेनानियों श्रीमती रेखा आडिल, रमन अग्रवाल, दुलेचंद वर्मा, श्रीमती किरण देवी चौहान का श्रीफल एवं शाल से सम्मान कर उनका हाल-चाल जाना।

49 अधिकारी कर्मचारी सम्मानित - मुख्य अतिथि ने करने वाले उ 49 शासकीय कर्मियों का भी जिला प्रशासन की ओर से सम्मानित किया।जिसमें राजस्व विभाग से सुश्री सुनीता वर्मा,आकाश पाटकर,अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कसडोल से तेजपाल दुबे, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग से अश्वनी कुमार पटेल, श्रीमति रेणु वर्मा,हेमंत कुमार जोगी, प्रदीप निषाद,श्रीमती माधुरी आडील,श्रीमती संतकुमारी साहू,कामता प्रसाद ध्रुव, शिक्षा विभाग से श्रीमती भारती मढरिया,रमेश चंद्र खोटे,श्रीमती अनुराधा शुक्ला, तेजकुमार कुर्रे, उद्यान विभाग से गोपाल प्रसाद कोसले, आबकारी विभाग से श्रीमती राधागिरी गोस्वामी,जिला कोषालय से विनोद कुमार सोनी,आयुष विभाग से दीपक कुमार वर्मा, कृषि विभाग से अवधेश कुमार राठौर, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग से आर.के. ध्रुव, चिकित्सा विभाग से श्रीमती रीना सलूजा, श्रीमती कुसुम बांधे,संपर्क केंद्र से राजकुमार पटेल,पशु चिकित्सा विभाग से नरेंद्र चौधरी, दयाराम यादव,महिला एवं बाल विकास विभाग से सुश्री वंदना बड़ा,श्रीमती योगेश्वरी साहू,जल प्रबंधन संभाग क्र- 2 बलौदाबाजार से हरीश कुमार वर्मा, भू- अभिलेख शाखा से राकेश देवांगन,वन विभाग से गीतेश कुमार बंजारे, धनेश्वर कुमार ध्रुव, दीपक निर्मलकर,नगर पालिका परिषद बलौदाबाजार से रोहित भारती, सीएसपीडीसीएल भाटापारा से पुनीत शुक्ला,पूजा महिलांग शामिल है।इसीतरह पुलिस विभाग सेनिरीक्षक प्रणाली वैद्य,अजय झा, उप निरीक्षक प्रियेश जॉन,संदीप बंजारे,सहायक उप निरीक्षक मनीष वर्मा, पुष्पा राठौर, प्रधान आरक्षक रामकृष्ण पटेल, सत्य प्रकाश मरकाम,सुरज बंजारे,अनवर कुर्रे, राकेश शर्मा, युगल किशोर ध्रुव,रमाकांत साहू,सोमेश्वर खूंटे शामिल है। सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं आकर्षक झांकियां- समारोह में सकूली बच्चों द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा विभिन्न विभागों द्वारा आकर्षक झांकियों का प्रदर्शन किया गया।सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रथम वर्धमान विद्यापीठ, द्वितीय कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय बलौदाबाजार, तृतीय स्वामी आत्मानंद एम.डी.व्ही. बलौदाबाजार तथा सांत्वना पुरस्कार सरस्वती शिशु मंदिर बलौदाबाजार ने प्राप्त किया।

नगर पालिका में अध्यक्ष चंद्रकला वर्मा ने उपाध्याय चौक में अनिल अग्रवाल ने फहराया तिरंगा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

तिल्दा नेवरा 27 जनवरी। नगर के ऐतिहासिक गांधी चौक में 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में गरिमामय ध्वजारोहण कार्यक्रम संपन्न हुआ। बीजेपी नेता राम पंजवानी ने ध्वज फहराकर राष्ट्रगान के साथ उपस्थित जनसमूह को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं। इस तरह नगर पालिका में चंद्रकला वर्मा नगर पालिका अध्यक्ष पंडित दीनदयाल उपाध्याय चौक में अनिल अग्रवाल स्कूल मैदान सासा होली में पार्षद जनभागीदारी अध्यक्ष रानी जैन बी एन बी हाई स्कूल मैदान नेवरा तिल्दा रायपुर में नरेंद्र शर्मा मंडल अध्यक्ष मनोज निषाद ने ध्वजारोहण किया इसके पश्चात तत्पश्चात राम पंजवानी ने गणतंत्र दिवस अमर रहे÷, भारत माता की जय एवं वंदे मातरम के नारों से पूरा चौक गूंजा दिया। उपस्थित नागरिकों, बच्चों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भी उत्साहपूर्वक नारे लगाकर देशभक्ति का अद्भुत वातावरण बनाया। नगर पालिका में पूर्व सैनिकों का सम्मान किया गया तो अनेक सार्वजनिक चौक में भी कार्यक्रम आयोजित किए गए कार्यक्रम में तिरंगे के सम्मान में परेड, बच्चों द्वारा संक्षिप्त सांस्कृतिक प्रस्तुति और नगरवासियों की बड़ी संख्या में उपस्थिति देखने को मिली। गणतंत्र दिवस का यह आयोजन हर वर्ष की तरह इस बार भी उल्लास, अनुशासन और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया।

राष्ट्रीय सेविका समिति ने मकर संक्रांति उत्सव भुरवा टोला में मनाया

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

डोंगरगढ 27 जनवरी। राष्ट्र सेविका समिति राजनांदगांव विभाग डोंगरगढ़ द्वारा दिनांक 26 जनवरी 2026 को स्थानीय यादव भवन वार्ड नंबर 20 भुरवा टोला डोंगरगढ़ में मकर संक्रांति उत्सव का आयोजन किया गया ।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्रीमती किरण दम्माणी जी एवं मुख्य वक्ता श्रीमती वैशाली देशकर जी थी। मुख्य रूप से भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं के संबंध में जन सामान्य को अवगत कराने का प्रयास इस कार्यक्रम के माध्यम से किया गया।

मुख्य अतिथि की आसंदी से संबोधित करते हुए श्रीमती दम्माणी दीदी ने भारतीय संस्कृति एवं सनातन परंपराओं में वर्णित तीज त्योहारों के तहत अति महत्वपूर्ण त्योहार मकर संक्रांति के माध्यम से सामाजिक समरसता एवं पारिवारिक जीवन में शांति एवं सद्भावना का संदेश दिया। मकर संक्रांति के संबंध में मुख्य वक्ता श्रीमती वैशाली दीदी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए बताया कि भारतीय संस्कृति और सनातन धर्म की परंपरा और मान्यताओं के अनुसार चलकर ही हम देश और समाज के कुछ काम आ सके यही हमारी उपलब्धि होगी। राष्ट्र सेविका समिति की जिला संपर्क प्रमुख अनुराधा शर्मा दीदी ने अतिथि परिचय दिया तथा बबिता दीदी ने आभार प्रदर्शन किया और कार्यक्रम के समापन की घोषणा की। कार्यक्रम के पश्चात सभी महिलाएं बच्चे मिलकर मकर संक्रांति उत्सव के उपलक्ष में तिल लड्डू मिक्सर के साथ खिचड़ी का प्रसाद ग्रहण किया जिससे सभी में समरसता का भाव आ सके राष्ट्रीय सेविका समिति जिला संपर्क प्रमुख अनुराधा शर्मा दीदी प्रेस विज्ञप्ति मे जानकारी दी।

शहर में बदस्तूर जारी है गुंडागर्दी और लूटपाट का सिलसिला

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर।27 जनवरी। शहर में अपराधियों की गुंडागर्दी और लूटमार की घटनाएं एक बार फिर सुर्खियां बटोर रही हैं। कोतवाली थाना क्षेत्र के चांदनी चौक इलाके में एक युवक के साथ मारपीट कर उसके सोने के चैन और अंगूठियां छीन ली गईं। पीड़ित ने आरोप लगाया है कि यह वारदात राज दुर्गा और उसके साथियों ने अंजाम दी।

पीड़ित आदिवासी युवक भारत सिंह नाग ने बताया कि वह चांदनी चौक में कुल्हड़ चाय पीने गए थे। तभी राज दुर्गा अपने चार-पांच साथियों के साथ टाटा हैरियर कार (नंबर ष्टत्र17ज्ञ्चङ्ग 9888) में पहुंचा और अचानक उन पर हमला बोल दिया। मारपीट के दौरान राज ने उनके गले में पहना सोने का चैन और दो अंगूठियां छीन लीं। धमकी देते हुए थाने जाने से मना किया।

घटना के बाद राज का बड़ा भाई नाथु दुर्गा स्कूटी पर पहुंचा और पीड़ित को जान से मारने की धमकी दी। भारत सिंह किसी तरह परिचितों की मदद से वहां से बचकर निकल सके। घर पहुंचने के बाद राज दुर्गा और नाथु दुर्गा ने फोन कर फिर से धमकी दी कि थाने में रिपोर्ट क्यों लिखाई।

पीड़ित का आरोप है कि राज दुर्गा और नाथु दुर्गा के खिलाफपहले से कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। इससे पहले राज दुर्गा ने अपने भाई के इशारे पर नया बस स्टैंड पर एक युवक पर रिवॉल्वर से हमला करवाया था, जिसमें वह बाल-बाल बच गया था। ये लोग शहर में जमीनों पर गुंडागर्दी कर कब्जा करके बेचने, हथियारों की तस्करी और नशीली दवाओं के अवैध कारोबार में भी संलिप्त बताए जाते हैं।

भारत सिंह नाग ने बताया कि इस घटना के बाद वे मानसिक रूप से प्रताड़ित और डरे हुए महसूस कर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि उन्हें कुछ भी होता है तो इसकी जिम्मेदारी राज दुर्गा और उसके बड़े भाई नाथु दुर्गा पर होगी।

पुलिस ने अभी तक इस मामले में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है, लेकिन स्थानीय लोगों में आक्रोश है और शहर में कानून-व्यवस्था को लेकर सवाल उठ रहे हैं। प्रशासन से अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की जा रही है।

गणतंत्र दिवस पर पशुपालन विभाग की झांकी को मिला तृतीय स्थान

महासमुंद 27 जनवरी। एकीकृत पशुपालन को अपनाकर लघु एवं सीमांत कृषक अपनी आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति में निरंतर सुधार कर रहे हैं। इसी थीम को केंद्र में रखते हुए पशुपालन विभाग द्वारा गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर आकर्षक एवं जीवंत झांकी का प्रदर्शन किया गया। मैदानी अमलों के सुनियोजित एवं रणनीतिक प्रयासों तथा उप संचालक के कुशल मार्गदर्शन में विभागीय योजनाओं का लाभ जिले के पशुपालकों तक प्रभावी रूप से पहुंचाया जा रहा है। झांकी के माध्यम से एकीकृत पशुपालन की वैज्ञानिक पद्धतियों को प्रदर्शित किया गया, जिसमें कम स्थान में वर्षभर दूध, अंडा एवं मांस उत्पादन कर कृषकों द्वारा कृषि के साथ-साथ आय के पूरक स्रोत विकसित करने का संदेश दिया गया।

वन कर्मियों ने ग्राम किरना में पकड़े तीन अजगर

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

तिल्दा नेवरा 27 जनवरी ग्राम किरना स्थित खेतान क्रेशर क्षेत्र के ग्राम 10 फीट लंबा अजगर देखा गया। जिसमें ग्रामीणों में दहशत का महौल फैल गया। मौके पर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। इसकी सूचना तत्काल वन विभाग को दी गई।

कड़ी मशक्कत के बाद टीम ने अजगर को सुरक्षित पकड़ा

सूचना मिलते ही तिल्दा नेवरा वन विभाग की रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची। वन विभाग के सनत भारती नेतृत्व में सुनील बंजारे ,छोटेलाल साहू धन्नू यदु ने रेस्क्यू अभियान शुरू किया।आपको बता दे की सूचना एक अजगर दिखने की थी परन्तु मौके पर जब रेस्क्यू अभियान चालू किया गया वह पर चार अजगर दिखे काफी मशक्कत के बाद टीम ने तीन अजगरो को सुरक्षित पकड़ लिया वही एक अजगर बिल के अंदर घुस गया । रेस्क्यू के दौरान ग्रामीणों की भारी भीड़ को देखते हुए वन कर्मियों ने लोगों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने की अपील की।

अजगर को जंगल में छोड़ा

अजगर को पकड़ने के बाद वन विभाग की टीम उसे सुरक्षित रूप से वन क्षेत्र बिलाड़ी में ले गई और उसके प्राकृतिक आवास में छोड़ दिया। वन अधिकारियों ने बताया कि मौसम परिवर्तन के कारण अजगर और अन्य वन्य जीव अक्सर आबादी वाले क्षेत्रों में आ जाते हैंसे में किसी भी

प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने जाँच टीम की थी गठित, मामला बहोरनभेड़ी का

किसान खोमन साहू आत्महत्या मामले में कांग्रेस की जाँच हुई पूरी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

मोहला 27 जनवरी। पुरे प्रदेश में धान खरीदी अंतिम चरण में है वही मोहला मानपुर चौकी जिले में धान नहीं लिये जाने से व्यथित होकर किसान ने आत्महत्या कर ली है जिसको लेकर सियासी तेज हो गई है, दरअसल मामला मोहला मानपुर चौकी और राजनांदगाव जिले से जुड़ा है! बीस तारीख दिन गुरुवार को अम्बागढ़ चौकी विकासखंड के बहोरनभेड़ी में निवासरत साहू परिवार के घर तब मातम छा गया जब पता चला कि खोमन साहू ने आत्महत्या कर ली है पूरे गांव में शोक की लहर छा गई । मृतक के बड़े भाई मनसुख लाल साहू ने बताया कि टोकन निरस्त होने के बाद मृतक मानसिक रूप से परेशान था तथा धान नही बिकने के कारण मृतक खोमन साहू बुधवार की रात घर से निकल गया जिसे रात भर तलाश किया गया,सुबह जब जानकारी मिली कि खार में खोमन साहू ने आत्महत्या कर ली है । उल्लेखनीय है कि किसान परिवार की किसानी छुरिया विकासखंड में नौ एकड़ खेती है जिसमे

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी

किसान आत्महत्या की जांच हेतु समिति का गठन

उन्होंने रेघा देकर फसल तैयार किया और धान बेचने टोकन कटाया गया था, टोकन निरस्त होने के बाद परेशान था।

मृतक के बड़े भाई मनसुख लाल साहू ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए है उन्होंने मिडिया से बात करते हुए बताया की बीस तारीख सुबह भाई की लाश मिली फिर शाम तक पोस्टमार्टम होने की बात कह कर शव ले गए फिर पुलिस वाले दो चार पन्नों पर हस्ताक्षर करवाया गया और मेरे से फ़र्ज़ी हस्ताक्षर भी कराया और क्या क्या लिखा गया इसकी जानकारी मुझे नहीं है। साथ ही कहा गया की पूर्व में दिया गया शराब सेवन का कथन पूरी तरह गलत है, मृतक के भाई ने कहा की शराब सेवन छः माह से बंद कर दिया था जिस हालत में मेरा भाई घर से निकला था उस हालत में हमने नहीं देखा था, प्रशासन और पुलिस कह रही है वो पूरी तरह गलत है ।

मृतक के भाई ने बताया की छुरिया विकासखंड के ग्राम बैरागीभेड़ी में लगभग नौ एकड़ खेत है, टोकन निरस्त की जानकारी कृषि मित्र के माध्यम से फोन आया और कहा गया की आपका टोकन निरस्त हो गया है आप धान नहीं लाओगे अगर धान लाओगे तो धान जप्त हो जायेगा, आपको जेल जाना पड़ जायेगा, मृतक के भाई ने बताया की मौत के दो दिन जिन्हे रेघा दिया था उनके माध्यम से फोन आया और कहा की आपका धान बाद बिक जाएगा आप ला सकते है। मृतक के भाई ने शासन प्रशासन से मांग की है की हमारा कर्ज माफ़हो और मृतक के बच्चें का पालन पोषण की जिम्मेदारी ले ।

खुज्जी विधानसभा के कांग्रेस विधायक भोलाराम साहू ने बताया की खोमन साहू की मौत की जानकारी मिलते ही परिजनों से मुलाक़ात की साथ ही कहा की बहोरनभेड़ी में पैतृक जमीन है और बैरागीभेड़ी में ससुराली जमीन है जहां भोलापुर सोसाइटी आता है,सालो से दोनों जगह में किसानी होती आ रही है और सालो से धान बेचते आ रहे है, साहू परिवार के धान टोकन दो बार काटे गए थे जिसमे एक बीस तारीख और बाइस तारीख का बताया गया जिसमे एक सौ अस्सी क्विंटल धान बेचना था लेकिन उन्नीस तारीख को कृषि मित्र के माध्यम से कॉल आया जिसमे टोकन निरस्त की जानकारी दी और कारण बताया की धान नहीं बोया गया है,चुकी उन्होंने केसीसी और ट्रेक्टर लोन लिया गया है,जिसकी भनक मृतक को लगी और इस प्रकार का कदम उठा लिया, विधायक ने कहा की भाजपा सरकार किसान विरोधी सरकार है, उन्होंने कहा की मृतक के बच्चे की परवरिश और पचास लाख का मुआवजा दिया जाये, मोहला मानपुर दौरे पर आये डिप्टी सीएम विजय शर्मा पर विधायक भोलाराम साहू ने तंज कसते हुए कहा की छत्तीसगढ़ प्रदेश के गृहमंत्री है जिस जिले में दौरे पर आये है उस जिले की घटना की जानकारी नहीं है बड़ी दुर्भाग्यजनक है, विधायक साहू ने कहा की प्रमुख पद पर बैठे है प्रमुख विभाग है तो ऐसे मंत्री का कहना मै उचित नहीं समझता क्युकि उनका शासकीय तंत्र फैल है और उनके अधिकारी उनको गुमराह करना चाहते है उन्हें बताना नहीं चाहते । बहोरनभेड़ी के किसान खोमन साहू के आत्महत्या मामले को गंभीरता से लेते हुए छत्तीसगढ़ कांग्रेस कमेटी ने नौ सदस्यीय टीम गठित की गई जिसमे मोहला मानपुर विधायक इंद्रशाह मण्डावी, खुज्जी विधानसभा विधायक भोलाराम साहू,डोंगरगाव विधायक दलेश्वर साहू, विधायक कुंवर सिँह निषाद, विधायक हर्षिता बघेल पूर्व विधायक छन्नी साहू,मोहला मानपुर जिलाध्यक्ष सुरजीत सिंह ठाकुर, राजनांदगाव शहर जिलाध्यक्ष जितेंद्र मुदलियार राजनांदगाव जिलाध्यक्ष ग्रामीण विपिन यादव को जाँच की जिम्मेदारी दी गई।

संपादकीय

यह ख्याल रहे तो अच्छा, कानून सबके लिए है...

कानून लोगों के भले के लिए बनाए जाते हैं, देश में, राज्य में एक व्यवस्था बनाए रखने के लिए होते हैं ताकि अव्यवस्था न हो और सभी लोगों को किसी तरह की परेशानी न हो। कानून सबसे लिए समान होते हैं, वह बड़े के लिए जैसा है,छोटे के लिए भी वैसा ही है। कानून का उल्लंघन कर पर बड़े और छोटे दोनों को समान सजा मिलेगी। सैध्दांतिक तौर पर ऐसा कहा जाता है लेकिन व्यवहारिक तौर पर कई बार ऐसा संभव नहीं होता है।कानून का उल्लंघन करने पर आम आदमी का चालान तो तुरंत काट दिया जाता है लेकिन कोई अधिकारी या मंत्री हो तो चालान काटने वाले की हिम्मत नहीं होती है कि वह अधिकारी या मंत्री को बताए कि आपने कानून का उल्लंघन किया है।

कई बार ऐसा होता है कि किसी को कोई बड़ा पद मिल जाता है तो पद के साथ आदमी में इतना अहंकार आ जाता है कि वह खुद को कानून से ऊपर समझने लगता है। वह सोचता है कि कानून अब मेरे लिए नहीं हैं,कानून तो सामान्य लोगों के लिए हैं, मैं अब पद पर हूं इसलिए अब मैं सामान्य नहीं खास हो गया हूं। ऐसे लोगों को कोई भी कानून तोड़ने पर कुछ कहता है तो ऐसे ही लोग कहते हैं कि तू मेंरे को जानता नहीं है, मैं तेरी वर्दी उतरवा सकता हूं। ऐसे लोग ही तुरंत फोन किसी नेता,मंत्री की धौंस देने लगते हैं।आम लोग यह सब देखते हैं तो उनको लगता हैं कि कानून खाली हमारे लिए हैं। कानून कमजोर लोगों के लिए हैं।जो किसी बड़े पद पर हैं, कानून उनके लिए नहीं है।

ऐसे में यह अपेक्षा कैसे की जा सकती है कि कानून है तो सबके लिए है, कानून है तो सबको कानून का पालन करना पड़ेगा।आम लोग तो रोज सड़क पर देखते हैं कि कानून का मजाक रोज बड़े लोग कैसे उड़ाते हैं,ऐसे में उनकी भी कानून का पालन करने की इच्छा खत्म हो जाती है। ऐसे में ही कोई कानून जो लोगों के भले के लिए है, उसका पालन भी आम लोग नहीं करते हैं और इसका खामियाजा भी उनको भुगतना पड़ता है। यातायात पुलिस साल में एक माह सड़क सुरक्षा माह मनाती है,लोगों को समझाती है कि दो पहिया वाहन चला रहे हैं तो हेलमेट पहने कर चलाए। यह नियम है तो सबके लिए हैं क्योंकि हादसा होने पर सिर पर हेलमेट न हो तो खास आदमी या बड़े आदमी की भी जान जा सकती है और आम आदमी की भी जान जा सकती है।

इसलिए बड़ी पोस्ट पर कोई है तो उसकी बड़ी जिम्मेदारी है कि वह सड़क सुरक्षा सप्ताह में घर दोपहिया पर निकले तो हेलमेट पहन कर निकले ताकि लोगों को संदेश जाए कि देखो यह बड़ा आदमी है, मंत्री है और हेलमेट पहन कर वाहन चला रहा है, इससे आम लोगों को प्रेरणा मिलती है कि बड़े लोग जब नियम का पालन कर रहे हैं तो हम लोगों को अपने भले के लिए नियम का पालन करना चाहिए। ऐसे में अखबार में सीएम की फोटो छपती है कि वह दोपहिया हेलमेट लगाकर चला रहे हैं तो लोगों के लिए मैसेज होता है कि राज्य में सबको दोपहिया वाहन हेलमेट पहन कर चलाना चाहिए।कोई नियम हो कानून हो इसका पालन जब बड़े लोग करते हैं तो छोटे लोग उनसे सीखते हैं कि नियम का पालन करना जरूरी है। सबको नियम का पालन करना चाहिए।

ऐसे में अगर किसी मंत्री की फोटो छप जाती है कि वह बिना हेलमेट के वाहन चला रहे हैं तो इसका गलत मैसेज जाता है। मंत्री ने बिना हेलमेट वाहन चलाया है तो वह गलत उदाहरण पेश कर रहे हैं लोग यह देखते हैं कि सीएम हेलमेट लगाकर वाहन चला रहे हैं और उनका मंत्री बिना हेलमेट लगाए वाहन चला रहा है तो लोगों के मन मे यह सवाल आ सकता है कि यह कैसा मंत्री है, जब सीएम हेलमेट लगाकर वाहन चला कर लोगों को मैसेज दे रहे हैं कि सबको हेलमेट पहनकर वाहन चलाना चाहिए तो मंत्री की प्रकाशित फोटो से तो गलत मैसेज चला गया। लोगों को यह भी लग सकता है कि जब मंत्री ही हेलमेट लगाकर वाहन नहीं चला रहा है तो हम क्यों चलाए। बड़े लोगों को एक तो सार्वजनिक गलती नहीं करनी चाहिए,गलती हो जाए तो उसके लिए माफी मांगनी चाहिए कि गलती हो गई अब नहीं होगी।

आशा-आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का स्वैच्छिक योगदान

समसामायिक

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत के ग्रामीण समाज में महिला सशक्तिकरण, पोषण और स्वास्थ्य काफी हद तक आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं पर निर्भर करता है। ये वे महिलाएं हैं जो

घर-घर जाकर टीकाकरण करती हैं, बच्चों में कुपोषण का पता लगाती हैं, गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित प्रसव में सहायता करती हैं और मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कोविड-19 जैसी महामारी में इन्हें अग्रिम पंक्ति के सैनिकों की तरह इस्तेमाल किया गया था, लेकिन आजकल ये महिलाएं सड़कों पर हैं, उनका गंतव्य पश्चिम बंगाल का सियालदह रेलवे स्टेशन या कर्नाटक का फाउंटेन चौक है। उनकी स्थिति भी बेहतर नहीं है: क्या राष्ट्र के स्वास्थ्य की देखभाल करने वाली इन महिलाओं को श्रमिक का दर्जा नहीं दिया जाएगा?

आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की ज़रूरतें असाधारण नहीं हैं; उन्हें न्यूनतम वेतन, पेंशन, ग्रेच्युटी, तृतीय श्रेणी कर्मचारी का दर्जा और सामाजिक सुरक्षा प्राप्त है। फिर भी, सरकारें उन्हें औपचारिक श्रम अधिकारों से वंचित रखती हैं और उन्हें स्वयंसेवक या परियोजना कार्यकर्ता कहती हैं। दिसंबर 2025 से जनवरी 2026 तक हुई देशव्यापी हड़तालें इस दीर्घकालिक उपेक्षा की सार्वजनिक अभिव्यक्ति का एक उदाहरण हैं।

सन् 1975 में आईसीडीएस और सन् 2005 में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत आंगनवाड़ी योजना और आशा योजना शुरू की गई। इसका उद्देश्य स्थानीय महिलाओं की भागीदारी से ग्रामीण स्वास्थ्य और पोषण प्रणालियों को सशक्त बनाना था। शुरुआत में, सरकारी खर्च को सीमित करने के लिए स्वैच्छिक प्रणाली अपनाई गई थी, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि ये महिलाएं पूर्णकालिक कामगारों के रूप में कार्यरत हैं। आशा कार्यकर्ता को 1,000 लोगों की देखभाल करनी होती है, जबकि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता गर्भवती महिलाओं के साथ-साथ 40 बच्चों की देखभाल, पोषण वितरण और रिकॉर्ड रखने का काम करती हैं।

2006 में सर्वोच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया कि वैधानिक पदों पर न होने के कारण वे सरकारी कर्मचारी हैं, लेकिन इस फैसले को नजरअंदाज कर दिया गया। हालांकि, 2022 के एक फैसले में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को 2013 के आईसीडीएस अधिनियम के अनुसार ग्रेच्युटी का अधिकार दिया गया। बाद में, 2024 में गुजरात उच्च न्यायालय ने समानता के सिद्धांत के आधार पर उन्हें राज्य कर्मचारी के रूप में स्वीकार किया, जबकि कलकत्ता उच्च न्यायालय ने पदोन्नति के मुद्दे पर विचार करने का निर्देश दिया। इसके बावजूद, केंद्र और राज्य की नीतियां असंगत और अनियमित हैं।

मानदेय का प्रचलन शर्मनाक है। आशा कार्यकर्ताओं को 3,500 से 6,000 के बीच न्यूनतम मानदेय मिलता है, और वह भी प्रोत्साहन राशि पर आधारित है। कर्नाटक में 6,000 का मानदेय निर्धारित है, लेकिन इसका भुगतान आठ-नौ महीने देरी से होता है। आंगनवाड़ी पर्यवेक्षकों को औसतन 15,000 मिलते हैं। कोई

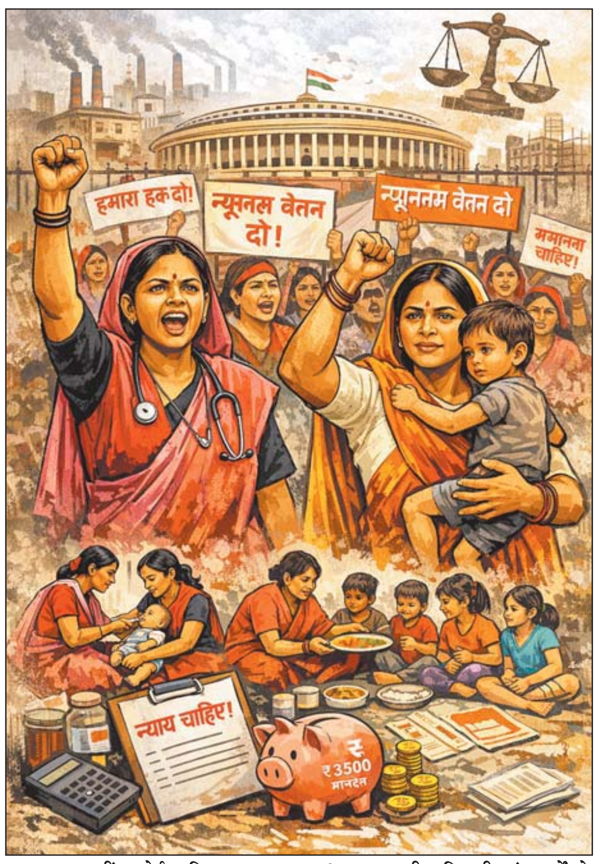

अवकाश नहीं, कोई परिवहन भत्ता नहीं, उचित व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण नहीं। मातृत्व अवकाश भी बहुत कम हैं, और कार्यभार लगातार बढ़ता जा रहा है।

चूंकि यह शब्द स्वयंसेवकों पर लागू होता है, इसलिए वे न्यूनतम मजदूरी अधिनियम 1948, समान पारिश्रमिक अधिनियम 1976 और चार नए श्रम कानूनों के दायरे से बाहर हैं। 45वें भारतीय श्रम सम्मेलन में न्यूनतम मजदूरी के लिए [?]26,000 की सिफारिश अभी तक लागू नहीं की गई है। ईपीएफ और ईएसआई जैसी कोई सामाजिक सुरक्षा योजना नहीं है। सेवानिवृत्ति पेंशन में [?]1,200 की वृद्धि की मांग वर्षों से बनी हुई है, लेकिन इस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई है। ई-श्रम कार्ड कोई पात्रता प्रदान नहीं करता, बल्कि केवल डेटा एकत्र करता है।

विडंबना यह है कि देश में कुपोषण और शिशु मृत्यु दर को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली महिलाएं स्वयं ही असुरक्षित हैं। एनएफएचएस-5 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 35 प्रतिशत बच्चे बौनेपन के शिकार हैं और शिशु मृत्यु दर प्रति हजार 28 है। आशा कार्यकर्ताओं और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने इन आंकड़ों को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कोविड-19 के दौरान 500 से अधिक कर्मचारी शहीद हो गए और मुआवजे की घोषणा भी की गई, लेकिन भुगतान में भारी देरी हुई। मानसिक तनाव, कार्यभार और हरियाणा जैसे राज्यों में 20 प्रतिशत रिक्त पदों के कारण स्थिति और भी खराब हो गई है।

यह एक राजनीतिक स्तर की समस्या है जिसे स्वीकार किया गया है। 16 दिसंबर 2025 को राज्यसभा में सोनिया गांधी ने इस मुद्दे को उठाया था। बजट 2026 में कुछ संकेत दिए गए थे, लेकिन कोई निश्चित और बाध्यकारी निर्णय नहीं लिया गया। यूनियनों ने स्पष्ट कर दिया है कि यदि उनकी मांगें पूरी नहीं हुईं, तो वे और अधिक आंदोलन करेंगे।

समाधान ढांचागत होने चाहिए, न कि आधे-अधूरे उपाय। श्रम कानूनों के माध्यम से योजना के तहत कामगारों को कर्मचारी का दर्जा दिया जाना चाहिए। इसके लिए न्यूनतम वेतन 26,000 रुपये, पेंशन 10,000 रुपये और ईपीएफ अनिवार्य होना चाहिए। केंद्र सरकार को कम से कम 50 प्रतिशत मानदेय का भुगतान करना चाहिए और राज्यों को सभी रिक्त पदों को तुरंत भरना चाहिए। अतिरिक्त समय, मातृत्व अवकाश, स्थायी कार्यस्थल, ऑनलाइन प्रशिक्षण और श्रमिक संघों की मान्यता प्रदान की जानी चाहिए। पंचायती राज के माध्यम से स्थानीय स्तर पर जवाबदेही सुनिश्चित की जानी चाहिए।

आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताएँ कार्यक्रमों में केवल नाममात्र की हस्तियाँ नहीं हैं; बल्कि लाखों परिवारों की वास्तविक आशा हैं। स्वयंसेवक होने और काम करने के बीच का यह अंतर एक स्पष्ट अन्याय है। गणतंत्र के 77वें वर्ष में, जब भारत वैश्विक नेता होने का दावा करता है, इन महिलाओं के सम्मान का मुद्दा नीतिगत प्रश्न नहीं, बल्कि नैतिकता का संवैधानिक प्रश्न है।

ये प्रदर्शन एक संदेश हैं; न्याय में देरी क्रांति है।

आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता किसी भी योजना का पूरक नहीं हैं, बल्कि भारतीय सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ हैं। उन्हें स्वयंसेवी कहकर उनके श्रम अधिकारों से वंचित करना सामाजिक न्याय और संवैधानिक समानता का अपमान है। महामारियों, कुपोषण और मातृ मृत्यु दर से देश को बचाने के लिए अग्रिम पंक्ति में खड़ी होने वाली महिलाएं वर्तमान स्थिति में स्वयं असुरक्षित हैं। ये प्रदर्शन इस बात का संकेत हैं कि समय कम होता जा रहा है। यदि गणतंत्र को मजबूत करना है तो इन महिलाओं को सम्मान, सुरक्षा और अधिकार मिलने चाहिए। न्याय में देरी संभव है, लेकिन उससे बचा नहीं जा सकता।

आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता किसी भी योजना में योगदान नहीं दे रही हैं, लेकिन वे भारतीय सार्वजनिक स्वास्थ्य क्षेत्र की रीढ़ हैं। उन्हें स्वयंसेवक कहकर श्रम अधिकार देने से इनकार करना सामाजिक न्याय और संवैधानिक समानता का अपमान है। जिन महिलाओं ने महामारियों, कुपोषण और मातृ मृत्यु दर से देश को बचाने के लिए काम किया, वे आज खुद असुरक्षित हैं। ये प्रदर्शन इस बात का संकेत हैं कि समय बीत रहा है। यदि गणतंत्र को मजबूत करना है तो इन महिलाओं को अधिकार, सुरक्षा और सम्मान मिलना आवश्यक है। न्याय में देरी हो सकती है, लेकिन उससे बचा नहीं जा सकता।

(डॉ. प्रियंका सौरभ, पीएचडी (राजनीति विज्ञान), कवयित्री एवं सामाजिक चिंतक हैं।)

क्योंकि इतिहास कभी भी पलट सकता है

कटाक्ष

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'

आज हम उस गुप्त गलियारे में प्रवेश कर रहे हैं जहाँ इतिहास पन्नों पर नहीं, बल्कि पतीले के पेंदे में चिपक कर

लिखा गया है। आज का विषय है–खिचड़ी। अगर आप समझते हैं कि खिचड़ी सिर्फ बीमार का आहार है, तो आप उसी मुगालते में हैं जिसमें एक नेता अपनी जीत के दावों में होता है। खिचड़ी भारतीय लोकतंत्र का खाद्य संस्करण है–सब कुछ मिला दो, पर अंत में क्या बना, यह चखने वाले की किस्मत पर निर्भर है। दुनिया भर की असंख्य भाषाओं में इस चावल-दाल के वैवाहिक विच्छेद को अलग-अलग नामों से पुकारा गया है, लेकिन इसकी फितरत वही है: 'खिचड़ी के चार यार–दही, पापड़, घी और अचार।' यह महज भोजन नहीं, एक कूटनीतिक समझौता है जहाँ अनाज और दलहन एक-दूसरे की टाँग खींचते हुए भी एक ही बर्तन में साथ रहने को मजबूर हैं।

मिस्र के पिरामिडों के साये में जब आप टहलेंगे, तो वहां इसे कुशरी के नाम से पुकारा जाता है। अब इसे संयोग कहें या विडंबना, कि जो देश कभी मरे हुए बादशाहों को ममी बनाकर सहेजता था, वही आज चावल, दाल और पास्ता को एक साथ उबालकर एक प्लेट में दफ्न कर देता है। इसे कैमरे की नज़र से देखें तो यह कोई साधारण डिश नहीं, बल्कि रोम और अरब का वह कॉन्ट्रैक्ट है जिसे इतिहासकार भूल गए। लेबनान में इसे मुजदरा कहा गया, जो शायद दुनिया का पहला प्रजातांत्रिक गठबंधन था–प्याज़ ऊपर से डालो ताकि नीचे की बदइंतज़ामी छिप जाए। इराक में इसे जादाह, सीरिया में मखलूत और फिलिस्तीन में मुजदरा-ए-बिर्गुल कहते हैं। 'खिचड़ी पकना' हमारे यहाँ षड्यंत्र का प्रतीक है, और सच तो यह है कि जब दुनिया भर की शब्दावली खंगाली जाती है, तो समझ आता है कि खिचड़ी के हाथ पाँव नहीं होते, वह तो बस भूख और लाचारी के बीच का एक मध्यम मार्ग है। चाहे इसे स्पेनिश में अरोज़ को पोलो की आड़ में मांस के साथ परोसा जाए या वियतनामी चो के रूप में, मूल भाव वही है–सबका साथ, सबका सत्यानाश। ब्रिटिश राज की बात करें तो उन्होंने हमारी खिचड़ी को चुराकर उसे केजरी का नाम दे दिया और उसमें उबले अंडे ठूँस दिए। यह ठीक वैसा ही था जैसे कोई सरकारी फाइल पर लाल फीता बांधकर उसे एक्शन प्लान कह दे। दक्षिण अफ्रीका में इसे केडगिरी का भाई 'यलो राइस' कहा गया, तो स्कॉटलैंड में इसे 'हॉज-पॉज' जैसे शब्दों से नवाजा गया। लैटिन अमेरिका के किसी कोने में जब कोई गालो पिंटो चबा रहा होता है, तो वह अनजाने में उसी वैश्विक खिचड़ी का गुणगान कर रहा होता है जिसे हमारे यहाँ बीरबल की खिचड़ी कहकर टाल दिया जाता है। कोस्टा रिका में इसे 'ग्रैंड पिकाडो' और निकारागुआ में इसे 'पिंटो' कहा जाता है। बीरबल की खिचड़ी और हमारी पंचवर्षीय योजनाएँ एक जैसी ही हैं–आँच बहुत दूर है और पकने की उम्मीद अनंत। इटालियन रिसोट्टो को देखते हैं, तो वह खिचड़ी का वह अमीर संस्करण लगता है जिसने थोड़ा मेकअप कर लिया है और अब खुद को खानदानी रईस बता रहा है, जबकि ग्रीस में इसे 'गामोपिलाफे' कहकर शादियों में परोसा जाता है।

कहावत है - 'अपनी-अपनी ढपली, अपना-अपना राग', पर रसोइया कहता है–'अपनी-अपनी हांडी, अपनी-अपनी खिचड़ी'। दक्षिण कोरिया में इसे जुक कहते हैं, जापान में ओकायु, चीन में कोंजी और थाईलैंड में जोक। ये नाम सुनकर ऐसा लगता है जैसे कोई छोटा बच्चा ज़िद कर रहा हो, पर असल में ये बीमार अर्थव्यवस्थाओं और खाली पेटों के लिए वही सांत्वना पुरस्कार हैं जो एक क्लर्क को रिटायरमेंट पर मिलता है। म्यांमार में इसे 'ह्सान मयू', इंडोनेशिया में 'बुबुर' और फिलीपींस में 'लुगाओ' कहा जाता है। यह वह डिश है जिसने सभ्यताओं को जोड़ा, क्योंकि इसे बनाने के लिए दिमाग से ज़्यादा धैर्य और ज़मीर से ज़्यादा पानी की ज़रूरत होती है। मुहावरा है 'डेढ़ चावल की खिचड़ी अलग पकाना', जो आज के सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स पर सटीक बैठता है–सबको अपनी अलग पहचान चाहिए, भले ही स्वाद में सब एक जैसे ही फीके हों। अफ्रीका के जंगलों से लेकर स्वीडन की बर्फबारी तक, जहाँ इसे ग्रोड जैसा कुछ कर्कश नाम दिया गया है, खिचड़ी का इतिहास संघर्ष का इतिहास है। नाइजीरिया में इसे 'वाक्या' और घाना में 'वाचे' कहा जाता है, जहाँ चावल और लोबिया ऐसे मिलते हैं जैसे चुनाव के बाद दो विपरीत विचारधारा वाले दल। फ्रेंच में जब इसे मैली-मैलो की संज्ञा दी जाती है, तो ऐसा लगता है जैसे कोई कविता पढ़ी जा रही हो, पर ढक्कन हटाते ही वही पुराना यथार्थ सामने आता है–पिचपिचा और अनिश्चित। पुर्तगाल में इसे 'कन्जा' और ब्राजील में 'बाइओ डी दोइस' कहते हैं। वैश्विक सर्वेक्षण का निष्कर्ष यह है कि दुनिया भर के शासकों ने अपनी जनता को हमेशा खिचड़ी ही परोसी है–सपनों की, वादों की और आंकड़ों की। 'जहाँ न पहुँचे रवि, वहाँ पहुँचे कवि' वाली बात पुरानी हो गई, अब तो जहाँ न पहुँचे न्याय, वहाँ पहुँचती है सरकारी खिचड़ी। यह डिश बताती है कि इतिहास केवल तलवारों से नहीं, बल्कि कलछी से भी रचा गया है।

रूस की ठंड में इसे कशा कहते हैं, पोलैंड में काशा, यूक्रेन में कुत्या और बेलारूस में हर्कुलेस। यह सुनने में किसी जासूस का कोडनेम लगता है, पर दरअसल यह भुने हुए अनाज का वह घालमेल है जो ज़ार के ज़माने से लेकर अब तक जनता को शांत रखने के काम आता रहा है। तुर्कमेनिस्तान में इसे 'माश-खिचड़ी', उजबेकिस्तान में 'मोशकिचिरी' और ताजिकिस्तान में 'ओश' कहा जाता है। हमें पता है कि शांति तभी तक है जब तक पेट में खिचड़ी है, वरना क्रांति तो वैसे भी डेढ़ चावल की ही होती है। दुनिया की तमाम बोलियों में इसके अलग-अलग उच्चारण इस बात के गवाह हैं कि मनुष्य चाहे जितना आधुनिक हो जाए, उसका अंतिम सत्य तरल ही रहेगा। मुहावरा है 'खिचड़ी खाना और सुखी रहना', लेकिन आज के दौर में सुखी वही है जिसकी खिचड़ी में घी डालने वाला कोई और हो। यह एकमात्र ऐसा वैश्विक सत्य है जिसे किसी वीज़ा की ज़रूरत नहीं पड़ी, यह हर सीमा को लाँघकर हर थाली में अपना कब्ज़ा जमा चुकी है।

खिचड़ी उस दफ्तर की तरह है जहाँ काम कुछ नहीं होता, पर फाइलें सब एक-दूसरे में नत्थी रहती हैं। तुर्की के पिलाव से लेकर ईरान के डेमी, आर्मेनिया के खिचड़ीनुमा 'हरिसा', अजरबैजान के 'शिल्ला' और जॉर्जिया के 'गोमी' तक, यह सब उस महान खिचड़ी के ही वारिस हैं जिन्होंने वक्त के साथ अपना सरनेम बदल लिया है। मेक्सिको में 'मोरोस ई क्रिस्टियानोस', क्यूबा में 'कोंग्री', हैती में 'रिज़ एक डजोंडजों' और जमैका में 'राइस एंड पीज़'–इन नामों की फेहरिस्त वैसी ही है जैसे किसी घोटाले में मुख्य अभियुक्तों की सूची–सब ज़िम्मेदार हैं पर दोषी कोई नहीं। व्यंग्य यह नहीं कि खिचड़ी के इतने नाम हैं, व्यंग्य यह है कि इतने नामों के बाद भी इंसान को समझ नहीं आया कि अंततः उसे घुलकर ही रहना है। जैसे पकने पर दाल और चावल की अपनी स्वतंत्र पहचान खत्म हो जाती है, वैसे ही व्यवस्था के पतीले में आम आदमी अपनी पहचान खोकर बस एक कोलाज बन जाता है। क्या आपने कभी सोचा है कि दुनिया की हर भाषा में खिचड़ी का नाम अलग क्यों है? रहस्य यह नहीं है कि इसे क्या कहते हैं, रहस्य यह है कि इसे क्यों बनाया जाता है। इतिहास की सबसे गहरी परतों में दफ्न एक थ्योरी यह भी है कि खिचड़ी दरअसल एलियंस द्वारा भेजा गया एक 'सॉफ्टवेयर' है, जो इंसानी पेट में जाकर उसे आज्ञाकारी बनाता है। हंगरी में 'तार्होन्या', सर्बिया में 'कचामाक', इथियोपिया में 'गेत' और तिब्बत में 'थुक्पा'–ये सब नाम दरअसल उस एक ही वैश्विक कोड के अलग-अलग पासवर्ड हैं। और सबसे बड़ा मज़ाक? ब्रह्मांड के अंत में जब सितारे एक-दूसरे से टकराएंगे, तो ब्लैक होल में जो महा-विस्फोट होगा, खगोलशास्त्रियों का मानना है कि वह भी एक विशाल 'ब्रह्मांडीय खिचड़ी' ही होगी। तो अगली बार जब आप थाली में इसे देखें, तो सावधान रहें! आप सिर्फ खाना नहीं खा रहे, आप उस महा-योजना का हिस्सा बन रहे हैं जिसका रसोइया ऊपर बैठा मुस्कुरा रहा है और नीचे हम सब बिना घी के पक रहे हैं। अपनी खिचड़ी संभाल के रखिएगा, क्योंकि इतिहास कभी भी पलट सकता है–या पतीले में चिपक सकता है!

राशिफल

मेष: आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज व्यावसायिक कार्य योजना में बदलाव करना जरूरी है। अनुभवी लोगों का मार्गदर्शन आपकी ग्रोथ के लिए मददगार रहेगा। आज आपकी इनकम अच्छी रहेगी। नौकरी कर रहे लोगों को जल्दी ही स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं।

वृष: आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज ऑफिस में अत्यधिक कार्यभार बना रहेगा, इसलिए आलस करने से बचना चाहिए। आज अपने संपर्क सूत्रों को और अधिक सुदृढ़ करें, क्योंकि यह आपके लिए बहुत अधिक लाभदायक साबित होने वाले हैं ।

मिथुन: आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज परिवार का संपत्ति संबंधित मामला सुलझ सकता है, जिसमें आपको घर के सदस्यों की मदद भी मिलेगी । आज घर के वरिष्ठ सदस्यों के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। आज खर्चों की अधिकता की वजह से मन कुछ उलझन में रहेगा।

कर्क: आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आपका जो उद्देश्य है, उससे जुड़े विचारों पर ध्यान देने की कोशिश करें। अगर बिजनेस बढ़ाने के लिए योजनाएं बना रहे हैं तो उन पर काम करने के लिए अनुकूल समय है। किसी प्रभावशाली इंसान की सलाह और मदद से आपको नई उपलब्धि मिल सकती है।

सिंह: आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। परिवार में अपना उचित समय देना वातावरण को मधुर बनाकर रखेगा । आज दिन भर दौड़-धूप तथा मेहनत की अधिकता रहेगी, परंतु कार्य की सफलता आपकी थकान को दूर भी कर देगी। किसी मित्र की मदद करने से आपका मन शांत रहेगा।

कन्या: आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज इस बात का भी ध्यान रखें, कि भावनाओं में आकर महत्वपूर्ण निर्णय ना ले । माता-पिता अपने बच्चों के साथ दोस्ताना व्यवहार बनाकर रखें, क्योंकि ज्यादा अंकुश लगाना उनके आत्मबल में कमी कर सकता है।

तुला: आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज ऑफिस में वर्कलोड बढ़ सकता है लेकिन आपके द्वारा किया गया काम आपके बॉस को इम्प्रेस करेगा। आज आलस या दूसरों की वजह से अपने महत्वपूर्ण काम को नजरअंदाज न करें। आर्थिक मामलों में बजट आदि का ध्यान रखना बहुत जरूरी है।

वृश्चिक: आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज आपका पूरा ध्यान अपने कार्य में सुधार करने में रहेगा। आज बच्चे आपने माता पिता का ज्यादा ध्यान रखेंगे और बात भी मानेंगे। आज का दिन बहुत ही सुकून भरा रहेगा। परिवार के साथ मनोरंजन तथा ऑनलाइन शॉपिंग जैसी गतिविधियों में बीतेगा।

धनु: आज का दिन आपके लिए ख़ास होने वाला है। दिन भर भाग-दौड़ी की स्थिति रहेगी। कुछ समय आध्यात्मिक गतिविधियों में व्यतीत करने से मानसिक सुकून मिलेगा। प्रॉपर्टी से संबंधित मामले में आज परिणाम आपके पक्ष में आने की संभावना है।

मकर: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप किसी व्यक्ति विशेष के बारे में सोच कर रोमांचित रहेंगे। आज आपको कुछ नए अनुभव मिल सकते हैं। आज पारिवारिक अथवा व्यक्तिगत कारणों की वजह से व्यवसाय के स्थान पर अधिक समय नहीं दे पाएंगे। परंतु फिर भी फोन द्वारा अधिकतर काम सुचारू रूप से संपन्न हो जाएंगे।

कुंभ : आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। आज आस-पास के लोगों के लिए आपका व्यवहार अच्छा रहेगा, आपके अंदर नयी ऊर्जा का संचार होगा। रोजमर्रा की दिनचर्या से सुकून पाने के लिए आज किसी धार्मिक स्थल पर जाने का प्रोग्राम बनेगा, जिससे तन और मन दोनों प्रफुल्लित रहेंगे।

मीन: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज बड़ों का आशीर्वाद मिलेगा जिससे आपकी सकारात्मकता बढ़ेगी। आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। आज कुछ ना कुछ चुनौतियां भी रह सकती हैं। विपरीत परिस्थिति आने पर घबराएं नहीं और समाधान ढूंढने का प्रयास करेंगे तो सब ठीक हो जायेगा।

भारत का 77 वां गणतंत्र बनाम स्त्री विमर्श

महिलाओं को सहभागिता तथा अस्मिता की तलाश

स्त्री-विमर्श

संजीव ठाकुर

भारत के 77वें गणतंत्र में प्रवेश करते हुए जब हम लोकतांत्रिक व्यवस्था की पड़ताल

करते हैं तो यह स्थिति हमारे सामने खड़ी होती है कि क्या स्वतंत्रता की यह यात्रा स्त्रियों को भी उसी गरिमा, समानता और अधिकार तक पहुँचा पाई है जिसका वादा संविधान ने जोर शोर से किया था। वास्तविकता यह है कि आज भी स्त्री भारतीय लोकतंत्र में केवल संख्या नहीं बल्कि स्वीकृति, सहभागिता और निर्णायक उपस्थिति की तलाश में संघर्षरत है।

स्वतंत्रता आंदोलन में कंधे से कंधा मिलाकर चलने वाली स्त्री आज भी सत्ता, नीति और सामाजिक निर्णयों के केंद्र से दूर रखी जाती है। संसद से पंचायत तक प्रतिनिधित्व की बात हो या शिक्षा, स्वास्थ्य, श्रम और सुरक्षा के सवाल, हर जगह स्त्री की भागीदारी सीमित और संघर्षपूर्ण दिखाई देती है। लोकतंत्र ने उसे मताधिकार तो दिया पर मानसिक स्वतंत्रता अभी अधूरी है, अभी पुरुषों के निर्देशन में ही में ही कार्य संपादित करना पड़ता है। कानूनी अधिकार तो प्रदत्त किए हैं पर सामाजिक चेतना का विस्तार नहीं हुआ है, बेटी बचाओ से लेकर बेटी पढ़ाओ तक के नारे गूंजे लेकिन बेटी को निर्णयकर्ता बनाने का साहस समाज अभी तक नहीं जुटा पाया है।, स्त्री आज भी दोहरी जिम्मेदारियों के बोझ निर्वहन कर रही है। जहाँ एक ओर उससे आधुनिक होने की अपेक्षा की जाती है तो दूसरी ओर परंपराओं की जंजीरों में जकड़कर उसकी उड़ान के पंख काट दिए गए है।

कार्यस्थलों पर समान वेतन की लड़ाई हो या घर के भीतर अदृश्य श्रम की अनदेखी, स्त्री का श्रम आज भी कम आँका जाता है, डिजिटल युग में प्रवेश के बावजूद तकनीक और संसाधनों तक उसकी पहुँच सीमित है जिससे नया लोकतांत्रिक स्पेस भी पुरुष प्रधान होता जा रहा है।

राजनीति में 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रश्न दशकों से प्रतीक्षा में है जो यह दर्शाता है कि लोकतंत्र स्त्री को भागीदार नहीं बल्कि प्रतीक भर मानता रहा है, हिंसा के आँकड़े बताते हैं कि स्त्री का शरीर आज भी सत्ता, वर्चस्व और असहिष्णुता का मैदान बना हुआ है और न्याय की प्रक्रिया उसके लिए लंबी, जटिल और कई बार अपमानजनक हो जाती है।

यह विडंबना ही है कि जिस लोकतंत्र की बुनियाद समानता पर टिकी है उसी लोकतंत्र में स्त्री को अपनी अस्मिता सिद्ध करनी पड़ती है, नए संदर्भों में देखें तो स्त्री केवल पीड़िता नहीं बल्कि परिवर्तन की वाहक भी है, स्वयं सहायता समूहों से लेकर स्टार्टअप संस्कृति तक, आंदोलन से लेकर साहित्य और मीडिया तक, स्त्री अपनी नई भाषा गढ़ रही है जो अधिकार के साथ आत्मसम्मान की भी मांग करती है। आज की स्त्री दया नहीं अवसर चाहती है, संरक्षण नहीं साझेदारी चाहती है और प्रतिनिधित्व नहीं बल्कि निर्णय में हिस्सेदारी चाहती है, 77वें गणतंत्र का गर्व तभी सार्थक होगा जब लोकतंत्र केवल पुरुष अनुभव का विस्तार न रहकर स्त्री दृष्टि से भी पुनर्परिभाषित होगा, जब नीति निर्माण में स्त्री का जीवन अनुभव शामिल होगा, जब घर, समाज और सत्ता तीनों स्तरों पर बराबरी की संस्कृति विकसित होगी, क्योंकि स्त्री की स्वतंत्रता किसी एक वर्ग का प्रश्न नहीं बल्कि लोकतंत्र की गुणवत्ता की कसौटी है और जब तक स्त्री अपनी उपस्थिति नहीं बल्कि अपना स्थान सुनिश्चित नहीं कर लेती तब तक भारतीय लोकतंत्र अधूरा, असंतुलित और आत्मगौरव से वंचित ही रहेगा।

इसी संघर्षपूर्ण लोकतंत्र में कुछ स्त्रियाँ ऐसी भी हैं जिन्होंने तमाम बाधाओं, उपेक्षाओं और सामाजिक दीवारों को तोड़कर अपनी पहचान गढ़ी और व्यवस्था को आईना दिखाया, द्रौपदी मुर्मू का राष्ट्रपति पद तक पहुँचना आदिवासी स्त्री की उस यात्रा का प्रतीक है जो सदियों से हाशिये पर रही है। उनके राष्ट्रपति बना आदिवासी गौरव का बड़ा प्रतीक है। कल्पना चावला ने अंतरिक्ष में भारत की स्त्री चेतना को नई ऊँचाई दी, मैरी कॉम ने यह साबित किया कि सीमित संसाधनों और सामाजिक बंधनों के बावजूद एक स्त्री विश्व मंच पर भारत का गौरव बन सकती है। इरोम शर्मिला ने अहिंसक संघर्ष के माध्यम से लोकतंत्र को उसकी संवेदनशीलता याद दिलाई, फातिमा शेख और सावित्रीबाई फुले की विरासत को आगे बढ़ाती आज की शिक्षिकाएँ आज भी शिक्षा को स्त्री मुक्ति का हथियार बना रही हैं। अरुणिमा सिन्हा ने शारीरिक अक्षमता को पराजित कर यह सिद्ध किया कि स्त्री की शक्ति सहानुभूति की मोहताज नहीं होती। मिताली राज और पीवी सिंधु ने खेल के मैदान में पुरुष वर्चस्व को चुनौती दी, किरण बेदी ने प्रशासन में स्त्री नेतृत्व की कठोर लेकिन संवेदनशील छवि प्रस्तुत की, अंजू बॉबी जॉर्ज से लेकर बछेंद्री पाल तक पहाड़ और मैदान दोनों जगह स्त्री ने अपने साहस की छाप छोड़ी, ये नाम केवल व्यक्तिगत सफलताएँ नहीं हैं बल्कि उस लोकतंत्र की खामियों के बीच उग आए प्रतिरोध के दीप हैं जो यह बताते हैं कि स्त्री अवसर मिले तो नीति, नेतृत्व और नवाचार में किसी से पीछे नहीं है, फिर भी यह विडंबना बनी हुई है कि इन उदाहरणों को अपवाद मान लिया जाता है और स्त्री की सामूहिक स्थिति जस की तस बनी रहती है, 77वें गणतंत्र का वास्तविक गर्व तब होगा जब इन संघर्षरत स्त्रियों की कहानियाँ प्रेरणा भर नहीं बल्कि नीति और सामाजिक व्यवहार का आधार बनेंगी, जब लोकतंत्र स्त्री को प्रतीक नहीं बल्कि सहभागी मानेगा, क्योंकि इन स्त्रियों का संघर्ष यह स्पष्ट करता है कि स्त्री की सफलता दया से नहीं बल्कि अधिकार, अवसर और आत्मसम्मान से जन्म लेती है। जब तक यह समझ व्यापक नहीं होती तब तक भारतीय लोकतंत्र में आधी आबादी के अपने हक तथा सहभागिता की अपेक्षा में इंतजार कर रही होगी।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार, लेखक, चिंतक, स्तंभकार, हैं।

विहिप-बजरंग दल की बैठक में धर्मान्तरण, गौ-तस्करी व श्रीरामनवमी की तैयारी पर हुई चर्चा

जगदलपुर, 27 जनवरी। विश्व हिंदू परिषद-बजरंग दल की जिला स्तरीय बैठक विहिप प्रांत सह मंत्री रवि ब्रह्मचारी की अध्यक्षता में बस्तर में आज रविवार को सम्पन्न हुई, जिसमें प्रान्त पदाधिकारियों की उपस्थिति में संगठन के कार्यकर्त्ताओं को सम्बोधित किया गया। बैठक में धर्मान्तरण, गौ तस्करी और श्रीराम नवमी की तैयारी पर चर्चा की गई।

बजरंग दल जिला संयोजक विष्णु ठाकुर ने अपने संबोधन में कहा कि आगामी राम नवमी को लेकर जिला में तैयारी शुरू करने के लिए सभी प्रखंड के कार्यकर्त्ता सक्रिय रूप से संघठन विस्तार पर विशेष जोर दें और अपने अपने क्षेत्र में प्रत्येक कार्यकर्ता को संघठन के सभी नियमों से अवगत कराने और संघठन के उद्देश्य को प्रत्येक सनातनी तक पहुंचाने के लिए निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि हमें अपने समाज को मजबूत बनाने के लिए एकजुट होकर कार्य करना होगा और धर्मान्तरण, गौ तस्करी जैसे मुद्दों पर कड़ी कार्रवाई करनी होगी। उन्होने कहा कि हमें अपने युवाओं को सही दिशा में ले जाने के लिए काम करना होगा और उन्हें समाज के प्रति जागरूक करना होगा। उन्होंने कहा कि बजरंग दल हमेशा से ही समाज के लिए काम करता आया है और आगे भी करता रहेगा।

बैठक में प्रान्त सह मंत्री रवि ब्रह्मचारी ने कहा कि वर्तमान समय में बस्तर सहित पूरे प्रदेश में धर्मान्तरण एक विष की तरह ग्रामीण क्षेत्र में फैल रहा है, जिसे रोकने के लिए वनवासी, आदिवासी क्षेत्र के सनातनी को जागरूक करने और अपने परम्परा संस्कृति के बचाव के लिए भेद भाव के विचारों से ऊपर उठ कर कार्य करने की आवश्यकता है। जिलाध्यक्ष शंकर लाल गुप्ता ने कहा कि वर्तमान में गौ तस्करों के विरुद्ध बजरंग दल पूर्ण सक्रियता के साथ कार्य कर रहा है और आगामी समय में ऐसी स्थिति से बचने और गौवंश को बचाने के लिए सभी को सक्रियता के साथ इस दिशा में कार्य करना होगा।

इस दौरान अखिलेश लनिया पालक मध्य बस्तर, विभाग मंत्री कांति लाल साहू, श्रीनिवास रेड्डी, योगेंद्र कौशिक, धर्म प्रचार प्रमुख अर्जुन सिंह परिहार, प्रान्त सह संयोजीका श्रीमती उमा गुप्ता, जिला उपाध्यक्ष प्रेम चालकी, जागेश्वर साहू जिला कोषाध्यक्ष सुरेंद्र तिवारी, जवीता मंडावी, शुशीला साहू, जिला सेवा प्रमुख पवन राजपूत, अर्चक पुरोहित ,पंकज मिश्रा, जिला सह संयोजक योगेश रैली, अनिल अग्रवाल, अंशुनाथ, होमेश राठौर, नगर अध्यक्ष प्रतीक गुरु, बस्तर प्रखंड अध्यक्ष विवेक शुक्ला, नगर सह मंत्री भवानी सिंह चौहान नगर संयोजक जगदीश ठाकुर, नगर सह संयोजक अजय प्रताप ,नगर सह गौ रक्षा प्रमुख पवन राजा, आशीष नायडू, अंशु नाग, सुंदर दास, मनीष चौहान, साहिल दास, कमल चंद्राकर, प्रेम यादव पिंटू, ओमकार, अनुविंद कृष्णा तिवारी, जलंधर सुनील बिसाई, मनोज, गोकुल पानीग्राही सहित सभी दायित्व वान पदाधिकारी और बजरंगी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एक नजर

गणतंत्र दिवस पर डाकघर में शान से लहराया तिरंगा

कोंडागांव 27 जनवरी। 26 जनवरी 77वें गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर स्थानीय उप डाकघर परिसर में तिरंगा ध्वजारोहण कार्यक्रम पूरे हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर डाकघर में शान से लहराता तिरंगा राष्ट्रीय गौरव, एकता और संविधान के प्रति आस्था का प्रतीक बना। ध्वजारोहण कार्यक्रम का नेतृत्व उपसंभागीय निरीक्षक श्री आर.एस. मिश्रा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में उपडाकपाल श्री एस.एल. गोटी, श्री दयाराम ध्रुव, श्री शेख रूहुल ताज, श्री डिकेश मिर्झा, श्री नईम खान, श्री सतेंद्र साव, श्री देवेंद्र तिवारी, अजय कुमार पांडे, श्री संदीप राव, श्री चेतमन मरकाम, श्री हरेंद्र यादव एवं कु0 नम्रता बंधैया, सुर्य प्रसाद दीवान, भारत साहू, चमन नेताम, पीयूष सिन्हा, कुश पांडे, सतीश, कुंदन, मनीष, सुरेश, गीतेश राव, अनिल पटेल, राकेश मरकाम, सहित डाकघर के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी उपस्थितजनों ने राष्ट्रध्वज को सलामी दी तथा राष्ट्रगान के साथ देश के संविधान, लोकतांत्रिक मूल्यों और राष्ट्रीय एकता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय डाक विभाग देश की सेवा में निरंतर समर्पित भाव से कार्य कर रहा है और यह आयोजन कर्मचारियों में देशभक्ति की भावना को और अधिक सशक्त करता है। कार्यक्रम का उद्देश्य गणतंत्र दिवस के महत्व को रेखांकित करते हुए नागरिकों को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करना रहा।

जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही का खामियाजा 25 सालों से पेंशनर्स भुगत रहे : ताटी

जगदलपुर, 27 जनवरी। वित्त विभाग के परीक्षण में मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ के बीच पेंशन बंटवारे में मध्यप्रदेश सरकार से छत्तीसगढ़ सरकार को 10 हजार करोड़ की लेनदारी निकली है। इस पर भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ ने कहा है कि दोनों राज्यों के जिम्मेदार अफसरों की लापरवाही का खामियाजा 25 सालों से पेंशनर्स को भुगतना पड़ा है। इसकी जांच कर दोषियों के खिलाफकार्रवाई की मांग पेंशनर्स ने की है। पेंशनर्स महासंघ के बस्तर संभागीय अध्यक्ष रामनारायण ताटी ने कहा कि मध्यप्रदेश पुनर्गठन अधिनियम की धारा 49 (6) के प्रावधानों के तहत दोनों राज्यों के बीच पेंशन बजट 74 अनुपात 26 के मान से तय किया गया था। इसके तहत पेंशनरों की महंगाई राहत में बढ़ोतरी होने पर 74 प्रतिशत मध्यप्रदेश और 26 प्रतिशत छत्तीसगढ़ सरकार वहन करेगी। उन्होंने कहा कि ये चूक इसलिए हुई, क्योंकि तय मापदंडों के तहत छत्तीसगढ़ सरकार अपने हिस्से की 26 फीसदी राशि बराबर देती रही, लेकिन मध्यप्रदेश सरकार से 74 फीसदी राशि ली ही नहीं गई। यही राशि बढ़कर अब 10 हजार करोड़ तक पहुंच गई, जिसका सीधा असर छत्तीसगढ़ के सरकारी खजाने पर पड़ा है। दोनों राज्यों के बीच आपसी सहमति बराबर होती थी, लेकिन वित्तीय आदान-प्रदान समय पर नहीं हुआ। इस मामले पर संघ ने लगातार सरकार से इसकी जांच करने की मांग की।

कांकेर में 208 लर्निंग लाइसेंस जारी, 31 जनवरी तक चलेगा अभियान

कांकेर, 27 जनवरी। जिले में 37वां सड़क सुरक्षा यातायात जागरूकता अभियान जारी है । इस अभियान के तहत अब तक 208 लर्निंग लाइसेंस जारी किए जा चुके हैं । कांकेर में पुलिस थाना के सामने लगे शिविर में 124 और चारामा के शिविर में 84 लर्निंग लाइसेंस दिए गए । भानुप्रतापपुर और पखांजूर में आज से शिविर लगाए जाएंगे । यह अभियान 31 जनवरी तक चलेगा। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना और बिना लाइसेंस वाहन चलाने की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाना है। जिला परिवहन विभाग और यातायात पुलिस ने उन नागरिकों से अपील की है, जिनका अभी तक ड्राइविंग लाइसेंस नहीं बना है, वे निर्धारित अवधि में शिविरों में पहुंचकर अपना लाइसेंस बनवाएं । इसका लक्ष्य सड़क सुरक्षा को मजबूत करना और सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना है।

तेज रफ्तार ट्रक डिवाइडर से टकराने के बाद पान ठेले को मारी टक्कर, कोई हताहत नहीं

नारायणपुर, 27 जनवरी । जिले के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के मुख्यमार्ग पर बखरूपारा के पास आज रविवार की सुबह एक अनियंत्रित तेज रफ्तार ट्रक पहले डिवाइडर से जा टकराया और फिर सड़क किनारे खड़े एक पान ठेले को अपनी चपेट में ले लिया। सुबह के समय मार्ग पर आवाजाही कम होने से इस हादसे में कोई भी हताहत नही हुआ,और एक बड़ा हादआ टल गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंचकर ट्रक चालक को हिरासत में लेकर मामले की जांच कर रही है।

बस्तर चेम्बर ऑफ कॉमर्स ने बजट से पहले पीएम का ध्यान हवाई, सड़क, टैक्स राहत से जुड़ी मांगों की ओर आकृष्ट किया

रेलवे की कनेक्टिविटी व टेक्स राहत की रखी मांग

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर, 27 जनवरी। केंद्रीय बजट से पहले बस्तर के विकास को राष्ट्रीय प्राथमिकता में लाने की पहल करते हुए बस्तर चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष श्याम सोमानी ने प्रधानमंत्री को पत्र भेजकर रेल, हवाई सेवा, सड़क कनेक्टिविटी एवं टेक्स पर राहत से जुड़ी बहुप्रतीक्षित मांगों की ओर ध्यान आकृष्ट किया है। पत्र में स्पष्ट किया गया है कि बस्तर रेलवे को हर वर्ष केवल लौह अयस्क परिवहन से लगभग एक लाख करोड़ रुपये का मालभाड़ा राजस्व देता है, इसके बावजूद आजादी के 75 वर्षों बाद भी यात्री रेल सुविधाओं के मामले में बस्तर उपेक्षित बना हुआ है। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि रेल मंत्रालय का अधिकतर फोकस पड़ोसी राज्य ओड़िसा पर केंद्रित रहा है, जहां बीते दस वर्षों में कई नई रेल परियोजनाएं, रेल लाइनें और यात्री गाड़ियों की सौगात दी गई, जबकि बस्तर में दल्ली राजहरा-जगदलपुर जैसी बहुप्रतीक्षित रेल लाइन आज भी अधर में लटकी हुई है। प्रस्तावित नई रेल लाइनों-धमतरी से अमरावती (कोंडागांव), बचेली से बीजापुर होकर सूरजपुर (महाराष्ट्र), किरन्दुल से भद्राचलम, किरन्दुल से मनुगुरु तथा दंतेवाड़ा-सुकमा मलकानगिरी-पर भी ठोस पहल न होने पर चिंता जताई गई है।

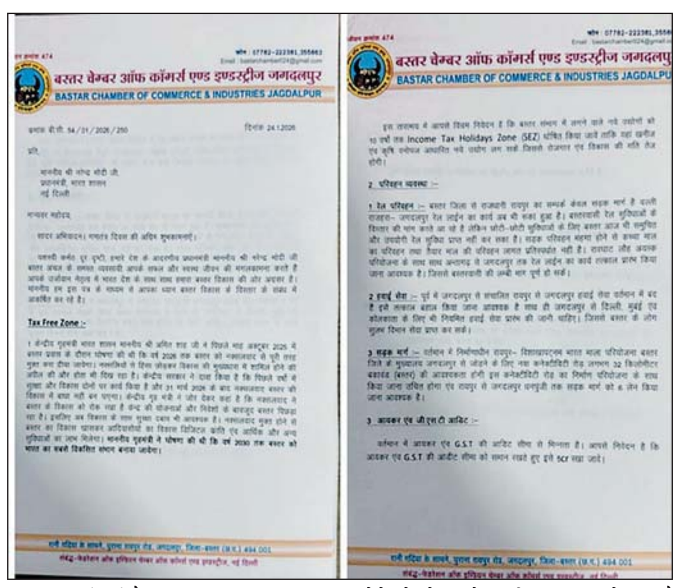

बस्तर चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज जगदलपुर
BASTAR CHAMBER OF COMMERCE & INDUSTRIES JAGDALPUR

Tax Free Zone :-

Income Tax Holidays Zone (SEZ)

2. परिवहन व्यवस्था :-

3. आयकर एवं जी.एस.टी. आडिट :-

चेंबर ने अपने पत्र में कहा है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा बस्तर को नक्सलवाद से मुक्त करने की समयसीमा तय किए जाने के बाद अब विकास के लिए ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है। सुरक्षा के साथ-साथ विकास को गति देने के लिए टैक्स फ्री जोन जैसी विशेष नीति बस्तर को औद्योगिक हब बना सकती है। हवाई सेवा को लेकर भी चिंता जताई गई है। जगदलपुर-रायपुर फ्लाइट सेवा बंद होने से क्षेत्र को भारी नुकसान हो रहा है। चेंबर ने दिल्ली, मुंबई और कोलकाता के लिए नियमित उड़ानें शुरू करने की मांग की है, ताकि व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा मिल सके।सड़क कनेक्टिविटी के तहत रायपुर-विशाखापट्टनम भारतमाला परियोजना से जगदलपुर को जोड़ने के लिए लगभग 32 किमी लंबी कनेक्टिविटी रोड बनाने और रायपुर से जगदलपुर धमतरी मार्ग को 6-लेन करने का सुझाव दिया गया है।

पत्र में यह भी रेखांकित किया गया है किं नक्सलवाद के प्रभाव में लंबे समय तक पिछड़े रहे बस्तर को अब केंद्र सरकार द्वारा नक्सलमुक्त क्षेत्र बनाने की दिशा में निर्णायक कदम उठाए जा रहे हैं। ऐसे में आने वाला समय निवेश और औद्योगिक विकास के लिए निर्णायर्क हो सकता है, बशर्ते बस्तर के आधारभूत ढांचे और टेक्स प्रोत्साहन का वास्तविक लाभ मिले। पत्र के माध्यम से प्रधानमंत्री से अपील की गई है कि बस्तर को कर-मुक्त प्रोत्साहन, मजबूत परिवहन नेटवर्क और समान टेक्स ऑडिट व्यवस्था देकर मुख्यधारा के विकास से जोड़ा जाए, ताकि आदिवासी बहुल इस अंचल में रोजगार, उद्योग और आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिल सके। चेंबर ने पत्र में यह भी उल्लेख किया है कि वर्तमान में आयकर और जीएसटी ऑडिट की सीमाएं अलग-अलग हैं, जिससे व्यापारियों पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है। इसे समान रखते हुए 5 करोड़ रुपए तक करने की मांग की गई है। चेंबर ने उम्मीद जताई है कि केंद्र सरकार की पहल से बस्तर को वर्ष 2030 तक देश का सबसे विकसित संभाग बस्तर को बनाया जा सकता है। टैक्स फ्री जोन, मजबूत कनेक्टिविटी और सरल कर व्यवस्था से बस्तर में उद्योगों का विस्तार होगा और युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार मिलेगा।

तेज रफ्तार अनियंत्रित कार डिवाइडर से टकराकर पलटी, किसी को खरोंच तक नहीं आई

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कोंडागांव, 27 जनवरी। जिला मुख्यालय कोंडागांव में नेताम हॉस्पिटल के सामने शनिवार-रविवार की मध्यरात्रि 1 बजे तेज रफ्तार अनियंत्रित कार डिवाइडर से टकराने के बाद सड़क पर पलट गई। लेकिन इस हादसे में जो हुआ उसे स्थानीय लोग किसी चमत्कार से कम नहीं मान रहे हैं। कार की हालत देखकर हर कोई अनहोनी की आशंका जता रहा था, लेकिन आश्चर्यजनक रूप से कार सवार दोनों युवकों को एक भी खरोंच तक नहीं आई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टोयोटा कार क्रमांक सीजी-27-एन-7850 पुलिस लाइन की ओर से बस स्टैंड की तरफ जा रही थी। नेताम हॉस्पिटल के सामने अचानक कार डिवाइडर से टकराई और अनियंत्रित होकर पलट गई।

मिली जानकारी के अनुसार दुर्घटनाग्रस्त कार पुलिस लाइन में पदस्थ एक पुलिस कर्मी की बताई जा रही है। वहीं कार में सवार दोनों युवक शराब के नशे में धुत्त बताए जा रहे हैं। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत सिटी कोतवाली पुलिस को इसकी सूचना दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में लिया। स्थानीय नागरिकों की मदद से दुर्घटनाग्रस्त कार को बीच सड़क से हटाकर साइड में लगाया गया, जिसके बाद आवागमन पुनः सुचारू हो सका। भयावह हादसे में नशे की हालत में होने के बावजूद दोनों युवकों का सुरक्षित बच निकलना पूरे इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है।

मोदी के मन की बात का 130 वां एपिसोड शिव मंदिर व भैरमदेव वार्ड में सुना गया

जगदलपुर, 27 जनवरी। निगम क्षेत्र अंर्तगत भैरमदेव वार्ड शक्ति केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात का 130वां एपिसोड कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश प्रवक्ता शिवनारायण पांडे रहे, जबकि अध्यक्षता महापौर संजय पांडे ने की। अतिथि के रूप में राजस्व सभापति संग्राम सिंह राणा उपस्थित रहे, साथ ही भैरमदेव एवं शिवमंदिर के वार्डवासी बड़ी संख्या में आज रविार को मन की बात सुना। मन की बात कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गणतंत्र दिवस, राष्ट्रीय मतदाता दिवस, स्टार्टअप इंडिया, पर्यावरण संरक्षण, श्रीअन्न (मिलेट्स) सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार साझा किए। प्रधानमंत्री ने कहा कि श्रीअन्न के प्रति देशवासियों का रुझान लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने स्वच्छता को लेकर व्यक्तिगत प्रयासों पर जोर देते हुए कहा कि स्वच्छता जन-आंदोलन का रूप ले रही है। उन्होंने परिवार व्यवस्था को भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग बताते हुए कहा कि दुनिया के कई देश इसे कुतूहल और सम्मान के साथ देखते हैं। हमारी संस्कृति और त्योहार आज वैश्विक स्तर पर अपनी अलग पहचान बना रहे हैं । इस अवसर पर प्रदेश प्रवक्ता शिवनारायण पांडे, महापौर संजय पांडे एवं दिनेश पाणिग्रही ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन वार्ड पार्षद एवं सभापति निर्मल पाणिग्रही ने किया तथा आभार प्रदर्शन वार्ड पार्षद त्रिवेणी रंधारी ने किया। कार्यक्रम में दिनेश पाणिग्रही, अतुल दास, हेमलता जंगम, सरस्वती श्रीवास्तव, निर्मला दास, यशोदा राव, देवापी पाणिग्रही, रेणुका श्रीवास्तव, सूरज श्रीवास्तव, चंदा श्रीवास्तव, चमेली यादव सहित बड़ी संख्या में वार्डवासी उपस्थित रहे।

गणतंत्र दिवस पर लालबाग में दिखी साइबर सुरक्षित बस्तर की झलक

जगदलपुर 27 जनवरी। जगदलपुर के लालबाग मैदान में 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह पूरी गरिमा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस भव्य समारोह का मुख्य आकर्षण विभिन्न शासकीय विभागों द्वारा निकाली गई रंग-बिरंगी झांकियां रहीं, जिन्होंने बस्तर की लोक-संस्कृति, आधुनिक तकनीक और विकासात्मक योजनाओं का सजीव चित्रण किया। इस वर्ष झांकी में पुलिस विभाग ने अपनी समसामयिक और जागरूकता-परक प्रस्तुति से दर्शकों और निर्णायकों का दिल जीतते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। पुलिस विभाग की झांकी साइबर सुरक्षित रहेगा बस्तर, बढ़ेगा बस्तर की थीम पर केंद्रित थी, जिसमें आज के डिजिटल युग में बढ़ते ऑनलाइन अपराधों के प्रति नागरिकों को सचेत किया गया। इसमें फिशिंग, हैकिंग और बैंकिंग धोखाधड़ी से बचने के लिए सतर्क रहें, सुरक्षित रहें का मूल मंत्र दिया गया, जो दर्शकों के बीच चर्चा का विषय बना रहा । प्रतियोगिता में आदिवासी विकास विभाग ने दूसरा स्थान हासिल किया, जिसने बस्तर पंडुम 2026 थीम के माध्यम से बस्तर की आदिम संस्कृति को जीवंत कर दिया। इस झांकी के अग्रभाग में ग्राम देवी की प्रतीक माता डोली को पालकी के रूप में सजाया गया था और पारंपरिक वेशभूषा व आभूषणों से सुसज्जित आदिवासियों को उत्सव मनाते हुए दिखाया गया। झांकी के साथ चल रहे कलाकारों द्वारा किए गए बस्तर की पारंपरिक लोक नृत्यों ने लालबाग में उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया।

तीसरे स्थान के लिए इस बार कड़ा मुकाबला देखने को मिला, जिसमें वन विभाग और जेल विभाग संयुक्त रूप से विजेता घोषित किए गए। वन विभाग ने लामनी पार्क - बस्तर की नई पहचान थीम के जरिए प्रकृति प्रेम और साहसिक पर्यटन को प्रदर्शित किया, जिसमें ब्लू एंड गोल्ड मकाऊ जैसे दुर्लभ पक्षियों के संरक्षण और एडवेंचर पार्क की गतिविधियों को खूबसूरती से उकेरा गया था। वहीं जेल विभाग ने अपनी झांकी के जरिए समाज की सोच बदलने का प्रयास किया। उनकी थीम जेल सजा नहीं, सृजन से सुधार एवं पुनर्वास थी, जिसमें यह दर्शाया गया कि जेल अब केवल सजा का स्थान नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता की प्रयोगशाला है, जहाँ कैदी काष्ठ शिल्प, सिलाई और ऑफसेट प्रिंटिंग जैसे हुनर सीखकर मुख्यधारा में लौटने की तैयारी कर रहे हैं। विजेता विभागों के अलावा अन्य झांकियों ने भी महत्वपूर्ण सामाजिक संदेश दिए। नगर पालिक निगम ने हर घर दस्तक अभियान के तहत स्वच्छता और कचरा पृथक्करण के प्रति जागरूकता फैलाई। महिला एवं बाल विकास विभाग ने बाल विवाह एक सामाजिक बुराई विषय को उठाकर बालिकाओं की शिक्षा और सशक्तिकरण की वकालत की।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने 'आमचो बस्तर क्लब' में क्रिकेट बॉक्स का किया लोकार्पण

जगदलपुर 27 जनवरी। बस्तर के युवाओं और खेल प्रेमियों के लिए गणतंत्र दिवस का अवसर एक विशेष सौगात लेकर आया। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने सोमवार को जगदलपुर स्थित 'आमचो बस्तर क्लब' में नवनिर्मित आधुनिक क्रिकेट बॉक्स यूनिट का विधिवत लोकार्पण किया। नगर पालिक निगम द्वारा जिला खनिज न्यास निधि के अंतर्गत 17 लाख 27 हजार रुपए की लागत से तैयार किया गया यह क्रिकेट बॉक्स शहर में खेल संसाधनों को और मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम है।

लोकार्पण समारोह केवल रस्मी उद्घाटन तक ही सीमित नहीं रहा, बल्कि इसमें खेल भावना का जबरदस्त उत्साह भी देखने को मिला। रिबन काटने के तुरंत बाद उप मुख्यमंत्री श्री साव ने स्वयं बल्ला थामकर पिच पर अपने हाथ आजमाए। इस दौरान महापौर श्री संजय पांडेय ने बॉलिंग के माध्यम से अपनी फिटनेस का जौहर दिखाया। इसके साथ ही कलेक्टर श्री आकाश छिकारा ने भी गेंदबाजी का उम्दा प्रदर्शन किया। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने उत्साहपूर्वक क्रिकेट खेलकर वहां मौजूद युवाओं और नागरिकों को फिटनेस और खेलों के प्रति प्रोत्साहित किया। उप मुख्यमंत्री के इस अंदाज ने वहां उपस्थित खिलाड़ियों में नई ऊर्जा का संचार किया।

इस अवसर पर नगर निगम सभापति श्री खेमसिंह देवांगन, जिला केन्द्रीय सहकारी बैंक के अध्यक्ष श्री दिनेश कश्यप, उपाध्यक्ष श्री श्रीनिवास मिश्रा और अन्य जनप्रतिनिधियों सहित कमिश्नर श्री डोमन सिंह, पुलिस महानिरीक्षक श्री सुन्दरराज पी, पुलिस अधीक्षक श्री शलभ सिन्हा एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

अलनार में संयुक्त गणतंत्र दिवस समारोह, प्रभात फेरी, संस्कृति और राष्ट्रनिर्माण का प्रेरक संदेश

जगदलपुर 27 जनवरी। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अलनार एवं स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय अलनार के संयुक्त तत्वावधान में 76वां गणतंत्र दिवस अत्यंत गरिमामय, अनुशासित एवं राष्ट्रीय चेतना से ओतप्रोत वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों के भीतर राष्ट्रप्रेम, संविधान के प्रति सम्मान तथा सांस्कृतिक मूल्यों का विकास करना रहा। गणतंत्र दिवस के अवसर पर प्रातः प्रभात फेरी का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने देशभक्ति नारों के साथ ग्राम अलनार में राष्ट्रीय एकता एवं जागरूकता का संदेश दिया। इसके पश्चात विद्यालय परिसर में ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान के साथ औपचारिक समारोह का शुभारंभ हुआ।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों द्वारा देशभक्ति गीत, सांस्कृतिक नृत्य, संस्कृत कार्यक्रम, नाट्य प्रस्तुति, कविता-पाठ एवं प्रेरणादायी भाषणों के माध्यम से भारत की गौरवशाली संस्कृति, संविधान की महत्ता तथा लोकतांत्रिक मूल्यों को प्रभावशाली रूप में प्रस्तुत किया गया। समारोह में डॉ. बसंत कश्यप (उपाध्यक्ष, जनपद पंचायत लोहंडीगुड़ा) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि गणतंत्र दिवस केवल उत्सव नहीं, बल्कि नागरिक कर्तव्यों और संवैधानिक मूल्यों को आत्मसात करने का अवसर है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री लैखन राम बघेल ने कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य राष्ट्र के प्रति उत्तरदायी, संस्कारवान एवं चरित्रनिष्ठ नागरिकों का निर्माण करना है। वहीं सेजस प्रभारी श्री संजय मांडवी ने विद्यार्थियों को अनुशासन, परिश्रम और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर अलनार के गणमान्य नागरिक श्री तुलु राम कश्यप की विशिष्ट उपस्थिति रही। कार्यक्रम के अंतर्गत वार्षिक उत्सव में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। संयुक्त आयोजन में दोनों विद्यालयों के शिक्षकगण, कर्मचारीगण, अभिभावकगण तथा बड़ी संख्या में उपस्थित अलनार के ग्रामवासियों ने विभिन्न कार्यक्रमों का उत्साहपूर्वक आनंद लिया।समारोह का समापन राष्ट्रनिर्माण के संकल्प, सामाजिक सद्भाव एवं उज्ज्वल भारत के संदेश के साथ किया गया।

प्रभात फेरी से लेकर सांस्कृतिक मंच तक छाया रहा उत्साह

सेजेस करीतगांव में 77वें गणतंत्र दिवस पर देशभक्ति की लहर

जगदलपुर 27 जनवरी । शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय करीतगांव (सेजेस) की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वावधान में सोमवार, 26 जनवरी को 77वां गणतंत्र दिवस अपार हर्षोल्लास और राष्ट्रप्रेम की भावना के साथ मनाया गया। दिन की शुरुआत सुबह 7रू00 बजे एक भव्य प्रभात फेरी के साथ हुई, जिसमें विद्यालय के स्वयंसेवकों और विद्यार्थियों ने श्भारत माता की जयश् के उद्घोष से पूरे गांव में देशभक्ति का संचार कर दिया। विद्यालय परिसर में आयोजित मुख्य समारोह में एस.एम.डी.सी सदस्य श्री पुरुषोत्तम जोशी और वरिष्ठ समाज सेवक श्री तुलसीराम गोयल बतौर विशिष्ट अतिथि शामिल हुए। अतिथियों ने विद्यालय के शिक्षकों के साथ मिलकर भारत माता और वीर शहीदों के छायाचित्रों पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया और गरिमामय वातावरण में ध्वजारोहण किया।

ध्वजारोहण के उपरांत विद्यालय का प्रांगण सांस्कृतिक रंगों और देशभक्ति के स्वरों से गूंज उठा। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में कक्षा पहली की नन्ही छात्रा विभा पटेल ने एकल गीत प्रस्तुत कर सबका दिल जीत लिया, वहीं कक्षा चैथी के आयुष एवं समूह और कक्षा 5वीं व 7वीं की कु. धनेंद्री व उनके समूह ने अपनी प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। कक्षा 9वीं की छात्रा कु. डिंपल पांडे ने अपने एकल देशभक्ति गीत से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया, जबकि इसी कक्षा की कु. राधिका नाग, कु. चांदनी बेसरा और उनके समूहों ने गीतों और नृत्यों की शानदार छटा बिखेरी। कार्यक्रम में बस्तर की संस्कृति की झलक भी देखने को मिली जब कक्षा 11वीं के हेमंत कश्यप, कु. कामिनी भारती और समूह ने जोश से भरा देशभक्ति आदिवासी नृत्य प्रस्तुत किया। इसके अतिरिक्त कक्षा 11वीं विज्ञान संकाय की कु. निर्मला व कु. डालेश्वरी और कु. पूनम ठाकुर के समूह ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किए। देशप्रेम के विचारों को वाणी देते हुए कक्षा 10वीं की छात्रा कु. मोनिका कश्यप और कु. रोशनी नाग ने ओजस्वी भाषण दिए।

मंच का कुशल संचालन करते हुए व्याख्याता श्री राजेंद्र कलिहारी ने सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया और उन्हें सच्चा देशभक्त बनने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विशिष्ट अतिथि श्री पुरुषोत्तम जोशी ने विद्यार्थियों और स्वयंसेवकों को भारत माता के लिए निस्वार्थ सेवा करने का संकल्प दिलाया, वहीं समाज सेवक श्री तुलसीराम गोयल ने समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझते हुए कार्यक्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल करने की बात कही। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के कार्यक्रम अधिकारी श्री राहुल सिंह ठाकुर ने सत्र 2025-26 का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने विशेष रूप से सात दिवसीय शिविर के दौरान चलाए गए नशा मुक्त भारत अभियान और शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय की कार्यशाला सुरक्षित घर, सुरक्षित लईकामन 3.0 जैसी उपलब्धियों पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के समापन सत्र में संस्था की प्राचार्य श्रीमती मोनिता पानिग्राही ने आयोजन की सफलता पर सभी को बधाई देते हुए कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा की, जिसके पश्चात विद्यार्थियों को मिष्ठान वितरण किया गया। इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में विद्यालय के हिंदी एवं अंग्रेजी माध्यम के समस्त व्याख्याता, शिक्षक, सहायक शिक्षक, प्रयोगशाला शिक्षक, और एनएसएस इकाई के सहायक कार्यक्रम अधिकारी श्री वाणी हुमने व श्री लोकेश निषाद सहित सभी स्वयंसेवकों का सराहनीय योगदान रहा।

जिले के बच्चे अब पढ़ेंगे स्मार्ट क्लास रूम में,मुख्यमंत्री साय ने कांसाबेल में किया स्मार्ट क्लास रूम का शुभारंभ

रायपुर, 27 जनवरी। जशपुर जिले के स्कूली बच्चे अब स्मार्ट क्लास रूम के जरिए पढ़ाई करेंगे। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज कांसाबेल के सरस्वती शिशु मंदिर में स्मार्ट क्लास रूम का शुभारंभ किया। इस परियोजना के लिए एसईसीएल द्वारा सीएसआर मद से 5 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है, जिसके अंतर्गत जिले के शासकीय विद्यालयों में 206 इंटरएक्टिव पैनल लगाए जाएंगे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आधुनिक तकनीक के माध्यम से शिक्षा को रोचक एवं प्रभावी बनाना समय की आवश्यकता है, ताकि ग्रामीण एवं दूरस्थ अंचलों के बच्चों को भी शहरों के समान बेहतर शैक्षणिक संसाधन उपलब्ध कराए जा सकें। उन्होंने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे विद्यार्थियों में नवाचार, जिज्ञासा एवं तकनीकी दक्षता का विकास होगा, जो उनके उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव बनेगा। इस अवसर पर कार्यक्रम में विधायक श्रीमती गोमती साय सहित अनेक जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे। अधिकारियों ने बताया कि एमओयू के तहत जशपुर जिले के चयनित शासकीय विद्यालयों में चरणबद्ध रूप से इंटरएक्टिव पैनल स्थापित किए जाएंगे। इन उपकरणों के माध्यम से शिक्षक डिजिटल कंटेंट, वीडियो, प्रेजेंटेशन एवं ई-लर्निंग संसाधनों का उपयोग कर कक्षाओं को अधिक रोचक, सरल एवं प्रभावी बना सकेंगे। इस पहल से जिले के सैकड़ों विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण डिजिटल शिक्षा की बेहतर सुविधा प्राप्त होगी।उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री की पहल पर जशपुर जिले के शासकीय विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण एवं आधुनिक शिक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराने की दृष्टिकोण से विगत माह जिला प्रशासन एसईसीएल एवं ईडूसीआईएल के मध्य त्रिपक्षीय एमओयू पर हस्ताक्षर हुए थे।

ग्रीष्मकालीन धान के स्थान पर मक्का की खेती की ओर किसानों का रुझान

कांकेर, 27 जनवरी । जिले के विकासखंड भानुप्रतापपुर के अंतर्गत ग्राम नरसिंगपुर कनेचुर भैंसाकान्हार-डू में राष्ट्रीय विकास योजनांतर्गत 50 हेक्टेयर क्षेत्र में लगी मक्का फसल का कृषि बस्तर संभाग के संयुक्त संचालक श्री महादेव ध्रुव द्वारा निरीक्षण किया गया। उन्होंने उपस्थित कृषकों से संवाद कर पीएम राष्ट्रीय कृषि विकास योजनांतर्गत ग्रीष्मकालीन धान के बदले मक्का फसल लगाने एवं अन्य वैकल्पिक फसलों को अपनाने हेतु प्रेरित किया। साथ ही इस योजना से मिल रही लाभों के बारे में कृषकां से जानकारी ली। इसके अलावा क्षेत्र के अन्य ग्रामों के कृषकों को भी ग्रीष्मकालीन धान के स्थान पर मक्का फसल लगाने के प्रोत्साहित करने कृषि अधिकारियों को निर्देशित किया।

वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी ने बताया कि उपसंचालक कृषि के मार्गदर्शन में ग्रीष्मकालीन धान के स्थान पर मक्का एवं अन्य वैकल्पिक फसलों को अपनाने विभाग द्वारा लगातार प्रयास जारी है। क्षेत्र में ग्रीष्मकालीन धान के स्थान पर मक्का की खेती में किसानों का रूझान बढ़ा है। इस वर्ष नरसिंगपुर के सिंचाई साधन वाले 75 प्रतिशत किसानों द्वारा पहली बार ग्रीष्म धान के स्थान पर मक्के की फसल अपने खेतों मे लगाई गई है।

निरीक्षण के दौरान ग्राम नरसिंगपुर के किसान कृपाराम कमरो ने बताया पिछले वर्ष 5 एकड़ में धान फसल लगाया था, जिसमें लागत अधिक और दाम कम मिला। एक एकड़ में धान फसल से आय 15 हजार हुआ, जबकि मक्का फसल का बाजार भाव अच्छा है। उन्नत तरीके से खेती करने पर मक्का फसल से प्रति एकड़ 40 से 45 क्विंटल तक उपज मिल जाता है। इस प्रकार प्रति एकड़ 30 से 40 हजार रूपए तक का शुद्ध आय मिलती है जो धान के तुलना में दोगुनी है। इसी तरह किसान मन्नूराम मरकाम ने बताया कि पिछले गर्मी में 4 एकड़ में धान फसल लिया था, बिजली की कटौती लो वोल्टेज के कारण फसल बर्बाद हो गई। इस वर्ष कृषि विभाग के सलाह से पीएम राष्ट्रीय कृषि विकास योजनांतर्गत ग्रीष्म धान के बदले मक्का की फसल लगाई है। मक्का फसल में धान की तुलना में पानी बहुत ही कम लगता है और फसल आसानी से पककर तैयार हो जाती है। इसी तरह कनेचुर के किसान राजकुमार कुरेटी ने आधी जमीन में मक्का एवं आधे में दलहन-तिलहन की फसल लगाई है।

एक नजर

टोकन नहीं मिला तो टेकारी सोसायटी के 27 किसान महज 1 हजार क्विंटल धान नहीं बेच पायेंगे

रायपुर,27 जनवरी। किसानों का धान अभी उपार्जन केन्द्रों में पहुंचना बाकी है पर भौतिक सत्यापन के नाम पर टोकन जारी करना बंद कर दिया गया है । खरीदी हेतु महज 4 दिन बाकी हैं लेकिन भौतिक सत्यापन के बाद भी किसानों को टोकन जारी नहीं किया जा रहा है वहीं कई किसानों का डाटा अभी तक कैरी फॉरवर्ड नहीं किया गया है जिसके चलते वे धान बेचने की? बोहनी भी नहीं कर पाये हैं । इसका एक ज्वलंत उदाहरण टेकारी सोसायटी है जहां के 27 किसानों को टोकन जारी नहीं हुआ तो वे महज अपना एक हजार क्विंटल धान नहीं बेच पायेंगे । जिला केन्द्रीय सहकारी बैंक रायपुर के अधीनस्थ मंदिर हसौद शाखा के अंतर्गत आता है टेकारी सोसायटी । 3 ग्राम टेकारी , कुंडा व? खम्हरिया के लिये गठित इस सोसायटी का धान उपार्जन केन्द्र भी टेकारी ही है । अभी तक टोकन न मिलने से सांसत् में पड़े किसानों ने आज रविवार को किसान संघर्ष समिति के संयोजक भूपेंद्र शर्मा से मुलाकात कर अपनी पीड़ा व्यक्त की । उनके हवाले से श्री शर्मा ने बतलाया कि 17 किसान ऐसे हैं जिनके धान का शासन के निर्देशानुसार भौतिक सत्यापन किया जा चुका है व उनमें से 10 को दूसरा व 7 को तीसरा टोकन की आवश्यकता है व इन्हें सब मिला महज करीबन 7 सौ क्विंटल धान बेचना है पर अभी तक टोकन जारी नहीं किया गया है। ऐसे किसानों में 13 टेकारी के , 02 - 02 कुंडा व खम्हरिया के हैं । इसी तरह कैरी फॉरवर्ड की प्रक्रिया पूरी न हो पाने की? वजह के चलते टोकन न मिलने से धान बिक्री की बोहनी भी न कर पाने वाले लगभग 10 किसानों ने जिनमे से 08 टेकारी के व 02 कुंडा के हैं ने जानकारी दी कि उन सब का मिला कुल रकबा लगभग 15 एकड़ है और सभी मिला पात्रतानुसार लगभग 3 सौ क्विंटल धान ही सोसायटी में बेच पायेंगे । इस संबंध में सोसायटी प्रबंधन से चर्चा करने पर बीते 23 जनवरी को ही उच्चाधिकारियों को इससे अवगत करा दिये जाने की जानकारी मिलते की बात कहते हुये उन्होंने कहा है कि शासन - प्रशासन की चूक की वजह से किसी भी पात्र किसान का धान सोसायटियों में बिकने से नहीं रुकना चाहिये । उन्होंने क्षेत्र के अन्य सोसायटियों की भी स्थिति से अवगत हो शासन- प्रशासन को ज्ञापन सौंपने की बात कही है ।

राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नवागढ़ में एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित

बेमेतरा, 27 जनवरी। स्वास्थ्य विभाग जिला बेमेतरा को टी बी मुक्त पंचायत बनाया जाएगा जिसका लक्ष्य 2030 तक भारत सरकार द्वारा रखा गया है जिसको लेकर बेमेतरा कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देश एवं सीएमएचओ डॉ अमृत लाल रोहलेडर के मार्गदर्शन पर समस्त विकासखण्ड में मितानिन एवं मितानिन प्रशिक्षक,एवं ब्लॉक समन्वयक को प्रशिक्षित किया जा रहा है, जिसके तहत विकासखण्ड नवागढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के बीएमओ डॉ विकास पाण्डेय एवं बीपीएम सी के चंद्राकर के नेतृत्व में शनिवार 24 जनवरी को प्रशिक्षक कार्यक्रम आयोजित किया गया यह प्रशिक्षण सीनियर ट्रीटमेंट सुपरवाइजर राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम श्री प्रमोद साहू जी द्वारा दिया गया। टीबी के लक्षण, बचाव और उपचार ‐ टीबी के लक्षण, बचाव और उपचार के बारे में जानकारी दी गई। इसमें टीबी के मुख्य लक्षण जैसे कि खांसी, बलगम में खून आना, वजन कम होना आदि के बारे में बताया गया।

जिले में अवैध रेत कारोबार पर खनिज विभाग ने की सख्त कार्रवाई

धमतरी, 27 जनवरी । कलेक्टर के निर्देशानुसार तथा खनिज अधिकारी श्री हेमंत चेरपा के मार्गदर्शन में जिला खनिज विभाग द्वारा जिले में रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण के विरुद्ध लगातार सघन जांच एवं प्रवर्तन कार्यवाही की जा रही है।इसी क्रम में विगत दो दिनों के दौरान खनिज विभाग की टीम द्वारा अवैध रेत कारोबारियों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही की गई। दिनांक 13 जनवरी 2026 को तहसील मगरलोड अंतर्गत ग्राम बुढ़ेनी स्थित महानदी से अवैध रूप से रेत खनन कर परिवहन करते हुए एक ट्रैक्टर को जप्त किया गया। साथ ही नदी से अवैध रेत उत्खनन हेतु बनाए गए रैंप को तत्काल नष्ट कर दिया गया, जिससे भविष्य में अवैध खनन पर प्रभावी रोक लगाई जा सके।इसी प्रकार दिनांक 14 जनवरी 2026 को तहसील मगरलोड के ग्राम करेलीछोटी में मध्य रात्रि के दौरान की गई कार्रवाई में अवैध रेत भण्डारण में संलिप्त एक जेसीबी मशीन एवं हाईवा वाहन को जप्त किया गया।

इस दौरान रात्रिकालीन चेकिंग अभियान के तहत लगभग 60 हाईवा वाहनों की जांच की गई, जिसमें रेत परिवहन से संबंधित सभी वैध दस्तावेज सही पाए गए।अवैध रेत भण्डारण एवं परिवहन में संलिप्त वाहनों के विरुद्ध खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 (MMDR Act) की धारा 21 के अंतर्गत नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है।

धान विक्रय के बाद शेष रकबा का समर्पण करने पर जोर दें: कलेक्टर

महासमुंद 27 जनवरी । कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह ने आज सुबह 10 बजे से कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक आयोजित कर जिले में संचालित शासकीय योजनाओं, कार्यक्रमों एवं आगामी आयोजनों की विस्तृत समीक्षा की। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री हेमंत नंदनवार, अपर कलेक्टर श्री सचिन भूतड़ा, श्री रवि कुमार साहू, अनुविभागीय अधिकारी, विभागीय जिलाधिकारी, जनपद सीईओ, नगरीय निकायों के सीएमओ तथा वीसी के माध्यम से ब्लॉक स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में कलेक्टर श्री लंगेह ने धान खरीदी की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने निर्देश दिए कि धान खरीदी निरंतर जारी है और कुछ ही दिन शेष हैं। उन्होनें नोडल अधिकारियों को लगातार उपार्जन केन्द्रों का निरीक्षण कर भौतिक सत्यापन के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा कि धान खरीदी के लिए अब केवल 3 दिन ही शेष रह गए हैं, जिन किसानों ने धान विक्रय कर लिया है और यदि रकबा शेष है तो उसे समर्पित कराएं। अंतर्राज्यीय एवं सभी जांच चौकियों में सतर्कता बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि धान खरीदी से संबंधित कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा संबंधित पर सीधे एफआईआर की कार्रवाई की जाएगी। कोचियों और राईस मिलर्स के स्टॉक का भौतिक सत्यापन करते रहें। किसी भी तरह अवैध धान की खरीद बिक्री न हो। शिकायत पाए जाने पर सख्त कार्रवाई करें।

कलेक्टर ने मुख्यमंत्री द्वारा गढ़पुलझर, झलप, खल्लारी, सलखण्ड एवं दुर्गापाली में की गई घोषणाओं के समय-सीमा में तथा गुणवत्ता पूर्ण क्रियान्वयन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। संबंधित विभागों को नियमित मॉनिटरिंग करने के लिए कहा गया। बैठक में आधार बेस्ड उपस्थिति प्रणाली को अनिवार्य करते हुए कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी अधिकारी-कर्मचारी प्रतिदिन सुबह 10 बजे कार्यालय में उपस्थित रहें। उपस्थिति में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ई-ऑफिस प्रणाली को लेकर कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी फाइलों का मूवमेंट ई-फाइल के माध्यम से ही किया जाए, यह अनिवार्य है। इससे कार्यों में पारदर्शिता एवं समयबद्धता सुनिश्चित होगी।

जिले में अवैध खनिज उत्खनन पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि अवैध उत्खनन के मामलों पर कड़ी कार्रवाई करें। जब्त वाहनों को किसी के दबाव में न छोड़े और थाना में सुपुर्दगी दें। उन्होंने आवास प्लस की समीक्षा करते हुए कहा कि जिन आवासों को सर्वेक्षण के दौरान निरस्त किया गया है, उनका जल्द से जल्द सत्यापन करें तथा स्वीकृत आवासों का निर्माण प्रारम्भ करें।इसके अतिरिक्त बैठक में अन्य शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की भी विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप जनहित के कार्यों में तेजी, गुणवत्ता और पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए, तथा समय-सीमा के भीतर कार्य पूर्ण करना सभी विभागों की जिम्मेदारी है। साथ ही उन्होंने पीएम जनमन, मुख्यमंत्री जनदर्शन, कलेक्टर जन चौपाल, समय-सीमा पत्रक और राजस्व प्रकरणों की समीक्षा करते हुए गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

विधायक चंद्राकर ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया

धमतरी, 27 जनवरी। विधायक श्री अजय चंद्राकर ने धमतरी जिला मुख्यालय के एकलव्य खेल मैदान में आयोजित जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। धमतरी में हर्षोल्लास और गरिमामय ढंग गणतंत्र दिवस मनाया गया। विधायक श्री चंद्राकर ने परेड निरीक्षण कर परेड की सलामी ली और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का जनता के नाम संदेश का वाचन किया।

इस अवसर पर विधायक श्री चंद्राकर ने तीन रंग के गुब्बारे शांति स्वरूप आकाश में छोड़े। इस अवसर पर विधायक श्री ओंकार साहू, अध्यक्ष जिला पंचायत श्री अरुण सर्वा, महापौर श्री रामू रोहरा,कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा, पुलिस अधीक्षक, श्री सूरज सिंह परिहार एवं अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि तथा गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। विधायक श्री अजय चंद्राकर ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और शहीदों के परिजनों से मुलाकात कर शॉल एवं श्रीफल देकर सम्मानित किया। इसके पश्चात विभिन्न स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई। विभिन्न विभागों के शासकीय योजनाओं एवं गतिविधियों की झांकियों का प्रदर्शन भी किया गया। इसके साथ ही जिला के उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारी का सम्मान किया गया।

शिक्षक पात्रता परीक्षा 1 फरवरी को जिले के 51 परीक्षा केन्द्रों में, 12035 परीक्षार्थी होंगे शामिल

कांकेर, 27 जनवरी । छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा 01 फरवरी को शिक्षक पात्रता परीक्षा (सीजीटीईटी) का आयोजन दो पालियों में किया जाएगा। शिक्षक पात्रता परीक्षा दो पालियों में आयोजित होगी, जिसमें प्रथम पाली पूर्वान्ह 9.30 बजे से दोपहर 12.15 बजे तक आयोजित की जाएगी, इसमें लगभग 4674 परीक्षार्थी शामिल होंगे। इसी प्रकार द्वितीय पाली दोपहर 03 बजे से सायं 5.45 तक आयोजित होगी, जिसमें लगभग 7361 परीक्षार्थी शामिल होंगे। इस प्रकार जिले के कुल 12035 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल होंगे। कलेक्टर श्री निलेशकुमार महोदव क्षीरसागर द्वारा परीक्षा के सफल संचालन के लिए डिप्टी कलेक्टर श्रीमती आस्था बोरकर को नोडल अधिकारी तथा सहायक संचालक शिक्षा श्री लक्ष्मण कावड़े को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

इस संबंध में बताया गया कि शिक्षक पात्रता परीक्षा प्रथम पाली के लिए जिले में 19 परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं, जिसमें शासकीय भानुप्रतापदेव स्नातकोत्तर महाविद्यालय कांकेर, शासकीय इंदरू केंवट कन्या कॉलेज भीरावाही अलबेलापारा कांकेर, शासकीय शहीद गैंदसिंह कॉलेज चारामा, स्वामी आत्मानंद शासकीय इंग्लिश मिडियम मॉडल कॉलेज कांकेर, स्वामी आत्मानंद शासकीय इंग्लिश मीडियम चारामा, शासकीय नरहरदेव हायर सेकेंडरी स्कूल कांकेर, हायर सेकेण्डरी स्कूल लट्टीपारा, शासकीय पंडित विष्णुप्रसाद शर्मा हायर सेकेण्डरी स्कूल गोविन्दपुर कांकेर, डाईट कांकेर, शासकीय महिला आईटीआई कांकेर में परीक्षा केंद्र स्थापित किया गया है। इसी प्रकार शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल सिंगारभाट, कन्या शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल सिंगारभाट, शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल बरदेभाटा, शासकीय कन्या हायर सेकेण्डरी स्कूल मांझापारा, हाई स्कूल शीतलापारा कांकेर, सेंट माइकल हायर सेकेंडरी स्कूल गोविंदपुर, जेपी इंटरनेशनल स्कूल सरंगपाल, पैराडाइज हायर सेकेण्डरी स्कूल ईमलीपारा तथा सरस्वती शिशु मंदिर हायर सेकेण्डरी स्कूल गढ़पिछवाड़ी को परीक्षा केंद्र बनाया गया है।इसी तरह द्वितीय पाली के लिए जिले में 32 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें शासकीय भानुप्रतापदेव स्नातकोत्तर महाविद्यालय कांकेर, शासकीय इंदरू केंवट कन्या कॉलेज भीरावाही अलबेलापारा कांकेर, शासकीय शहीद गैंदसिंह कॉलेज चारामा, स्वामी आत्मानंद शासकीय इंग्लिश मीडियम मॉडल कॉलेज कांकेर, स्वामी आत्मानंद शासकीय इंग्लिश मीडियम चारामा, शासकीय नरहरदेव हायर सेकेंडरी स्कूल कांकेर, कन्या हायर सेकेण्डरी स्कूल लट्टीपारा, शासकीय पंडित विष्णुप्रसाद शर्मा हायर सेकेण्डरी स्कूल गोविंदपुर कांकेर, डाईट कांकेर, शासकीय महिला आईटीआई कांकेर, शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल सिंगारभाट, कन्या शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल सिंगारभाट, शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल बरदेभाटा, शासकीय कन्या हायर सेकेण्डरी स्कूल मांझापारा, हाई स्कूल शीतलापारा कांकेर, सेंट माईकल हायर सेकेंडरी स्कूल गोविंदपुर, जेपी इंटरनेशनल स्कूल सरंगपाल, पैराडाइज हायर सेकेण्डरी स्कूल ईमलीपारा, सरस्वती शिशु मंदिर हायर परीक्षा केंद्र सम्मिलित हैं।

अबूझमाड़ के जाटलूर में पहली बार फहराया तिरंगा

रायपुर, 27 जनवरी। अबूझमाड़ के दुर्गम जंगल क्षेत्र में पहली बार आईटीबीपी के सहयोग से देश का 77वां गणतंत्र दिवस जाटलूर घाटी के जाटलूर गांव में उत्साह और आत्मीय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन कमांडेंट श्री रोशन सिंह असवाल के नेतृत्व में ई-सीओबी जाटलूर के कमांडर सहायक कमांडेंट श्री राम कुमार मौर्य द्वारा किया गया।

इस अवसर पर स्कूल के बच्चों एवं ग्रामीणों के साथ तिरंगा फहराया गया तथा सभी को मिठाइयां वितरित की गईं। इसके बाद आईटीबीपी कैंप परिसर में सामूहिक भोज का आयोजन किया गया, जिसमें जाटलूर एवं हारवेल गांव के 150 से अधिक ग्रामीणों ने सहभागिता की और एक साथ भोजन का आनंद लिया। इस पहल से क्षेत्र में खुशी और अपनत्व का माहौल देखने को मिला।उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन एवं गृह मंत्री श्री विजय शर्मा के प्रयासों से ई-सीओबी जाटलूर की स्थापना आईटीबीपी द्वारा हाल ही में की गई है। कैंप स्थापित होने के बाद से स्थानीय ग्रामीण धीरे-धीरे देश की मुख्यधारा से जुड़ने लगे हैं। आईटीबीपी द्वारा ग्रामीणों को निःशुल्क प्राथमिक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। साथ ही कैंप के सामने पेयजल स्टॉल और बैठने की व्यवस्था भी की गई है, जिससे दूरदराज से आने वाले लोगों को राहत मिल रही है। ग्रामीणों ने बताया कि सुरक्षा बलों की इस संवेदनशील पहल से उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। यह पूरी व्यवस्था 38वीं वाहिनी आईटीबीपी के अधिकारियों और जवानों के समर्पण, जोश और सेवा भाव का परिणाम है।

झंडा फहराया

गणतंत्र दिवस पर भखारा मंडी प्रगाण में फहराया तिरंगा झण्डा

अंवरी। नगर पंचायत भखारा में स्थापित धान मंडी में झण्डा फहराया गया जिसमें मुख्य रूप से विदेशी राम साहू उप निरिक्षक प्रभारी, मनोहर लाल सोनवानी उप निरिक्षक, तेखुराम साहू उप निरिक्षक, राकेश कुमार यादव भृत्य, कमलेश निर्मलकर कम्प्यूटर आपरेटर सहित नगर वासी उपस्थित थे।

जशक्राफ्ट को मिला राष्ट्रीय पहचान का नया मंच

जशपुरनगर 27 जनवरी । वन विभाग की पहल पर जशपुर जिले में महिला सशक्तिकरण और वन आधारित आजीविका को नई दिशा देने वाला एक ऐतिहासिक कदम उठाया गया।मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के सान्निध्य में विगत दिवस बगिया में रेयर प्लेनेट संस्था तथा जशपुर जिले की स्व-सहायता समूहों जागरण, स्माईल आरती, राखी एवं मुस्कान समूह के मध्य जशक्राफ्ट ब्रांड के उत्पादों के विपणन हेतु अनुबंध समझौता (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

इस समझौते के अंतर्गत अब जशपुर की जनजातीय महिलाओं द्वारा बांस , छिंद, मिट्टी एवं लकड़ी से निर्मित हस्तशिल्प, आभूषण एवं सजावटी उत्पाद देश के प्रमुख एयरपोर्ट्स पर संचालित रेयर प्लेनेट के बिक्री केंद्रों के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्ध होंगे। इससे स्थानीय स्व-सहायता समूहों को स्थायी बाज़ार, बेहतर मूल्य तथा नियमित आय का अवसर प्राप्त होगा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने एमओयू को जशपुर की महिलाओं के लिए एक निर्णायक उपलब्धि बताते हुए कहा कि जशक्राफ्ट जैसे ब्रांड के माध्यम से हमारी आदिवासी बहनों की कला अब देशभर के लोगों तक पहुँचेगी। यह केवल उत्पादों की बिक्री नहीं, बल्कि महिलाओं के आत्मसम्मान, आर्थिक स्वतंत्रता और स्वावलंबन की मजबूत नींव है। राज्य सरकार का प्रयास है कि वन एवं परंपरागत ज्ञान आधारित आजीविका को बाजार से जोड़ा जाए, ताकि महिलाएं अपने गांव में रहकर सम्मानजनक जीवन यापन कर सकें।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह एमओयू 'वोकल फॉर लोकल' और 'लोकल टू ग्लोबल' की अवधारणा को साकार करता है तथा जशपुर की जनजातीय महिलाओं को राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था से जोड़ने की दिशा में एक ठोस पहल है। इस दौरान मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय, पत्थलगांव क्षेत्र की विधायक श्रीमती गोमती साय, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सालिक साय, कलेक्टर श्री रोहित व्यास, वनमंडलाधिकारी श्री शशि कुमार सहित स्व सहायता समूह की महिलाएं एवं रेयर प्लैनेट संस्था के प्रतिनिधिगण मौजूद रहे।

पुस्तक विमोचन और जशक्राफ्ट उत्पादों की सराहना

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री द्वारा जशक्राफ्ट पर आधारित विशेष पुस्तक का विमोचन किया गया। उन्होंने जशक्राफ्ट के अंतर्गत तैयार किए गए आभूषणों एवं हस्तनिर्मित उत्पादों का अवलोकन कर उनकी गुणवत्ता, कलात्मकता और नवाचार की प्रशंसा की। स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या देवी एवं विधायक श्रीमती गोमती साय का जशक्राफ्ट ब्रांड के पारंपरिक आभूषण पहनाकर आत्मीय स्वागत किया। जो महिला सशक्तिकरण और स्थानीय संस्कृति के सम्मान का प्रतीक बना।इसके अलावा मुख्यमंत्री द्वारा जशक्राफ्ट ब्रांड के प्रचार-प्रसार हेतु तैयार वीडियो का भी विमोचन किया गया, जिससे जशक्राफ्ट को व्यापक पहचान मिलने की उम्मीद है।जशक्राफ्टरू जशपुर की सांस्कृतिक विरासत से जन्मा सशक्त ब्रांड -उल्लेखनीय है कि जशक्राफ्ट केवल एक ब्रांड नहीं, बल्कि जशपुर जिले की समृद्ध जनजातीय सांस्कृतिक विरासत की अभिव्यक्ति है। जिले की लगभग 65 प्रतिशत जनसंख्या जनजातीय समुदायों से आती है, जहाँ पीढ़ियों से बाँस, कांसा घास, छिंद पत्ते, लकड़ी और मिट्टी से हस्तनिर्मित कलाकृतियाँ तैयार की जाती रही हैं। पूर्व में संगठित व्यवस्था और बाज़ार की कमी के कारण कारीगरों की प्रतिभा सीमित रह जाती थी। जिला प्रशासन की पहल से जशक्राफ्ट के रूप में ऐसा मंच तैयार हुआ, जो जशपुर के आठों विकासखंडों के कारीगरों को एकजुट कर उनकी कला को पहचान, संरक्षण और बाज़ार उपलब्ध करा रहा है।

इस पहल के केंद्र में आदिवासी महिला कारीगर हैं, जिनके हाथों से बिना मशीनों के बने उत्पाद परंपरा, प्रकृति और आत्मनिर्भरता का संदेश देते हैं। जशक्राफ्ट आज स्वदेशी ज्ञान से आकार लेते हुए एक टिकाऊ और सम्मानजनक आजीविका मॉडल के रूप में उभर रहा है।वनमण्डलाधिकारी जशपुर वन मंडल जशपुर ने बताया कि वन विभाग द्वारा संचालित यह पहल महिला स्वावलंबन, वन आधारित आजीविका और स्थानीय उत्पादों के राष्ट्रीय बाजारीकरण की दिशा में एक मील का पत्थर सिद्ध हो रही है, जो आने वाले समय में जशपुर को हस्तशिल्प के मानचित्र पर विशिष्ट पहचान दिलाएगी।

एक नजर

लक्ष्मी राजवाड़े ने बलरामपुर में किया राष्ट्रीय ध्वज फहराया

रायपुर, 27 जनवरी। प्रदेशभर में 77वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास और देशभक्ति के वातावरण में मनाया गया। इसी कड़ी में जिला बलरामपुर के पुलिस लाइन ग्राउंड में आयोजित जिला स्तरीय मुख्य समारोह में महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने राष्ट्रीय ध्वज का ध्वजारोहण किया, परेड की सलामी ली तथा मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का प्रदेशवासियों के नाम संदेश का वाचन किया। ध्वजारोहण के पश्चात राष्ट्रगान एवं वंदे मातरम् के सामूहिक गायन से समारोह स्थल देशभक्ति से गूंज उठा। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा एवं पुलिस अधीक्षक श्री वैभव बेंकर के साथ परेड का निरीक्षण किया। मुख्य अतिथि द्वारा राष्ट्रीय ध्वज के प्रतीक गुब्बारे आकाश में छोड़े गए। परेड में शामिल पुलिस बल, छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल एवं नगर सेना की टुकड़ियों ने हर्षफायर कर तिरंगे को सलामी दी। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने अपने संबोधन में कहा कि गणतंत्र दिवस हमें संविधान के मूल्यों–समता, स्वतंत्रता और सामाजिक न्याय–को आत्मसात करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार महिला, बालक, आदिवासी और वंचित वर्गों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। परेड कमांडर रक्षित निरीक्षक श्री विमलेश कुमार देवांगन के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल, जिला पुलिस, नगर सेना, वन विभाग, एनसीसी, एनएसएस एवं विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के दलों ने अनुशासित एवं आकर्षक मार्चपास्ट का प्रदर्शन किया। विद्यालयीन छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत देशभक्ति एवं छत्तीसगढ़ की गौरव गाथा पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने दर्शकों का मन मोह लिया। विभिन्न विभागों द्वारा प्रस्तुत थीम आधारित झांकियों में प्रधानमंत्री आवास योजना, लखपति दीदी, जल जीवन मिशन, बाल विवाह रोकथाम, पीएम जनमन योजना, नालंदा परिसर, तुंहर गांव तुंहर दुआर, इलेक्ट्रिक व्हीकल चार्जिंग एवं सड़क सुरक्षा जैसे विषयों के माध्यम से आधुनिक, समावेशी और आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ की झलक देखने को मिली। कार्यक्रम में उत्कृष्ट मार्चपास्ट, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों एवं विभागीय झांकियों को पुरस्कृत किया गया। साथ ही वीरगाथा 5.0 (2025-26) के अंतर्गत चयनित बालिकाओं को मंत्री श्रीमती राजवाड़े द्वारा सम्मानित किया गया।इसके अतिरिक्त जिले में उल्लेखनीय कार्य करने वाले 67 अधिकारी-कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

जांजगीर-चांपा में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया 77वां गणतंत्र दिवस

रायपुर, 27 जनवरी। जांजगीर-चांपा जिले में 77वां गणतंत्र दिवस समारोह हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। जिला मुख्यालय स्थित हाई स्कूल मैदान, जांजगीर में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वित्त, वाणिज्य कर, आवास एवं पर्यावरण योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी तथा जिले के प्रभारी मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने राष्ट्रीय ध्वज फहराकर परेड की सलामी ली। इस अवसर पर हर्ष फायर के साथ शांति और उत्साह के प्रतीक गुब्बारे आकाश में छोड़े गए। मुख्य अतिथि ने परेड का निरीक्षण किया तथा मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा प्रदेश की जनता के नाम दिए गए संदेश का वाचन किया। श्री चौधरी ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं शहीदों के परिजनों को शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। साथ ही उत्कृष्ट कार्य करने वाले विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। झांकी एवं परेड प्रतियोगिता में विजेता टीमों को शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विधायक जांजगीर-चांपा श्री ब्यास कश्यप, पूर्व नेता प्रतिपक्ष श्री नारायण चंदेल, पूर्व सांसद श्री गुहाराम अजगले, पूर्व सांसद श्रीमती कमला देवी पाटले, पूर्व संसदीय सचिव श्री अंबेश जांगड़े, जिला पंचायत अध्यक्ष इंजीनियर सत्यलता आनंद मिरी, नगर पालिका जांजगीर-नैला अध्यक्ष श्रीमती रेखा देवा गढ़ेवाल, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री गगन जयपुरिया सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। इसके अलावा जिला पंचायत सदस्यगण, पार्षदगण, अधिकारी-कर्मचारी, छात्र-छात्राएं एवं बड़ी संख्या में आम नागरिक कार्यक्रम में शामिल हुए। गणतंत्र दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि श्री ओ.पी. चौधरी ने जांजगीर-चांपा जिला मुख्यालय स्थित कचहरी चौक के शहीद स्मारक पहुंचकर श्रद्धासुमन अर्पित किए और वीर शहीदों को नमन किया। परेड सीनियर वर्ग में जिला पुलिस बल ने प्रथम, जिला महिला पुलिस बल ने द्वितीय तथा 11वीं बटालियन सीएएफ भारत रक्षित ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

विधान, लोकतंत्र और सुशासन के रास्ते विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण सरकार का संकल्प : सीएम साय

रायपुर, 27 जनवरी। लोकतंत्र की मजबूती, संविधान की सर्वोच्चता और विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प के साथ आज 77वां गणतंत्र दिवस पूरे प्रदेश में हर्षोल्लास, देशभक्ति और गौरवपूर्ण वातावरण में मनाया गया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने बिलासपुर के पुलिस परेड ग्राउंड में आयोजित गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह में राष्ट्रीय ध्वज फहराया और संयुक्त परेड की सलामी ली। उन्होंने शहीद सैनिकों एवं पुलिस जवानों के परिजनों को सम्मानित किया तथा छत्तीसगढ़ पुलिस बल को राज्य स्थापना की 25वीं वर्षगांठ का पदक देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस मौके पर प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारत का संविधान हमारी लोकतांत्रिक आस्था, समानता और सामाजिक न्याय का मजबूत आधार है। छत्तीसगढ़ महतारी की सेवा, विकास और समृद्धि के लिए राज्य सरकार पूर्ण निष्ठा के साथ कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने गणतंत्र दिवस संदेश में राज्य की उपलब्धियों, जनकल्याणकारी योजनाओं, नक्सल उन्मूलन की दिशा में हुई प्रगति, किसानों-श्रमिकों-महिलाओं के सशक्तीकरण, शिक्षा-स्वास्थ्य-औद्योगिक विकास और सुशासन की विस्तार से जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि गणतंत्र दिवस केवल उत्सव का दिन नहीं, बल्कि राष्ट्र के लिए बलिदान देने वाले महापुरुषों और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को स्मरण करने का दिन भी है। उन्होंने संविधान निर्माताओं, विशेषकर बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर को नमन करते हुए कहा कि संविधान सामाजिक समरसता, समान अधिकार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का प्रतीक है। उन्होंने बाबा गुरु घासीदास जी के ÷मनखे-मनखे एक समान के संदेश को संविधान की आत्मा बताया और कहा कि भारतीय गणतंत्र ने ऐसा खुला समाज निर्मित किया है, जहां हर नागरिक राष्ट्र निर्माण में सहभागी बन सकता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ ने हाल ही में राज्य स्थापना की रजत जयंती मनाई है। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी द्वारा गठित इस राज्य ने 25 वर्षों में विकास की सशक्त यात्रा तय की है। उन्होंने बताया कि संविधान के मंदिर- छत्तीसगढ़ विधानसभा के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के करकमलों से संपन्न हुआ। धान की बालियों की डिजाइन और बस्तर-सरगुजा की लोककला से सुसज्जित यह भवन छत्तीसगढ़ी अस्मिता का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष राष्ट्रगीत वंदे मातरम् की 150वीं जयंती राज्यभर में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। सुकमा जिले के कोंटा से लेकर मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के सीतामढ़ी हरचौका तक लोगों ने सामूहिक रूप से वंदे मातरम् का गायन किया। यह बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय को सच्ची श्रद्धांजलि है।

मुख्यमंत्री ने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती और जनजातीय गौरव दिवस के आयोजन का उल्लेख करते हुए कहा कि जनजातीय समाज ने स्वतंत्रता संग्राम में ऐतिहासिक योगदान दिया। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा लोकार्पित शहीद वीर नारायण सिंह जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी डिजिटल संग्रहालय देश का पहला डिजिटल संग्रहालय है, जो आज की पीढ़ी को जनजातीय नायकों के बलिदान से परिचित कराता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि माओवादी हिंसा लोकतंत्र के लिए गंभीर चुनौती रही है, लेकिन प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ ने निर्णायक रणनीति अपनाई है। उन्होंने बताया कि जवानों के अदम्य साहस और सतत अभियानों के परिणामस्वरूप माओवादी हिंसा अब अंतिम चरण में है और मार्च 2026 तक प्रदेश को नक्सलमुक्त करने का लक्ष्य पूर्ण होने जा रहा है। मुख्यमंत्री ने आत्मसमर्पित नक्सलियों के पुनर्वास, बस्तर कैफे जैसी पहलों और नियद नेल्ला नार योजना के माध्यम से प्रभावित क्षेत्रों में विकास कार्यों की जानकारी दी।

सुशासन से समृद्धि की ओर छत्तीसगढ़

छगन लोन्हारे, उप संचालक (जनसंपर्क)

रायपुर, 27 जनवरी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने 2 वर्ष के मुख्यमंत्रित्व काल में छत्तीसगढ़ राज्य में विकास का एक नया आयाम गढ़कर राज्य के नागरिकों के दिलों में राज करने वाले मुख्यमंत्री के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है। विष्णुदेव साय जनता के बीच के एक ऐसे लोकप्रिय मुख्यमंत्री हैं जिनकी सदाशयता और दूरगामी योजनाओं से प्रदेश में विकास और प्रगति का राह आसान हुआ है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आदिवासी पृष्ठभूमि से आते हैं। इस दृष्टि से आदिवासी पृष्ठभूमि से आने वाले वे प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री हैं। प्रदेश मे हाल ही में पुलिस महानिदेशकों एवं पुलिस महानिरीक्षको का सम्मेलन आयोजित किया गया। जिसमें प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह शामिल हुए।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार ने एक साल के भीतर छत्तीसगढ़ के किसान भाइयों के खाते में 52 हजार करोड़ रुपए अंतरित कर उन्हें उत्साह से भर दिया है। धान खरीदी समाप्त होने के एक सप्ताह के भीतर किसानों को भुगतान कर दिया गया है। 52 हजार करोड़ रुपए किसानों के खाते में आने से वे खेती किसानी में भरपूर निवेश कर रहे हैं और इससे बाजार भी गुलजार हुए हैं जिससे शहरी अर्थव्यवस्था पर सीधा असर दिख रहा है। ट्रैक्टर आदि की बिक्री ने रिकार्ड आंकड़ा छू लिया है। धान का उचित मूल्य मिलने से किसानों की संख्या में बढ़ोत्तरी हुई और गत वर्ष 25 लाख 72 हजार किसानों ने 149 लाख 25 हजार मीट्रिक टन रिकॉर्ड धान बेचा। सरकार बनने के दूसरे दिन ही केबिनेट की बैठक कर मोदी जी की गारंटी के अनुरूप 18 लाख 12 हजार 743 प्रधानमंत्री आवास उपलब्ध कराने की स्वीकृत करने का निर्णय लिया गया।

विष्णु देव साय ने अपने दो साल के संक्षिप्त कार्यकाल में छत्तीसगढ़ को सम्पूर्ण देश में एक नई ऊंचाई पर पहुंचाया है। बहुत कम समय में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रदेश की जनता के बीच जाकर पूरे प्रदेश की जनता का विश्वास जीता है और न केवल विश्वास जीता है बल्कि उनके हित को ध्यान में रखकर उन्होंने ऐसी योजनाओं का क्रियान्वयन किया है जिससे छत्तीसगढ़ का समग्र विकास सम्भव हो पाया है। यह केवल और केवल विष्णुदेव साय जैसे एक संवेदनशील, कर्मठ तथा ऊर्जावान मुख्यमंत्री ही सम्भव कर सकते हैं। नक्सल हिंसा प्रभावित गांवों में नियद नेल्लानार योजना के माध्यम से सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और संचार जैसी मूलभूत सुविधाएं दुर्गम क्षेत्रों तक पहुंच रही है। प्रदेश में अब तक कुल 69 सुरक्षा केंद्र स्थापित किए गए हैं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मुख्यमंत्री पद का शपथ लेते ही प्रदेश की समस्त महिलाओं को महतारी वंदन योजना जैसी एक लाभकारी योजना का सौगात दिया है। महतारी वंदन योजना से प्रदेश की महिलाओं को हर माह एक हजार रुपए की राशि दी जाती है जिससे वे स्वावलंबी बन सके एवं स्वयं का रोजगार भी प्रारंभ कर सके। साथ ही प्रदेश भर के किसानों को 2 साल का बकाया बोनस और 31 सौ रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी जैसे वादों को पूरा कर छत्तीसगढ़ के किसानों का मान बढ़ाया है। प्रदेश की नवीन औद्योगिक नीति से राज्य में अब तक 7.69 लाख रूपए के निवेश के प्रस्ताव मिले हैं।

खरीफ सीजन में उपज का वाजिब कीमत 3100 रूपए प्रति क्विंटल की दर से धान का उपार्जन किया गया। सरकार किसानों से 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीदी की है। मुख्यमंत्री श्री साय की नेतृत्व वाली सरकार के माध्यम से किसानों के खाते में 52 हजार करोड़ रूपए की राशि अंतरित (ट्रांसफर) हुई है। प्रदेश के नगर पालिका चुनाव में ऐतिहासिक जनादेश प्राप्त हुआ। प्रदेश में अब ट्रिपल इंजन की सरकार से नगरों का सर्वांगीण विकास होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे जवानों के अदम्य साहस और सरकार के निरंतर प्रयासों से नक्सलवाद अब अंतिम सांस ले रहा है। केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमितशाह का संकल्प है कि मार्च 2026 तक नक्सलवाद समाप्त कर देंगे। वो संकल्प पूरा होते साफ दिख रहा है विशेषकर बस्तर क्षेत्र में, जो वर्षों से विकास की मुख्यधारा से अछूता रहा है। वहां अब विकास की गंगा बहेगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश में बीते 02 वर्षों में 529 नक्सली मारे जा चुके हैं, 1975 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है और 2628 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। प्रदेश के बस्तर अंचल में आतंक का पर्याय रहे हार्डकोर नक्सली लीडर बसवराजू, लक्ष्मी नरसिम्हा चालम उर्फ सुधाकर, और माडवी हिड़मा को न्यूट्रलाइज किया गया इन पर करोड़ों का ईनाम घोषित था। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रदेश के हर वर्ग के लोगों को साथ लेकर चलने का बीड़ा उठाया है। उन्होंने प्रदेश के हर वर्ग की बुनियादी सुविधाओं और जरूरतों को ध्यान में रखते हुए पीएम आवास योजना, कृषक उन्नति योजना, नियद नेल्ला नार, अखरा निर्माण योजना जैसी योजनाओं का शुभारम्भ किया है और जनता के बीच अपनी एक अलग छवि निर्मित की है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जनता के बीच और हर समुदाय के बीच एक ऐसा पुल बनाना जानते हैं जिससे सभी एक दूसरे से जुड़ सके और सभी प्रदेश के हित में अपनी-अपनी जिम्मेदारियों का निर्वाह भी कर सके। उन्होंने अपने जीवन का बहुमूल्य समय पद्रेश की जनता को समर्पित कर यह सिद्ध कर दिया है कि उनका जीवन केवल उनका नहीं है अपितु प्रदेश की जनता की निस्वार्थ सेवा के लिए समर्पित है। वे सही मायने में एक ऐसे जननेता हैं जिनके लिए जनता ही सब कुछ हैं। ऐसे सेवाभावी और लोकप्रिय जनसेवक बहुत कम होते हैं जिनके लिए जनता का विकास और जनता का साथ ही सबसे महत्वपूर्ण होता है। यह सभी प्रदेशवासियों के लिए गौरवान्वित होने का विषय है कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय उनके अपने बीच के लोकप्रिय नेता हैं जिनके लिए प्रदेश की जनता की खुशहाली ही सर्वोपरि है।

लाल आतंक पर भारी पड़ा लोकतंत्र

रायपुर, 27 जनवरी। बस्तर की सुदूर पहाड़ियों और घने जंगलों के बीच बसे उन गांव जहाँ दशकों तक सिर्फ खौफ का साया था, आज राष्ट्रगान की गूँज सुनाई दी। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व और गृहमंत्री श्री विजय शर्मा के मार्गदर्शन में सुकमा जिले के 10 अति-संवेदनशील गांवों में आजादी के बाद पहली बार तिरंगा फहराया गया। यह केवल एक सरकारी आयोजन नहीं, बल्कि नक्सलवाद पर लोकतंत्र की निर्णायक जीत का शंखनाद है।

सुकमा के दुर्गम अंचलों के नियद नेल्लानार के गांव तुमालभट्टी, वीरागंगलेर, मैता, पालागुड़ा, गुंडाराजगुंडेम, नागाराम, वंजलवाही, गोगुंडा, पेदाबोडकेल और उरसांगल में पहली बार गणतंत्र दिवस का पर्व मनाया गया। सुरक्षा बलों की सतत तैनाती और नवीन कैंपों की स्थापना ने वह सुरक्षा घेरा प्रदान किया, जिसके कारण ग्रामीण दशकों के भय को त्यागकर मुख्यधारा से जुड़ने आगे आए।प्रशासन की सक्रियता से इन गांवों में प्रशासन की पहुँच सुनिश्चित हुई है। बुजुर्गों से लेकर स्कूली बच्चों तक ने भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारों के साथ तिरंगे को सलामी दी। ग्रामीणों की आँखों में सुरक्षित भविष्य की चमक इस बात का प्रमाण है कि शासन की 'विश्वास आधारित नीति' रंग ला रही है। सुरक्षा कैंपों के माध्यम से जवानों ने न केवल क्षेत्र को सुरक्षित किया, बल्कि ग्रामीणों का मित्र बनकर उनका दिल भी जीता।छत्तीसगढ़ सरकार का अभियान ÷पूना मारगेम (गोंडी भाषा में जिसका अर्थ है नया रास्ता) अब हकीकत बनता दिख रहा है। सुदूर वनांचलों में तिरंगे का लहराना इस बात की पुष्टि करता है कि अब सुकमा में बंदूक की गूँज नहीं, बल्कि विकास और शांति की लहर चलेगी। जिला प्रशासन और पुलिस बल की इस साझा प्रतिबद्धता ने बस्तर में विकास के एक नए अध्याय की शुरुआत कर दी है।

विधान से संकल्प तक गणतंत्र भारत का गौरवशाली उत्सव

रायपुर, 27 जनवरी। जिला मुख्यालय दंतेवाड़ा में आज राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस समारोह अत्यंत हर्षोल्लास, उत्साह एवं देशभक्ति के वातावरण में हायर सेकेंडरी स्कूल के खेल मैदान में गरिमामय ढंग से संपन्न हुआ। समारोह का आयोजन प्रातः 9 बजे किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी, विद्यार्थी एवं नागरिक उपस्थित रहे। समारोह के मुख्य अतिथि प्रदेश के स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि एवं विधायी कार्य मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने हायर सेकेंडरी स्कूल खेल मैदान में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। ध्वजारोहण के पश्चात राष्ट्रगान का सामूहिक गायन किया गया, जिससे संपूर्ण परिसर देशभक्ति की भावना से ओत-प्रोत हो गया। मुख्य अतिथि श्री यादव ने कलेक्टर श्री देवेश कुमार ध्रुव एवं पुलिस अधीक्षक श्री गौरव राय के साथ परेड की सलामी ली। इसके पश्चात उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का प्रदेश की जनता के नाम संदेश का वाचन किया।

वन्देमातरम गीत आजादी का शस्त्र : मुख्यमंत्री साय

रायपुर, 27 जनवरी। राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 वीं वर्षगांठ के अवसर पर बिलासपुर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने शिरकत की। इस अवसर पर रिवर व्यू में रेलवे सुरक्षा बल के बैंड ग्रुप की प्रस्तुति ने सबका मन मोह लिया। टी आर यादव की अगुवाई में बैंड ग्रुप ने देश भक्ति गीतों की धुन पर इंस्ट्रूमेंट के ज़रिए अपनी शानदार प्रस्तुति दी। कार्यक्रम की शुरूआत वंदे मातरम् गीत से की गई। देशभक्ति गीतों से सराबोर इस सांस्कृतिक संध्या में स्थानीय नागरिकों ने उत्साह से भागीदारी की।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इस अवसर पर अपने उद्बोधन में कहा कि वन्देमातरम गीत आजादी शस्त्र है, वन्देमातरम गीत गाकर हमारे वीर सेनानियों ने हंसते हंसते देश के लिए अपना बलिदान दिया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के इस आह्वान से नई पीढ़ी में चेतना का संचार हो रहा है। श्री साय ने पुलिस विभाग द्वारा चलाए जा रहे चेतना अभियान की सराहना की। इस अवसर पर पुलिस विभाग द्वारा सामाजिक जागरूकता के लिए बनाई गई शॉर्ट फिल्म का प्रदर्शन किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री रजनेश सिंह ने चेतना थीम पर आधारित अभियान की संक्षिप्त जानकारी दी।

कार्यक्रम में विधायक सर्व श्री अमर अग्रवाल, श्री धर्मजीत सिंह, श्री धर्मलाल कौशिक, श्री सुशांत शुक्ला, महापौर श्रीमती पूजा विधानी, सभापति श्री विनोद सोनी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी, क्रेडा अध्यक्ष श्री भूपेंद्र स्वन्नी सहित बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित थे।

गणतंत्र दिवस पर लोक भवन में 'स्वागत समारोह' आयोजित

रायपुर, 27 जनवरी । राज्यपाल श्री डेका ने गणतंत्र दिवस की दी शुभकामनाएंराज्यपाल श्री डेका ने गणतंत्र दिवस की दी शुभकामनाएंराज्यपाल श्री डेका ने गणतंत्र दिवस की दी शुभकामनाएं गणतंत्र दिवस के अवसर पर आज शाम लोक भवन में स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने सभी अतिथियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी। समारोह में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने राज्यपाल को पुष्पगुच्छ भेंटकर गणतंत्र दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू, आदिम जाति एवं कृषि मंत्री श्री राम विचार नेताम, सांसद रायपुर श्री बृजमोहन अग्रवाल ने भी राज्यपाल श्री डेका को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी।

समारोह में पूर्व राज्यपाल श्री रमेश बैस, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष श्री धरमलाल कौशिक, महापौर रायपुर श्रीमती मीनल चौबे, अन्य जनप्रतिनिधिगण, छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी के अध्यक्ष श्री शशांक शर्मा, पद्मश्री पुरस्कृत श्रीमती उषा बारले, श्री मदन चौहान, मुख्य सचिव श्री विकास शील, पुलिस महानिदेशक श्री अरूण देव गौतम, मुख्य सूचना आयुक्त श्री अमिताभ जैन, राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री अजय सिंह, रेडक्रॉस के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री एम.के. राउत, पुलिस कमिश्नर रायपुर श्री संजीव शुक्ला, राज्य शासन के वरिष्ठ अधिकारी, सेना एवं पुलिस के अधिकारी, राष्ट्रपति पदक से अलंकृत पुलिस अधिकारी, विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति, राज्य वीरता पुरस्कार प्राप्त बच्चे, प्रजापिता ब्रह्मकुमारी संस्था की बहनें, खेल, शिक्षा, कला, संस्कृति, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण, आजीविका, कृषि, समाज एवं राष्ट्र सेवा जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले प्रदेश भर के आमंत्रित अतिथि, राज्य के उत्कृष्ट खिलाड़ी, गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

विकसित भारत, बढ़ता भारत थीम पर सरगुजा के विद्यालय की सांस्कृतिक प्रस्तुति रही अव्वल

राजधानी रायपुर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया 77वां गणतंत्र दिवस

रायपुर, 27 जनवरी । देश के 77वें गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर राजधानी रायपुर के पुलिस परेड ग्राउंड में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने राष्ट्रीय ध्वज फहराकर संयुक्त परेड की सलामी ली और प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि गणतंत्र दिवस हमें संविधान के मूल्यों के प्रति निष्ठा रखते हुए राष्ट्र की एकता, अखंडता और संप्रभुता को सुदृढ़ करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने नागरिकों से अपने कर्तव्यों के निर्वहन के साथ लोकतंत्र को मजबूत करने का आह्वान किया।

समारोह का प्रमुख आकर्षण स्कूली बच्चों द्वारा प्रस्तुत देशभक्ति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम रहे, जिन्होंने विकसित भारत की परिकल्पना को सजीव मंचन के माध्यम से प्रस्तुत किया।

प्रथम प्रस्तुति में कस्तुरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, सरगुजा (छत्तीसगढ़) के 206 छात्राओं ने विकसित भारत, बढ़ता भारत थीम पर मनमोहक प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में बस्तर और सरगुजा की माटी की खुश्बू, विशेष पिछड़ी जनजातियों की पारंपरिक वेशभूषा में करमा और दमकच नृत्य, नारी शक्ति, सशक्त किसान और मजबूत जवान के संदेश को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। समापन पर कलाकारों ने तिरंगे के रंगों के साथ जय जोहार, जय छत्तीसगढ़ का उद्घोष किया।

द्वितीय प्रस्तुति शिवोम विद्यापीठ, सांकरा, दुर्ग के 310 विद्यार्थियों ने जयतु जयतु भारत के माध्यम से भारत की प्राचीन संस्कृति, युवा ऊर्जा और राष्ट्र की एकता-अखंडता का जीवंत चित्रण किया। प्रत्येक नृत्य की भाव भंगिमा में विकसित भारत के सपने की झलक दिखाई दी।

तृतीय प्रस्तुति पी.जी. उमाठे शासकीय कन्या अंग्रेजी माध्यम उत्कृष्ट विद्यालय, शांति नगर, रायपुर की 300 छात्राओं ने आरंभ है प्रचंड नृत्य-नाट्य के माध्यम से आज़ादी के सौ वर्षों में भारत के सामाजिक, आर्थिक, तकनीकी और सांस्कृतिक उत्कर्ष को प्रभावशाली रूप में प्रस्तुत किया।

शानदार प्रस्तुतियों के लिए प्रथम पुरस्कार कस्तुरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय सरगुजा को, द्वितीय पुरस्कार पी.जी. उमाठे शासकीय कन्या अंग्रेजी माध्यम उत्कृष्ट विद्यालय शांति नगर, रायपुर को तथा तृतीय पुरस्कार शिवोम विद्यापीठ, सांकरा, दुर्ग को प्राप्त हुआ।

राज्यपाल श्री रमेन डेका ने विजेता दलों को सम्मानित करते हुए विद्यार्थियों की प्रतिभा की सराहना की और कहा कि यही युवा शक्ति विकसित भारत की नींव है।

समारोह राष्ट्रभक्ति, सांस्कृतिक विविधता और उवल भविष्य के संकल्प के साथ गौरवपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

77वें गणतंत्र दिवस पर कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने फहराया तिरंगा

रायपुर, 27 जनवरी। रायगढ़ जिले में 77वां गणतंत्र दिवस हर्ष, उल्लास एवं देशभक्ति वातावरण में मनाया गया। शहीद कर्नल विप्लव त्रिपाठी स्टेडियम में आयोजित जिला स्तरीय मुख्य समारोह में आदिम जाति विकास कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री तथा जिले के प्रभारी मंत्री श्री रामविचार नेताम ने प्रातः 9 बजे राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इसके पश्चात राष्ट्रगान और वंदे मातरम् का सामूहिक गायन किया गया तथा पुलिस बल, होमगार्ड, एनसीसी कैडेट्स एवं स्काउट गाइड की टुकड़ियों द्वारा मुख्य अतिथि को सलामी दी गई। मुख्य अतिथि ने कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री शशि मोहन सिंह के साथ परेड का निरीक्षण किया। समारोह में 11 प्लाटूनों द्वारा अनुशासित एवं आकर्षक मार्चपास्ट प्रस्तुत किया गया, जिसके पश्चात मुख्य अतिथि ने परेड कमांडरों से परिचय प्राप्त किया। इस अवसर पर आकाश में तिरंगे गुब्बारे छोड़े गए तथा वीर शहीदों के परिजनों को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि श्री नेताम द्वारा मुख्यमंत्री के जनता के नाम संदेश का वाचन किया गया। उन्होंने प्रदेशवासियों को 77वें गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह दिन हमारे संविधान की शक्ति और लोकतांत्रिक मूल्यों का प्रतीक है तथा स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं राष्ट्र के लिए बलिदान देने वाले वीर सपूतों के त्याग को स्मरण करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना का रजत जयंती वर्ष मनाया गया है तथा भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेई की जन्म शताब्दी को अटल निर्माण वर्ष के रूप में मनाया गया।

समस्त प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनायें
ग्राम पंचायत-इंजको
सावित्री देवी सरपंच
पदमा यादव सचिव
विनीत-समस्त पंचगण एवं ग्रामवासी-इंजको

समस्त प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनायें
ग्राम पंचायत-ईला
संपती सरपंच
रामदुलार पटेल सचिव
विनीत-समस्त पंचगण एवं ग्रामवासी-ईला

समस्त प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनायें
ग्राम पंचायत -कटंगजोर
अनिता तिग्गा सरपंच
विजय नारायण डनसेना सचिव
विनीत-समस्त पंचगण एवं ग्रामवासी-कटंगजोर

समस्त प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनायें
ग्राम पंचायत करमीटिकरा
हीरा कुमारी सरपंच
बोटसाय सिदार सचिव
विनीत-समस्त पंचगण एवं ग्रामवासी-करमीटिकरा

समस्त प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनायें
ग्राम पंचायत-किलकिला
मायावती लकडा सरपंच
फुलसिंह सिदार सचिव
विनीत-समस्त पंचगण एवं ग्रामवासी-किलकिला

समस्त प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनायें
ग्राम पंचायत-कुडकेलखजरी
जेतबर साय पैंकरा सरपंच
सेतराम बेसरा सचिव
विनीत-समस्त पंचगण एवं ग्रामवासी-कुडकेलखजरी

समस्त प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनायें
ग्राम पंचायत - कुनकुरी
क्रांति सिदार सरपंच
रामधनी लकडा सचिव
विनीत-समस्त पंचगण एवं ग्रामवासी- कुनकुरी

समस्त प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनायें
ग्राम पंचायत-केराकछार
जयमुनी टोप्पो सरपंच
दिनेश कुमार नाग सचिव
विनीत-समस्त पंचगण एवं ग्रामवासी-केराकछार

समस्त प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनायें
ग्राम पंचायत-खारढ़ोढ़ी
दुवराज धुर्वे सरपंच
दिलसाय लकडा सचिव
विनीत-समस्त पंचगण एवं ग्रामवासी-खारढ़ोढ़ी

समस्त प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनायें
ग्राम पंचायत-खूंटापानी
ऋषि कुमार सरपंच
विनय कुजूर सचिव
विनीत-समस्त पंचगण एवं ग्रामवासी-खूंटापानी

समस्त प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनायें
ग्राम पंचायत - गोढ़ीकला
स्तुति टोप्पो सरपंच
गोकुल प्रसाद चैहान सचिव
विनीत-समस्त पंचगण एवं ग्रामवासी- गोढ़ीकला

समस्त प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनायें
ग्राम पंचायत-घोघरा
अमृत पैंकरा सरपंच
माधुरी महेश्वरी सचिव
विनीत-समस्त पंचगण एवं ग्रामवासी-घोघरा

समस्त प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनायें
ग्राम पंचायत-चंदरपुर
नंदनी सरपंच
राधेराम पैंकरा सचिव
विनीत-समस्त पंचगण एवं ग्रामवासी-चंदरपुर

समस्त प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनायें
ग्राम पंचायत-चंदागढ़
रौशन प्रताप सिंह सरपंच
रुपेन्द्र पैंकरा सचिव
विनीत-समस्त पंचगण एवं ग्रामवासी-चंदागढ़

समस्त प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनायें
ग्राम पंचायत - जामजुनवानी
शिवप्रसाद लकडा सरपंच
शीतल प्रसाद गुप्ता सचिव
विनीत-समस्त पंचगण एवं ग्रामवासी- जामजुनवानी

समस्त प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनायें
ग्राम पंचायत-जोराडोल
फलोरा कुजूर सरपंच
लीलावती भगत सचिव
विनीत-समस्त पंचगण एवं ग्रामवासी-जोराडोल

समस्त प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनायें
ग्राम पंचायत-झक्कडपुर
लोहर सिंह नाग सरपंच
विजय नारायण डनसेना सचिव
विनीत-समस्त पंचगण एवं ग्रामवासी-झक्कडपुर

समस्त प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनायें
ग्राम पंचायत-डूमरबहार
जगतरानी मिंज सरपंच
सुश्री मीरा यादव सचिव
विनीत-समस्त पंचगण एवं ग्रामवासी-डूमरबहार

समस्त प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनायें
ग्राम पंचायत - तिरसोंठ
अजय कुमार भगत सरपंच
रामेश्वर राम नाग सचिव
विनीत-समस्त पंचगण एवं ग्रामवासी- तिरसोंठ

समस्त प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनायें
ग्राम पंचायत-मुडेकेला
तेरेशा केरकेट्टा सरपंच
अनूप राठिया सचिव
विनीत-समस्त पंचगण एवं ग्रामवासी-मुडेकेला

समस्त प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनायें
ग्राम पंचायत- सराईटोला
अंजेला खलखो सरपंच
गजानंद पैंकरा सचिव
विनीत-समस्त पंचगण एवं ग्रामवासी- सराईटोला

समस्त प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनायें
ग्राम पंचायत-लुड़ेग
शंकुतला देवी सरपंच
रामेश्वर राम नाग सचिव
विनीत-समस्त पंचगण एवं ग्रामवासी-लुड़ेग

समस्त प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनायें
ग्राम पंचायत - लोकेर
नीलमती पैंकरा सरपंच
दिलसाय भगत सचिव
विनीत-समस्त पंचगण एवं ग्रामवासी- लोकेर

समस्त प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनायें
ग्राम पंचायत-शिवपुर
हेमंती पैंकरा सरपंच
भुनेश्वर यादव सचिव
विनीत-समस्त पंचगण एवं ग्रामवासी-शिवपुर

समस्त प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनायें
ग्राम पंचायत- पतरापाली
जानकी लकडा सरपंच
लोहर साय नाग सचिव
विनीत-समस्त पंचगण एवं ग्रामवासी- पतरापाली

समस्त प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनायें
ग्राम पंचायत-सुसडेगा
प्रेमसाय सिदार सरपंच
प्रतिमा बेक सचिव
विनीत-समस्त पंचगण एवं ग्रामवासी-सुसडेगा

समस्त प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनायें
ग्राम पंचायत - सूरजगढ़
कुमारी सरस्वती सरपंच
रुपेन्द्र पैंकरा सचिव
विनीत-समस्त पंचगण एवं ग्रामवासी- सूरजगढ़

समस्त प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनायें
ग्राम पंचायत-पंडरीपानी
यशोदा सिदार सरपंच
गोकुलानंद गुप्ता सचिव
विनीत-समस्त पंचगण एवं ग्रामवासी-पंडरीपानी

समस्त प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनायें
ग्राम पंचायत- बटुराबहार
पुष्पा बाज सरपंच
टिपेन्द्र यादव सचिव
विनीत-समस्त पंचगण एवं ग्रामवासी- बटुराबहार

समस्त प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनायें
ग्राम पंचायत-पाकरगांव
पटेल राम भगत सरपंच
संदीप राज सचिव
विनीत-समस्त पंचगण एवं ग्रामवासी-पाकरगांव

समस्त प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनायें
ग्राम पंचायत - पालीडिह
कमला सिदार सरपंच
गनपत सिदार सचिव
विनीत-समस्त पंचगण एवं ग्रामवासी- पालीडिह

समस्त प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनायें
ग्राम पंचायत-बंधनपुर
अमीन एक्का सरपंच
गजानंद पैंकरा सचिव
विनीत-समस्त पंचगण एवं ग्रामवासी-बंधनपुर

समस्त प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनायें
ग्राम पंचायत- बिलडेगी
सम्मति बाई सरपंच
अरुण कुमार साह सचिव
विनीत-समस्त पंचगण एवं ग्रामवासी- बिलडेगी

समस्त प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनायें
ग्राम पंचायत- बनगावं (बी)
करमीला भगत सरपंच
गनपत सिदार सचिव
विनीत-समस्त पंचगण एवं ग्रामवासी- बनगावं (बी)

समस्त प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनायें
ग्राम पंचायत - बहनाटांगर
प्रयाग सिंह सिदार सरपंच
टिपेन्द्र यादव सचिव
विनीत-समस्त पंचगण एवं ग्रामवासी- बहनाटांगर

समस्त प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनायें
ग्राम पंचायत-बालाझार
हिरनाथ दिवान सरपंच
दिल साय लकडा सचिव
विनीत-समस्त पंचगण एवं ग्रामवासी-बालाझार

समस्त प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनायें
ग्राम पंचायत- कुमेकेला
उषा बाई सिदार सरपंच
रामलाल धिरही सचिव
विनीत-समस्त पंचगण एवं ग्रामवासी- कुमेकेला

समस्त प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनायें
ग्राम पंचायत- बुढाडांड़
बेदकुंवर राठिया सरपंच
बरत बाई दिनकर सचिव
विनीत-समस्त पंचगण एवं ग्रामवासी- बुढाडांड़

समस्त प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनायें
ग्राम पंचायत - मिर्जापुर
जगदीश कुमार सिदार सरपंच
भानुक सिदार सचिव
विनीत-समस्त पंचगण एवं ग्रामवासी- मिर्जापुर

समस्त प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनायें
ग्राम पंचायत-मुडापारा
लुसिया तिर्की सरपंच
संदीप राज सचिव
विनीत-समस्त पंचगण एवं ग्रामवासी-मुडापारा

समस्त प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनायें
वेदानंद आर्य
विकास खंड शिक्षा अधिकारी
पत्थलगांव-जिला-जशपुर छ.ग.

समस्त प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनायें
धनियारो परहा अध्यक्ष
फिलिसफिना एक्का उपाध्यक्ष
के.के.श्रीवास
मुख्य कार्यपालन अधिकारी
एवं समस्त कर्मचारीगण जनपद पंचायत-पत्थलगांव-जिला-जशपुर

समस्त प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनायें
संकलनकर्ता
राजेश कुमार अग्रवाल
पत्थलगांव-जिला-जशपुर
मो.नं-9425573895

कौशल किशोर मिश्र प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी की ओर से तरुण छत्तीसगढ़, तरुण छत्तीसगढ़ प्रेस टॉवर, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक- कौशल किशोर मिश्र, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2024-26